खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 25 मार्च, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-84

भाजपा प्रत्याशियों की नई धमाकेदार सूची घोषित

मेनका की उम्मीदवारी बरकरार बेटे वरुण का टिकट कटा

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपनी पांचवीं सूची जारी कर दी है। इसमें 13 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। पार्टी ने पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी को टिकट नहीं दिया है। उनकी जगह उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जितिन प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है। वरुण गांधी की मां मेनका गांधी का टिकट सुल्तानपुर से बरकरार रखा गया है।

जनरल वी.के. सिंह के चुनाव लड़ने से मना करने के बाद भाजपा ने गाजियाबाद से अतुल गर्ग को टिकट दिया है। इसके अलावा मेरठ से रामायण सीरियल फेम के अभिनेता अरुण गोविल को उम्मीदवार बनाया गया है। अलीगढ़ से सतीश गौतम, बाराबंकी से राजरानी रावत, मुरादाबाद से सर्वेश सिंह, हाथरस से अनूप वाल्मीकि, बरेली से क्षत्रपाल सिंह, सहारनपुर से राघव लखनपाल, कानपुर से रमेश अवस्थी, बहराइच से अरविंद गोंड और बदायूं से दुर्विजय शाक्य को टिकट दिया गया।

पीलीभीत लोकसभा सीट पिछले चार चुनावों से भाजपा के कब्जे में है। मौजूदा समय में वरुण गांधी इस सीट से सांसद हैं। वरुण गांधी लंबे समय से पार्टी की नीतियों को लेकर मुखर रहे हैं। पार्टी ने पीलीभीत सीट से जितिन प्रसाद को उम्मीदवार घोषित किया है। जितिन प्रसाद मौजूदा समय में लोक निर्माण मंत्री हैं। जितिन प्रसाद ने 2004 के लोकसभा चुनाव में शाहजहांपुर से जीत हासिल की थी। 2009 के चुनाव में वह धौरहरा सीट से सांसद बने।

▶9 पर

उद्योगपति नवीन जिंदल भाजपा में शामिल, चुनाव भी लड़ेंगे

अरुण गोविल और कंगना राणावत भी भाजपा प्रत्याशी घोषित

बिहार में भी उलटफेर, केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे को मौका नहीं

केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे का पत्ता कटा

पटना, 24 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की 40 में से 39 सीटों पर पिछले लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने इस बार उससे बेहतर रिजल्ट लाने के लक्ष्य को देखते हुए ज्यादा खतरा नहीं मोल लिया है। पहले जनता दल यूनाइटेड ने अपने मौजूदा सांसदों से ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की। अब भारतीय जनता पार्टी ने भी वही अपनाया। जैसे ही जदयू ने प्रत्याशियों की आज सुबह घोषणा की, यह भी साफ हो गया कि अब भाजपा के पास भी बहुत माथापची की संभावना नहीं बची है। वही हुआ। बक्सर से केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे को बदला गया है। उनके अलावा दो सांसदों का टिकट काटा गया है। ▶9 पर

गाजियाबाद की जनता का आभारी रहूंगा: वी.के. सिंह

गाजियाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा सांसद व मंत्री जनरल वी.के. सिंह ने आगामी लोकसभा चुनाव 2024 न लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा, मैंने सैनिक के रूप में इस राष्ट्र की सेवा में अपना सारा जीवन समर्पित किया है। पिछले 10 वर्षों से मैंने गाजियाबाद को एक विश्वस्तरीय शहर बनाने के सपने को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम किया है। इस यात्रा में, देश और गाजियाबाद के नागरिकों के साथ-साथ भाजपा के सदस्यों का जो विश्वास और प्रेम मुझे प्राप्त हुआ है, उसके लिए मैं आभारी हूं। यह भावनात्मक बंधन मेरे लिए अमूल्य है।

▶9 पर

भूटान नरेश ने की प्रधानमंत्री मोदी की सराहना

मोदी असाधारण नेता, दुनिया को ऐसे लोगों की जरूरत

मोदी की गारंटी थी, खराब मौसम में भी भूटान आए : पीएम शेरिंग

थिम्फू, 24 मार्च (एजेंसियां)। भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को असाधारण नेता बताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की दो दिवसीय भूटान यात्रा पर उनकी तारीफ करते हुए कहा कि दुनिया को ऐसे ही नेताओं की जरूरत है। अगर ऐसे नेता होंगे तो देशों को आगे बढ़ने और फलने-फूलने से कोई नहीं रोक सकता। पड़ोसी देश के राजा वांगचुक ने अपने संदेश में भारत की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारत ने एक आशाजनक और समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया है। भूटान भारत की उपलब्धियों की सराहना करता है और खुशी मनाता है।

अपने संदेश में भूटान नरेश वांगचुक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले दशक में न केवल उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, बल्कि एक आशाजनक और समृद्ध भविष्य का मार्ग भी दिखाया है। हम भारत की उपलब्धियों की सराहना करते हैं और इस पर अपार खुशी मनाते हैं। देशों को आगे बढ़ने और फलने-फूलने के लिए असाधारण नेताओं की आवश्यकता होती है। ▶9 पर

मोदी ने देश के सभी परिवारजनों को होली की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को होली की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा, देश के मेरे सभी परिवारजनों को होली की अनेकानेक शुभकामनाएं। स्नेह और सद्भाव के रंगों से सजा यह पारंपरिक पर्व आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नया उत्साह लेकर आए।

आईएयू से चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट का नाम मंजूर

चंद्रमा पर स्थापित हुआ शिव शक्ति केंद्र

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर चंद्रयान-3 की लैंडिंग सतह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिव शक्ति केंद्र (पॉइंट) कहा था। इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन (आईएयू) ने इस नाम को मंजूरी दे दी है। चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर लैंडिंग करने वाला दुनिया का पहला देश भारत बना था। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग ने दुनियाभर के देशों की स्पेस एजेंसियों को हैरान कर दिया था। सफलता के बाद 26 अगस्त, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 के लैंडिंग साइट को शिव-शक्ति पॉइंट कहा था। 19 मार्च को इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन (आईएयू) ने इस नाम को मंजूरी दे दी है।

▶9 पर

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने फौजियों के साथ लेह में खेली होली

भारत के शौर्य और पराक्रम की राजधानी है लद्दाख

लेह, 24 मार्च (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लेह में सशस्त्र बलों के जवानों के साथ होली मनाने के लिए पहुंचे। उन्होंने लेह में हॉल ऑफ फेम पर अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर बहादुरों को याद किया और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान सीमा पर खूब गुलाल उड़ा और मिठाइयां बांटी गईं। रक्षा मंत्री ने लेह में जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि लद्दाख भारत माता का चमकता हुआ मुकुट है। यह राष्ट्रीय संकल्प का प्रतिनिधित्व करता है। देश की राजनीतिक राजधानी दिल्ली है। आर्थिक राजधानी मुंबई है और तकनीकी राजधानी बेंगलुरु है, उसी तरह लद्दाख शौर्य और पराक्रम की राजधानी है।रक्षा मंत्री ने कहा कि मौसम खराब होने के कारण सियाचिन में तैनात जवानों से नहीं मिल पाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में वह फिर विश्व के सबसे ऊंचे युद्धस्थल पर जाने की जरूर कोशिश करेंगे। रविवार को होली के पर्व पर केंद्रीय रक्षा मंत्री केंद्र शासित प्रदेश के लद्दाख के लेह में जवानों संग होली मनाने के लिए पहुंचे। लेह हवाई अड्डे पर रक्षा मंत्री का लद्दाख के उपराज्यपाल बीडी मिश्रा, प्रशासन व सेना के उच्च अधिकारियों ने स्वागत किया। राजनाथ सिंह के साथ सेना प्रमुख मनोज पांडे भी पहुंचे हुए हैं। रक्षा मंत्री ने लेह में हॉल ऑफ फेम पर देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों को याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने जवानों के साथ होली मनाई। उन्हें गुलाल लगाते हुए मिठाई भी खिलाई। देश के नागरिक अपने घरों में सुरक्षित तरीके से होली मना सकें, इसलिए सीमा पर देश की रक्षा में तैनात वीर सैनिक तैनात हैं। ऐसे में उनका मनोबल बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्री यहां पहुंचे। होली का पर्व मनाते हुए जवानों ने खूब गुलाल उड़ाया और ▶9 पर

लद्दाख राष्ट्रीय संकल्प का प्रतिनिधित्व करता है

भीषण जल संकट में कर्नाटक, सरकार कर रही आरोप-प्रत्यारोप

आर्थिक मदद के लिए आरोप भी और गुहार भी

बेंगलुरु/नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में भीषण जल संकट है। लेकिन राज्य सरकार कुछ करने के बजाय केंद्र सरकार पर आरोप मढ़ने में लगी है। एक तरफ आरोप भी लगा रही है और दूसरी तरफ आर्थिक मदद के लिए गुहार भी लगा रही है। केंद्र की आर्थिक मदद पाने के लिए कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने तमिलनाडु सरकार के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कर्नाटक संकट के लिए तमिलनाडु सरकार को जिम्मेवार ठहराया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनका कहना है कि पानी की कमी से जूझ रहे राज्य को केंद्र सरकार से धन नहीं मिल रहा है। केंद्र से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) जारी करवाने के लिए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है।सीएम सिद्धारमैया ने कहा, हमने राज्य को सूखा राहत निधि के वितरण में देरी को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ ये याचिका दायर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में सूखे की स्थिति पर मंत्रिस्तरीय टीम द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपने के पांच महीने बाद भी केंद्र ने धनराशि जारी नहीं की है। उन्होंने कहा, राज्य गंभीर सूखे से जूझ रहा है। इससे लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। ▶9 पर

पूर्व पीएम ने तमिलनाडु सरकार तो जिम्मेवार ठहराया

जल संकट पर देवगौड़ा ने तमिलनाडु सीएम को घेरा

बेंगलुरु, 24 मार्च (एजेंसियां)। बेंगलुरु आज बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है। गर्मी के आने से पहले ही शहर में जल संकट गहरा गया है। यह न केवल बेंगलुरु बल्कि पूरे देश के लिए एक चिंता का विषय है। यहां के कुछ इलाकों में हालात इतने खराब हो गए हैं कि स्कूल ही बंद कर दिए गए हैं। कर्नाटक राज्य की ऐसी हालत पर पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा ने कहा कि बेंगलुरु समेत पूरे राज्य में पानी का संकट है। पिछले पांच महीनों में बेंगलुरु में कई सारे लोग अपने घरों को ताला लगाकर अपने गृहनगर चले गए हैं। उन्होंने तमिलनाडु के सीएम पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, इस संबंध में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने गंभीर फैसला लिया है। ▶9 पर

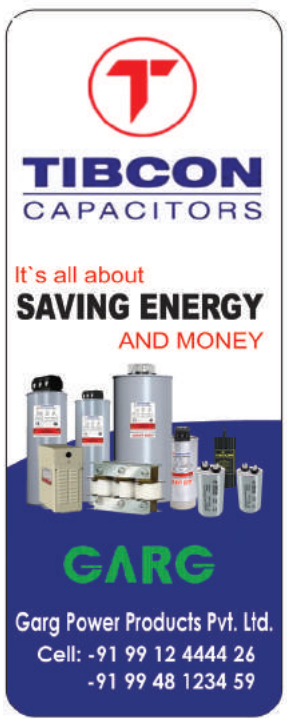

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 37⁰
न्यूनतम : 24⁰

फोन टैपिंग मामले में हैदराबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दो आला पुलिस अफसर गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। हैदराबाद पुलिस ने फोन टैपिंग के मामले में एक बड़ी कार्रवाई की है। दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। जिन अफसरों को गिरफ्तार किया गया है उनमें अतिरिक्त डीसीपी तिरुपतन्ना और अतिरिक्त एसपी एन भुजंगा राव शामिल हैं। एन भुजंगा राव तेलंगाना में बीआरएस सरकार के दौरान सीएम सुरक्षा प्रकोष्ठ में तैनात थे। आरोप है कि बीआरएस कार्यकाल के दौरान विपक्षी नेताओं की निगरानी के लिए उनके फोन टैप किए गए थे। तिरुपतन्ना पहले एसआईबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के तौर पर काम कर चुके हैं। वहीं भुजंगा राव इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट के एडिशनल एसपी रह चुके हैं। दोनों अधिकारियों पर उन निगरानी दलों का हिस्सा होने का आरोप लगाया गया है जो कथित तौर पर विपक्षी राज-नेताओं के टेलीफोन कॉल को सुनते थे। उन पर एसआईबी के निलंबित डीएसपी डी प्रणीत राव के साथ मिलीभगत करने का आरोप है।माना जा रहा है कि ये अधिकारी राव को रिपोर्ट करते थे। राव को हैदराबाद पुलिस पहले ही विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से खुफिया जानकारी मिटाने के साथ-साथ पिछले बीआरएस शासन के दौरान कथित फोन टैपिंग के लिए गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों अधिकारियों को बंजारा हिल्स पुलिस थाने में बुलाया गया, जहां प्रणीत से पिछले एक सप्ताह से पूछताछ की जा रही थी। पता चला है कि प्रणीत और दो अधिकारी से संयुक्त रूप से पूछताछ की गई थी। हैदराबाद पुलिस ने शनिवार देर रात एक आधिकारिक विज्ञप्ति में दावा किया कि पूछताछ के दौरान, दोनों पुलिस अधिकारियों ने अपने आधिकारिक पदों का दुरुपयोग करके अपनी प्रोफाइल विकसित करके अवैध रूप से निजी व्यक्तियों ▶9 पर

एक डीएसपी पहले ही हो चुका है गिरफ्तार

असम के मुख्यमंत्री ने मुसलमानों को दी हिदायत

बांग्लाभाषी मुस्लिम कुरीतियां छोड़ें तभी स्वीकार्य

दिसपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने कहा कि बांग्ला-भाषी मुस्लिमों को बाल विवाह और बहुविवाह जैसी कुप्रथाओं को छोड़ना होगा। तभी वे मूल निवासी खिलोंजिया माने जाएंगे। उन्हें तभी नागरिक के तौर पर स्वीकार किया जाएगा। इससे पहले भी मुख्यमंत्री सरमा ने बांग्ला-भाषी मुस्लिमों को लेकर कहा था कि असम में सामाजिक कुरीतियों के लिए बांग्ला-भाषी मुस्लिम समुदाय के लोग जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा था कि इस समुदाय में ज्यादातर लोग बांग्लादेश से आए हैं। असम में बंगाली बोलने वाले मुस्लिमों को मियां कहा जाता है। सीएम सरमा का कहना है कि मियां यहां के मूल निवासी हैं या नहीं, यह अलग मुद्दा है। हम यह कह रहे हैं कि अगर बंगाली बोलने वाले मुस्लिम मूल निवासी बनना चाहते हैं तो इसमें कोई समस्या नहीं है लेकिन उन्हें कुरीतियों को छोड़कर महिलाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित करना होगा। तब ही वे मूल निवासी कहलाए जाएंगे। इसलिए इन लोगों को बाल विवाह और बहुविवाह को छोड़ना होगा।इसके बाद हेमंत बिस्वा सरमा ने असम की संस्कृति की बात की। ▶9 पर

कार्टून कॉर्नर

अमेरिका में एक और भारतवंशी की मौत, कार हादसे में गई महिला की जान, शव को वापस लाने की कोशिशें जारी

न्यूयॉर्क, 24 मार्च (एजेंसियां) ।

अमेरिका में भारतीय मूल की 21 वर्षीय महिला की मौत हो गई। न्यूयॉर्क स्थिक भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर बताया कि पेंसिल्वेनिया में हुए कार हादसे में भारतीय मूल की महिला अर्शिया जोशी की मौत हो गई। दूतावास द्वारा अर्शिया जोशी के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई है।

कार दुर्घटना में हुई मौत – वाणिज्य दूतावास ने बताया कि वह लगातार अर्शिया जोशी के परिवार और स्थानीय नेताओं के संपर्क में है। दूतावास द्वारा अर्शिया के पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया गया है। एक्स पर की गई पोस्ट में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने बताया कि 21 मार्च को पेंसिल्वेनिया में एक दुखद कार दुर्घटना हुई, जिसमें अर्शिया जोशी की मौत हो गई। अर्शिया के परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदना है, उनकी आत्मा को शांति मिले। आगे लिखा है कि आर्शिया के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत लाने के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। इस साल यानी 2024 में अमेरिका में आठ भारतीय और भारतीय मूल के लोगों की मौत हो चुकी है। उधर भारतवंशियों पर लगातार हमले की घटनाएं भी सामने आई हैं। इस वजह से वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों में डर का माहौल है। मार्च 2024 में वॉशिंगटन विश्वविद्यालय के छात्र और कुचुपुड़ी डांसर अमरनाथ घोष को सेंट लुइस में गोली मार दी गई थी। पश्चिम बंगाल के रहने वाले अमरनाथ घोष साल 2023 में अमेरिका चले गए थे। घोष के शरीर पर कई गोलियां दागी गई थी, जिस वजह से उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। 5 फरवरी 2024 को भारतीय मूल के छात्र समीर कामथ का शव इंडियाना क्षेत्र में मिला था। समीर कामथ पर्ड्यू विश्वविद्यालय के छात्र थे। 2 फरवरी 2024 को वाशिंगटन में एक रेस्तरां के बाहर भारतीय मूल के आईटी एग्जीक्यूटिव विवेक तनेजा पर हमला हुआ था। इस हमले में उनकी मौत हो गई थी। इसी साल जनवरी महीने में ओहायो में लिंडनर स्कूल ऑफ बिजनेस के छात्र श्रेयस रेड्डी का शव मिला था। जनवरी के महीने में ही पर्ड्यू विश्वविद्यालय के छात्र नील आचार्य के लापता होने की खबर सामने आई थी। इसके बाद नील की मौत की पुष्टि हो गई थी। फरवरी में अमेरिका में एक और भारतीय मूल के छात्र की मौत हो गई थी। छात्र का नाम अकुल धवन था और वो इलिनोइस विश्वविद्यालय अर्बाना-शैंपेन के छात्र 18 मार्च को अभिजीत पारुचुरु की मौत की खबर सामने आई है। उन पर किसी तरह के हमले की पुष्टि नहीं हुई ।

न्यूज ब्रीफ

हांगकांग में लागू नए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के खिलाफ ताइवान में विरोध प्रदर्शन

ताइपे । हांगकांग में लागू किए गए नए सुरक्षा कानून के अनुच्छेद 23 के खिलाफ ताइवान के ताइपे में एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि कानून न केवल स्थानीय निवासियों बल्कि विदेशी नागरिकों को भी प्रभावित कर सकता है। विशेष रूप से ताइवान में रहने वाले हांगकांगवासियों ने ताइपे में विरोध प्रदर्शन में भाग लिया, जहां नए कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया था, जिसे 19 मार्च को हांगकांग की विधान परिषद द्वारा पांच प्रकार के अपराधों को लक्षित करते हुए मंजूरी दी गई थी। हांगकांग के संविधान के मूल कानून में अनुच्छेद 23 के तहत, राजद्रोह, विद्रोह और तोड़फोड़ के दोषी लोगों को आजीवन कारावास मिल सकता है, जबकि राजद्रोह के दोषी पाए जाने वालों को सात से 10 साल की जेल की सजा हो सकती है। हम इस अनुच्छेक के खिलाफ- स्काई फंग ताइवान स्थित निर्वासित समूह हांगकांग आउटलैंडर्स के महासचिव स्काई फंग ने कहा कि हांगकांग सरकार ने पहले दावा किया था कि हांगकांग के लोगों ने अनुच्छेद 23 का विरोध नहीं किया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि हांगकांग राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के लागू होने के बाद हांगकांगवासियों के लिए अपना विरोध व्यक्त करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। फंग ने कहा कि इसलिए ताइवान में लोकतंत्र और स्वतंत्रता वाले इस देश में हम यहां यह कहने आए हैं कि हांगकांग के लोग और ताइवानी मूल कानून अनुच्छेद 23 के खिलाफ हैं। हांगकांग राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू 30 जून, 2020 को चीन ने क्षेत्र पर हांगकांग राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया, जिससे अलगाव, तोड़फोड़, आतंकवाद और विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत के अपराध स्थापित हुए। उस संदर्भ में, संशोधित अनुच्छेद 23 को कई लोग एचकेएनएसएल का विस्तार मानते हैं। चीन ने 2019 के मध्य से 2020 की शुरुआत तक हांगकांग में महीनों तक चले लोकतंत्र समर्थक विरोध प्रदर्शनों के बाद एचकेएनएसएल को लागू किया। टिकटॉक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा घोषित ताइवान के डिजिटल मामलों के मंत्री ऑड्रे टैंग ने चीन स्थित कंपनी 'बाइडडांस' के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा घोषित किया है। उन्होंने जोर दिया कि मंच का विरोधी ताकतों के साथ जुड़ाव अमेरिका के उस दृष्टिकोण से मेल खाता है, जो टिकटॉक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा मानता है। हाल ही में एक विधायी सुनवाई के दौरान, टैंग ने कहा, ताइवान ने टिकटॉक को एक खतरनाक उत्पाद के रूप में वर्गीकृत किया है। ताइवान ने यह फैसला काफी हद तक अमेरिका से प्रेरित होकर लिया है।

सीएम मरियम नवाज ने पतंगबाजी को बताया खूनी खेल, फैसलाबाद में डोर से युवक की मौत के बाद आक्रोश

लाहौर । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने पतंगबाजी पर अजीबोगरीब बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पतंग उड़ान एक खूनी खेल हैं। इसके लिए कठोर कानून बनाने का समय आ गया है। गौरतलब है कि उनका यह बयान फैसलाबाद की घटना के बाद सामने आया जब बाइक चालक की पतंग की डोर से गला कटने से मौत हो गई थी। पतंग की डोर ने ली बाइक सवार युवक की जान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने कहा कि फैसलाबाद में एक होनहार युवक की पतंग की डोर के चलते मौत हो गई। मैं सभी प्रशासनिक और पुलिस विभागों को छापेमारी करने और ऐसे उल्लंघनों में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार करने का निर्देश दे रही हूं। सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर उन्होंने लिखा, मैं अधिकारियों को 48 घंटे का समय दे रही हूं। फैसलाबाद की घटना के बाद आक्रामक दिखीं मरियम नवाज फैसलाबाद की घटना के बाद से ही मरियम नवाज खासा आक्रोशित दिखाई दे रही है। उन्होंने पतंगबाजी को रोकने में अधिकारियों की विफलता पर चिंता जाहिर की है। मौज मस्ती के लिए किसी नागरिक की जान जोखिम में डालने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। इस बीच, पुलिस अधिकारी कैप्टन मुहम्मद अली जिया ने अपने क्षेत्र में पतंगबाजी रोकने में विफल रहने के लिए फैक्ट्री एरिया स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) को निलंबित कर दिया। 2005 से पाकिस्तान में पतंग उड़ाने पर प्रतिबंध बता दें फैसलाबाद का रहने वाला 20 वर्षीय आसिफ शफीक पतंग की डोर की चपेट में आ गया, जिसके कारण गले पर गंभीर घाव बन गए। घटना के बाद आसिफ की मौत हो गई। गौरतलब है कि पतंग की डोर के कारण लगातार मौतों में वृद्धि के बाद 2005 से पाकिस्तान में पतंग उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि फैसलाबाद समेत पंजाब में कुछ शहर हैं, जहां प्रतिबंध के बावजूद बसंत उत्सव मनाया जाता है। पंजाब पुलिस ने हाल ही में लाहौर और प्रांत के अन्य हिस्सों में पतंग उड़ाने के लिए कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

शौचालय में मिले 28 शव, आईएस ने जारी किया गोलीबारी का वीडियो

मॉस्को, 24 मार्च (एजेंसियां) ।

रूस के क्रॉकस सिटी में हुई गोलीबारी में 130 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। आतंकियों ने मासूम लोगों को निशाना बनाते हुए हॉल में धमाका किया और जमकर गोलियां बरसाई थीं। अब तक इस घटना पर 11 संदिग्ध गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें से चार वह बंदूकधारी हैं, जो हमले में सीधे तौर पर शामिल रहे। वहीं, हमले की जिम्मेदारी आईएस-खोरासान ने ली है। इस बीच, यूक्रेन के अधिकारियों ने सफाई दी है कि वह इस हमले के पीछे नहीं हैं। हालांकि, रूसी अधिकारियों का दावा है कि हमलावरों को यूक्रेन से मदद मिली थी।

रूसी अधिकारियों ने पहले कहा था कि गोलीबारी में 143 लोग मारे गए हैं। हालांकि, बाद में उन्होंने बताया कि 24 घंटे से अधिक समय की तलाश में 133 शव बरामद किए गए हैं। 107 लोग अस्पतालों में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं।

आइए जानते हैं आंतकी हमले से लेकर आतंकियों की गिरफ्तारी तक क्या कुछ हुआ-

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 मार्च के दिन राष्ट्रीय शोक का एलान किया। पुतिन ने कहा कि हमलावरों ने भागने की कोशिश की; वे यूक्रेन की सीमा की ओर बढ़ रहे थे। जांच अधिकारी हमलावरों की पहचान करने का हर संभव प्रयास करेंगे। ये अपराधी विशेष रूप से हमारे लोगों को मारने के लिए गए थे। पुतिन ने अन्य देशों से सहयोग की उम्मीद भी जताई।

रूस की सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक, हमलावरों के यूक्रेन में संपर्क थे और वह बॉर्डर की तरफ भाग रहे थे। हालांकि, रूस-यूक्रेन बॉर्डर तक पहुंचने से पहले ही उन्हें ब्रायन्स्क प्रांत में पकड़ लिया गया।

वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने साफ मना कर दिया है कि उनके देश का इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है।यूक्रेनी सैन्य खुफिया प्रवक्ता एंड्री युसोव ने बताया कि उनका देश इस आतंकवादी हमले में शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन रूसी आक्रमण के खिलाफ खुद का बचाव कर रहा है और यह कब्जा करने वालों की सेना के खिलाफ लड़ रहा है, न कि नागरिकों के खिलाफ।

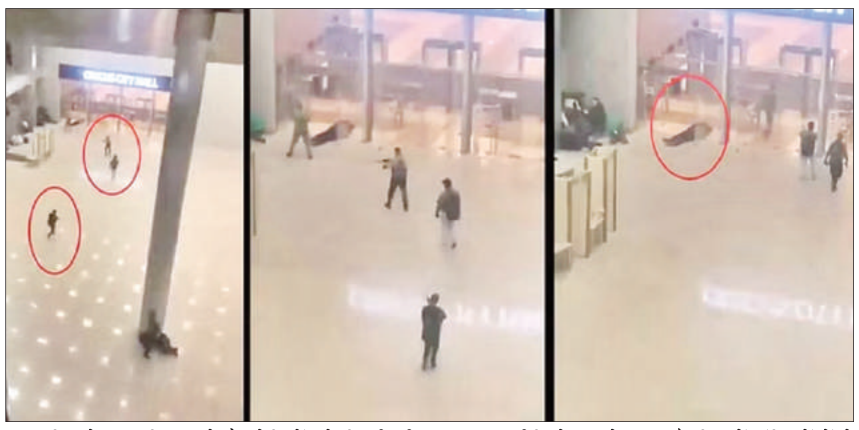

पुतिन ने कहा कि हमले के दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जांच के बाद हत्याकांड के दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा, हम उन सभी की पहचान करेंगे और उन्हें सजा देंगे जो रूस के खिलाफ और हमारे लोगों के खिलाफ इस अत्याचार की योजना बनाने वाले आतंकवादियों के पीछे हैं।

इस बीच, अमेरिका के व्हाइट हाउस ने दावा किया कि अमेरिकी सरकार ने मॉस्को में एक योजनाबद्ध हमले के बारे में रूस के साथ जानकारी साझा की थी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वाटसन ने कहा कि इस हमले में यूक्रेन का कोई हाथ नहीं है।

कॉन्सर्ट हॉल में कुछ लोगों की मौत बंदूक की गोली लगने से हुई, जबकि अन्य की आग में जलने से मौत हो गई क्योंकि बंदूकधारियों ने हॉल में आग लगाने के लिए पेट्रोल का इस्तेमाल किया था। 28 शव शौचालय से और 14 शव सीढ़ी से बरामद किए गए।

रूसी सांसद अलेक्जेंडर खिनशेटिन ने कहा कि हमलावरों को पुलिस ने मॉस्को से लगभग 340 किलोमीटर (210 मील) दक्षिण-पश्चिम में ब्रायन्स्क क्षेत्र में देखा था। उन्होंने कहा कि उन्हें रुकने का आदेश दिया, लेकिन वह नहीं रुके, जिसके बाद एक कार का पीछा किया गया। कार में एक पिस्तौल, एक असॉल्ट राइफल के लिए एक पत्रिका और ताजिकिस्तान के पासपोर्ट पाए गए।

एक वीडियो सामने आया है, जिसमें संदिग्धों में से एक युवा, दाढ़ी वाले व्यक्ति से सड़क के किनारे पूछताछ करते हुए देखा गया। संदिग्ध ने कहा कि वह चार मार्च को तुर्की से आया था और उसे टेलीग्राम के माध्यम से अज्ञात लोगों से पैसे के बदले हमले को अंजाम देने का निर्देश मिले थे। इस्लामिक स्टेट आईएस ने कहा कि सैकड़ों लोगों की हत्या करने और भारी तबाही मचाने के बाद उसके लड़ाके सुरक्षित अपने ठिकानों पर लौट आए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने समाचार संस्थानों को बताया है कि जो बाइडन प्रशासन के पास आईएस के जिम्मेदारी के दावे पर संदेह होने की कोई वजह नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक बयान में कहा, अमेरिका मॉस्को में हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है। इस्लामिक स्टेट आतंकवादी है, जिसे हर जगह से खत्म किया जाना चाहिए। आईएस से संबद्ध समाचार एजेंसी ने एक ग्राफिक वीडियो जारी किया, जिसमें मॉस्को के एक कॉन्सर्ट हॉल में हुए हमले को दिखाया गया है, जिसे हमलावरों में से एक ने रिकॉर्ड किया है। करीब 90 सेकंड के इस वीडियो में चार हमलावरों को दिखाया गया है, जिनके चेहरे धुंधले हैं और क्रोकस सिटी हॉल परिसर में उनकी आवाजें गूंज रही हैं। वीडियो में एक हमलावर दूसरे को संकेत देते हुए दिखाई दिया। इसके बाद हमलावर एक दरवाजे के पास जाता है, जहां लोग छिपे हुए हैं और उन पर गोलियां चलाता है। वहीं, हॉल के फर्श पर शव और खून देखा जा सकता है।

सिंगापुर में जयशंकर ने दो टूक लहजे में साफ किया भारत का रुख

दहशतगर्द हर भाषा में सिर्फ आतंकवादी उसका कोई बचाव नहीं

सिंगापुर, 24 मार्च (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर इन दिनों सिंगापुर की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। यहां रविवार को उन्होंने वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात और वार्ता की। इस दौरान जयशंकर ने हाल ही में रूस की राजधानी में हुए आतंकी हमले की आलोचना की। सिंगापुर में भारतीय समुदाय के लोगों से वार्ता करते हुए विदेशमंत्री ने कहा कि किसी भी भाषा में एक आतंकवादी, आतंकवादी ही होता है। किसी को भी आतंकवाद की अलग-अलग व्याख्या के कारण आतंकवादी को माफ करने या उसका बचाव करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

उनका यह बयान एक सवाल कि भारतीय अधिकारी अपने वैश्विक समकक्षों के साथ संवेदनशील और भाषाई रूप से भिन्न विषयों पर कैसे विचार करते हैं? पर आया। इस सवाल का जवाब देते हुए विदेशमंत्री एस जयशंकर ने कहा कि कई बार राजनीति में अलग-अलग देश अपनी संस्कृति, परंपराओं और कभी-कभी अपनी भाषा या अवधारणाओं को बहस के लिए लाते हैं। लेकिन ये केवल उस मुद्दे का हल ढूढ़ने के लिए होता है। जयशंकर ने कहा कि हालांकि कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं जहा कोई भ्रम नहीं होता है। जैसे कि आतंकवाद, आप इसे किसी भी भाषा में ले सकते हैं, लेकिन आतंकवादी किसी भी भाषा में आतंकवादी ही होता है। आगे बोलते हुए जयशंकर ने स्वतंत्रता संग्राम के दिनों के भारत-सिंगापुर संबंधों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस हमारे पूरे देश के लिए एक प्रत्यक्ष प्रेरणा बने हुए हैं। सुभाष चंद्र बोस ने यहां से दिल्ली चलो का आह्वान किया था, आज दोनों देशों के संबंध हिंद प्रशांत तक पहुंच गए हैं। आज भारत जितना अधिक वैश्वीकरण करेगा, उसका हर पहलू सिंगापुर के साथ संबंधों की प्रगाढ़ता और गुणवत्ता में प्रतिबिंबित होगा। भारत के वैश्वीकरण में सिंगापुर हमारा भागीदार रहा है और वह भूमिका और सहयोग कुछ ऐसा है जिसे हम महत्व देते हैं। आगे बोलते हुए जयशंकर ने सिंगापुर में भारतीय समुदाय को नए भारत के बारे में भी बताया। उन्होंने यहां हो रहे बुनियादी ढांचे के विकास की त्वरित गति के बारे में बताते हुए कहा कि भारत एक वैश्विक मित्र है। आज का भारत वह भारत नहीं है जिस पर दबाव डाला जाएगा, तो वह अपने मन की बात नहीं कहेगा। आज हमें अगर कोई विकल्प चुनना है, तो हम अपने नागरिकों के कल्याण के लिए विकल्प चुनेंगे।

राष्ट्रपति बाइडन ने शटडाउन टाला, 1.2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का बिल पारित किया

वाशिंगटन, 24 मार्च (एजेंसियां)

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने 1.2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के कानून पर हस्ताक्षर किए, जिससे आसन्न शटडाउन को टाल दिया गया। साथ ही 30 सितंबर को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के दौरान संघीय एजेंसियों की फंडिंग को पूरा किया गया। यह बिल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा और सीनेट द्वारा पारित किए जाने के बाद आया है। यह विधेयक रक्षा, होमलैंड सुरक्षा, श्रम, स्वास्थ्य और मानव सेवा, शिक्षा, राज्य और विधायी शाखा सहित महत्वपूर्ण सरकारी कार्यों की एक सूची को संबोधित करता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बाइडन ने एक बयान में कहा कि पैकेज एक समझौता है, लेकिन यह अमेरिकी लोगों के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने बयान में कहा, इस समझौते का अर्थ है कि किसी भी पक्ष को वह सब कुछ नहीं मिला जो वह चाहता था। साथ ही यह बच्चों की देखभाल, कैंसर अनुसंधान और मानसिक स्वास्थ्य में निवेश करते समय हाउस रिपब्लिकन से अत्यधिक कटौती को अस्वीकार करता है। राष्ट्रपति बाइडन ने यह भी बताया कि अंतिम पैकेज में सीमा को सुरक्षित करने के लिए संसाधन शामिल थे, जिन्हें शामिल करने के लिए मेरे प्रशासन ने सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ी। उन्होंने अतिरिक्त कानून पारित करने का आग्रह करते हुए यह भी कहा कि अमेरिकी कांग्रेस का काम खत्म नहीं हुआ है। द्विदलीय राष्ट्रीय सुरक्षा पूरक को पारित करने का किया आह्वान बता दें कि बाइडन ने सदन से राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के लिए द्विदलीय राष्ट्रीय सुरक्षा पूरक को पारित करने का आह्वान किया। उन्होंने दोनों सदनों से द्विदलीय सीमा सुरक्षा विधेयक को पारित करने का आग्रह किया। इसपर उनके प्रशासन ने बातचीत की है, इसे दशकों में सबसे कठिन और निष्पक्ष सुधार कहा। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कानून पर हस्ताक्षर करना कैपिटल हिल में एक प्रमुख क्षण को दर्शाता है, क्योंकि यह एक वार्षिक विनियोग प्रक्रिया को बंद कर देता है, जो कि सामान्य से कहीं अधिक लंबी हो गई है। पिछले साल एक अभूतपूर्व वोट में रूढ़िवादियों द्वारा पूर्व अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी को बाहर करने के बाद पक्षपातपूर्ण नीतिगत असहमति और सदन में नेतृत्व के ऐतिहासिक परिवर्तन के कारण यह प्रयास बाधित हुआ है।

कैंसर से जूझ रही राजकुमारी को मिला जनता का अभूतपूर्व समर्थन, कहा- मैं हर दिन मजबूत हो रही हूं

लंदन ।

वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन कैंसर से जूझ रही हैं। जब उन्होंने इस बात का खुलासा किया और कहा कि वह कीमोथेरेपी ले रही हैं। इस खुलासे के बाद से उन्हें जनता का भारी समर्थन मिल रहा है। केट ने कहा है कि उन्हें लोगों की तरफ से जो संदेश मिल रहे हैं, उनसे वह अत्यधिक प्रभावित हैं।

केट मिडलटन ने कहा- शुक्रिया

केट मिडलटन ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा है कि मैं ठीक हूं और हर दिन मजबूत हो रही हूं। केट ने कहा कि सर्जरी से उबरने के दौरान आपके समर्थन और शुभकामना संदेशों के लिए मैं व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद कहना चाहती हूं। ये दो महीने हमारे पूरे परिवार के लिए अविश्वसनीय रूप से कठिनाई भरे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मेरे पास एक शानदार मेडिकल टीम है, जिसने मेरी बहुत देखभाल की है। इसके लिए मैं मेडिकल टीम की बहुत आभारी हूं।

शुभकामना संदेशों से अत्यधिक प्रभावित हैं केट

केंसिंग्टन पैलेस के एक प्रवक्ता ने बताया कि वेल्स की राजकुमारी और उनके पति प्रिंस विलियम जनता द्वारा दिए गए संदेशों से अत्यधिक प्रभावित हैं। केट मिडलटन के पति प्रिंस विलियम ने कहा कि कैंसर की खबर शाही परिवार के लिए बहुत बड़ा झटका है।

ऋषि सुनक बोले- केट ने बहादुरी दिखाई

केट मिडलटन ने जैसे ही घोषणा की कि उन्हें कैंसर है, इसके बाद यह खबर ब्रिटिश अखबारों के पहले पन्ने पर छाई रही। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, कैंटरबरी के आर्कबिशप जस्टिन वेल्बी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने केट मिडलटन को शुभकामना संदेश भेजे। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि

केट मिडलटन ने अपने बयान में जबरदस्त बहादुरी दिखाई। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में कुछ मीडिया के कुछ वर्गों और सोशल मीडिया पर केट के बयान पर गलत व्यवहार किया।

कैंसर के बारे में बच्चों को बताने में लगा समय

केट मिडलटन अपने बच्चों को भी इस बारे में बता चुकी हैं कि वह कैंसर से जूझ रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों जॉर्ज, शार्लेट और लुइस को सब कुछ समझाने में काफी समय लगा। हमें बच्चों इस तरह बताना था कि उन पर इसका असर न पड़े। केट ने अपने बच्चों को भरोसा दिलाया है कि वे जल्दी ठीक हो जाएंगी।

मिस्र के अस्पताल पहुंचे संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरेस, फलस्तीनी लोगों की हालत पर जताई चिंता

काहिरा, 24 मार्च (एजेंसियां) ।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस मिस्र के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मिस्र के अल अरिश शहर के एक अस्पताल का दौरा किया, जिसमें फलस्तीनी लोगों का इलाज हो रहा है। वहां की हालत पर उन्होंने दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस हालत को अब तक की सबसे खराब हालत करार दिया है। इस दौरान एक बार फिर इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच उन्होंने युद्धविराम की मांग दोहराई। गौरतलब है कि सात अक्तूबर से दोनों पक्षों के बीच युद्ध जारी है, जब हमास ने इजराइली शहर पर ताबड़तोड़ 5000 से अधिक रॉकेट बरसाए। युद्ध में अब तक दोनों पक्षों के करीब 33,000 लोगों की मौत हो गई है।

एक बार फिर युद्धविराम के लिए कतर में बैठक

कतर में एक बार फिर अस्थाई युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए चर्चा हो रही है। बैठक में सीआईए निदेशक बर्न्स, कतरी पीएम मोहम्मद बिन अब्दुल्ला अल थानी और मिस्र के खुफिया मंत्री कामेल शामिल हैं। बैठक के लिए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी इजराइली प्रतिनिधिमंडल को मंजूरी दे दी है। मोसाद निदेशक बार्निया इजराइली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

हमले के यह तीन कारण

हमास ने कहा कि ये यरूशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इजराइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है। हमास ने कहा कि इजराइली पुलिस ने अप्रैल 2023 में अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंक इसे अपवित्र किया था। इजराइली सेना लगातार हमास के ठिकानों पर हमले कर रही है और अतिक्रमण कर रही है। इजराइली सेना हमारी महिलाओं पर हमले कर रही है। हमास के प्रवक्ता गाजी हमाद ने अरब देशों से अपील है कि इजराइल

के साथ अपने सभी रिश्तों को तोड़ दें। हमाद ने कहा कि इजराइल एक अच्छा पड़ोसी और शांत देश कभी नहीं हो सकता है।

इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद छठा दौरा

अमेरिकी विदेश मंत्री सऊदी अरब के बाद मिस्त्र के दौरे पर गए थे। उन्होंने इस दौरान वहां के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बताया कि एंटनी ब्लिकंन इजराइल का दौरा भी करेंगे और इजराइली सरकार के साथ बंधकों की रिहाई के प्रयासों पर बात करेंगे। साथ ही ब्लिंकन गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने के प्रयासों पर भी बात करेंगे। इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिकी विदेश मंत्री का पश्चिम एशिया का यह छठा दौरा है।

गाजा में युद्धविराम पर यूएन में मतदान की तैयारी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद मुस्लिमों के पवित्र महीने रमजान के दौरान गाजा में मानवीय युद्धविराम की मांग वाले प्रस्ताव पर मतदान करने के लिए तैयार है। हालांकि, अमेरिका ने चेताया है कि इस तरह के कदम से हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को रिहा कराने के इजराइल के प्रयासों को झटका लग सकता है। परिषद में भारतीय समयानुसार रविवार तड़के मतदान होने की संभावना है। परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को रूस व चीन का समर्थन प्राप्त है जबकि दोनों देशों ने गाजा में तत्काल युद्धविराम संबंधी एक अमेरिकी प्रस्ताव पर वीटो का इस्तेमाल किया था। संयुक्त राष्ट्र में 22 देशों के अरब समूह ने परिषद के सभी 15 सदस्यों से 'एकता व तत्परता के साथ कार्य करने, रक्तपात को रोकने, मानव जीवन की रक्षा करने' के संकल्प के साथ मतदान करने की अपील की।

अस्पताल पर इजराइली हमले में अब तक गाजा के 170 बंदूकधारी मारे गए...

वहीं, दूसरी तरफ गाजा के मुख्य अस्पताल के आसपास इजराइली हमलों में अब तक गाजा के 170 से अधिक लड़ाकों की मौत हो चुकी है।

बिना संसदीय क्षेत्र के मतदाता बने रहेंगे कश्मीरी विस्थापित

कश्मीर के संसदीय क्षेत्रों के लिए जम्मू से ही वोट डालेंगे

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 24 मार्च।

कश्मीरी विस्थापित मतदाता इस बार भी बिना संसदीय क्षेत्रों के मतदाता बने रहेंगें और उन्हें इस बार भी कश्मीर के उन संसदीय क्षेत्रों के लिए जम्मू में ही मतदान करना होगा जहां से पलायन किए हुए उन्हें 34 साल हो गए हैं। दरअसल कश्मीरी विस्थापितों को डाक मतपत्रों और जम्मू, उधमपुर और नई दिल्ली में स्थापित विशेष मतदान केंद्रों के माध्यम से मतदान करने की सुविधा प्रदान करने की पिछली प्रथा को जारी रखते हुए, भारत के चुनाव आयोग ने कश्मीरी विस्थापित मतदाताओं के लिए फिर से घोषणा की है।

आयोग के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की कश्मीर घाटी में 1-बारामुल्ला, 2-श्रीनगर और 3-अनंतनाग-राजौरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के उन सभी मतदाताओं के लिए है, जो मजबूर परिस्थितियों के कारण पलायन कर गए थे और अस्थायी रूप से विभिन्न स्थानों पर रह रहे हैं। उनके सामान्य निवास स्थान से बाहर के स्थान।

चुनाव आयोग ने कश्मीरी प्रवासियों को निर्दिष्ट और अधिसूचित निर्वाचक के रूप में वर्गीकृत करते हुए दो अधिसूचनाएं जारी की हैं। पहली अधिसूचना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 25 के साथ पढ़े गए संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत आयोग में निहित शक्तियों के तहत जारी की गई है, जो कश्मीर घाटी के प्रवासी मतदाताओं

को निर्दिष्ट करती है जो किसी भी संसदीय में नामांकित हैं। बारामुल्ला, श्रीनगर और अनंतनाग-राजौरी के निर्वाचन क्षेत्र, लेकिन अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर रहने वाले, (उन लोगों के अलावा जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 60 के खंड (सी) के तहत डाक मतपत्र का विकल्प चुनते हैं) के वर्ग के रूप में वे व्यक्ति जिनके लिए 2024 में होने वाले केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के लोक सभा के आम चुनाव के दौरान ऊपर उल्लिखित संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की क्षेत्रीय सीमाओं के बाहर विशेष मतदान केंद्र प्रदान किए जाएंगे।

इसी तरह अन्य अधिसूचना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 60 (सी) के तहत जारी की गई है, जिसमें 1-बारामुल्ला, 2-श्रीनगर और 3- के संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में नामांकित कश्मीर घाटी के उपरोक्त प्रवासी मतदाताओं को सूचित किया गया है। अनंतनाग-राजौरी, जो अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर रह रहे हैं, (उन लोगों के अलावा जो विशेष मतदान केंद्रों पर व्यक्तिगत रूप से मतदान करने का विकल्प चुनते हैं), डाक मतपत्रों द्वारा अपना वोट देने वाले व्यक्तियों के वर्ग के रूप में।

सच में है तो बड़ी अजीब बात लेकिन जम्मू कश्मीर में यह पूरी तरह से सच है। कभी आपने ऐसे मतदाता नहीं देखें होंगें जो बिना लोकसभा क्षेत्र के हों। यहां पर हैं। वे भी एक दो सौ-पांच सौ नहीं बल्कि पूरे सवा लाख। और ये मतदाता जिन्हें कश्मीरी विस्थापित कहा जाता है पिछले 34 सालों में होने वाले उन लोकसभा तथा विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान करते आ रहे हैं जहां से पलायन किए हुए उन्हें 34 साल का अरसा बीत गया है।

देखा जाए तो कश्मीरी पंडितों के साथ यह राजनीतिक नाइंसाफी है। कानून के मुताबिक, अभी तक उन्हें उन क्षेत्रों के मतदाताओं के रूप में पंजीकृत हो जाना चाहिए जहां वे रह रहे हैं लेकिन सरकार ऐसा करने को इसलिए तैयार नहीं है क्योंकि वह समझती है कि ऐसा करने से कश्मीरी विस्थापितों के दिलों से वापसी की आस समाप्त हो जाएगी।

नतीजतन कश्मीर के करीब 6 जिलों के 46 विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता आज जम्मू में रह रहे हैं। इनमें से श्रीनगर जिले के सबसे अधिक मतदाता हैं। तभी तो कहा जाता रहा है कि श्रीनगर जिले की 8 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने वाले मतदाताओं का भविष्य इन्हीं विस्थापितों के हाथों में होता है जिन्हें हर बार उन विधानसभा तथा लोकसभा क्षेत्रों के लिए मतदान करना पड़ा है जहां अब लौटने की कोई उम्मीद उन्हें नहीं है। और अब एक बार फिर उन्हें इन्हीं लोकसभा क्षेत्रों से खड़े होने जा रहे उम्मीदवारों को जम्मू या फिर देश के अन्य भागों में बैठ कर चुनना है

अमेठी और रायबरेली सीट पर सस्पेंस बढ़ा

राहुल और प्रियंका उतरेंगे या कोई और

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी कर दी है। चौथी सूची में यूपी की नौ सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की गई है। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय वाराणसी से पीएम मोदी के सामने होंगे, इमरान मसूद सहारनपुर से और दानिश अली अमरोहा से चुनाव लड़ेंगे।

चौथी सूची के अनुसार, कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ वाराणसी से अपने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को लोकसभा चुनाव मैदान में उतार दिया है। वहीं, बसपा से आए दानिश अली को अमरोहा जबकि सपा और बसपा से होते हुए कांग्रेस में पहुंचे इमरान मसूद को सहारनपुर जबकि वरिष्ठ नेता अखिलेश प्रताप सिंह को देवरिया से टिकट दिया गया है। दानिश अली का मुकाबला भाजपा के कंवर सिंह तंवर से होगा। पार्टी ने अपनी चौथी सूची में उत्तर प्रदेश के 9 सीटों समेत कुल 45 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। हालांकि इस सूची में भी अमेठी और रायबरेली जैसे महत्वपूर्ण सीटों

पर प्रत्याशी तय नहीं कर पाई।

अमेठी और रायबरेली से प्रत्याशियों के नाम का ऐलान नहीं होने से सस्पेंस बढ़ गया है। अब सवाल भी उठ रहे हैं क्या अमेठी से राहुल गांधी और रायबरेली से प्रियंका गांधी चुनाव मैदान में होंगी। इसलिए दोनों ही सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा में देरी हो रही है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक अमेठी और रायबरेली संसदीय क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार का फैसला लिया जा सकता है। जिले में कांग्रेस पार्टी से उम्मीदवारों का ऐलान नहीं होने से लोग तरह-तरह की अटकलें लगा रहे हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता जिले में गांधी परिवार के सदस्य को ही उम्मीदवार बनाने की मांग कर रहे हैं। इसी मांग के साथ कई कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे हैं। यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष शुभम सिंह ने बताया कि 27 मार्च को बैठक के दौरान ही अमेठी और रायबरेली सीट के लिए चर्चा होगी। इस दौरान सीईसी के सदस्य और गांधी परिवार खुद इस विषय पर फैसला लेगा। बताया कि बैठक के बाद 31 मार्च को पार्टी अपना मैनिफेस्टो जारी करेगी।

उधर, मध्य प्रदेश में पार्टी ने अपने दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह को राजगढ़ सीट से प्रत्याशी बनाया है। दिग्गी राजा का मुकाबला यहां भाजपा के रोडमल नागर से होगा जिनका नाम भाजपा ने अपनी पहली ही लिस्ट में घोषित किया था। बड़े नेताओं में कांतिलाल भूरिया को मध्य प्रदेश की रतलाम सीट से प्रत्याशी बनाया गया है। उनक मुकाबला भाजपा की अनिता नागर सिंह चौहान से होगा।

पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम को कांग्रेस ने एक बार फिर तमिलनाडु के शिवगंगा लोकसभा क्षेत्र से टिकट दिया है। महाराष्ट्र में भले ही पार्टी ने शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की राकांपा के साथ सीटों के तालमेल को अंतिम रूप अब तक नहीं दिया हो लेकिन चार सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। नागपुर में भाजपा के दिग्गज केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सामने पार्टी ने विकास ठाकरे को उतारा है।

त्रिपुरा में 72 वर्षों में पहली बार कांग्रेस-वाम मोर्चे में हुआ गठबंधन

त्रिपुरा, 24 मार्च (एजेंसियां)। त्रिपुरा के 72 साल के चुनावी इतिहास में पहली बार कांग्रेस और वाम दलों ने भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर संयुक्त रूप से संसदीय चुनाव लड़ने के लिए गठबंधन बनाया है। पिछले त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और वामपंथी दोनों पार्टियों ने एकजुट होकर सत्ताधारी पार्टी का विरोध किया था।

हाई प्रोफाइल त्रिपुरा पश्चिम लोकसभा सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा उम्मीदवार त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष आशीष कुमार साहा के बीच होगा, जो इंडिया गठबंधन के साझा प्रत्याशी होंगे। आशीष कुमार साहा मौजूदा कांग्रेस विधायक सुदीप राय बर्मन के साथ फरवरी 2022 में भाजपा से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हुए थे।

त्रिपुरा की दो लोकसभा सीटों त्रिपुरा पश्चिम और त्रिपुरा पूर्व में से त्रिपुरा पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से चुनावी रस्साकशी का केंद्र बिंदु रहा है। इस सीट पर 1952 से माकपा ने 11 बार जीत हासिल की है। कांग्रेस ने इस सीट पर चार बार 1957, 1967, 1989 और 1991 में जीत हासिल की। उल्लेखनीय है कि 2018 में माकपा के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे की करीब 25 साल बाद हराकर भाजपा पहली बार त्रिपुरा में सत्ता में आई थी।

इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) के साथ गठबंधन में 2018 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक ने 2019 में पहली बार त्रिपुरा पश्चिम लोकसभा सीट जीती।

इस बार भाजपा ने भौमिक को हटाकर देब को मैदान में उतारा, जो वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं। वहीं, त्रिपुरा पूर्व से भाजपा ने महारानी कीर्ति सिंह देबबर्मन को अपना प्रत्याशी बनाया है।

भाजपा ने राजद-नीत महागठबंधन पर किया कटाक्ष

अब महागठबंधन में जंगलराज

पटना, 24 मार्च (एजेंसियां)। महागठबंधन में सीट बंटवारा अब तक नहीं हुआ है। राजद ने सिंबल बांटना शुरू कर दिया है। वामदल ने भी कुछ सीटों पर अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है।

कांग्रेस प्रत्याशी भी खुले तौर पर दावा ठोक रहे हैं। राजद और कांग्रेस के बीच चुनावी केमेस्ट्री बिगड़ने लगी है। सूत्र बता रहे हैं राजद बिहार में कांग्रेस को लिए छह से अधिक सीट छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस 12 सीट की मांग कर रही है। जदयू की विधायक बीमा भारती के राजद में शामिल होने के बाद पूर्णिया सीट से कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने दावा ठोक दिया है। ऐसे में डर है कि दोनों दलों के भी कहीं फ्रेंडली फाइट की नौबत न आ जाए।

इधर, सीट बंटवारे को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने महागठबंधन पर कटाक्ष किया है। उन्होंने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव के पहले महागठबंधन का नामों-निशान मिट जाएगा। राकेश मिश्रा ने कहा कि महागठबंधन में सीटों को लेकर घमासान मचा है। सही मायने में महागठबंधन के अंदर जंगलराज है। राजद ने तो हद कर दी। राजद जहां भी रहेगा, वहां जंगलराज रहेगा। फिर चाहे वह सरकार में रहे या महागठबंधन में हो। कांग्रेस तो बेचरा पार्टी बन गई है।

भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि औरंगाबाद सीट भी राजद ने कांग्रेस से हथिया लिया। इससे निखिल कुमार के समर्थकों में नाराजगी है। वह अब राजद से दो-दो हाथ करने के मूड में है। निखिल कुमार के समर्थक किसी भी हाल में औरंगाबाद सीट छोड़ने के हालत में नहीं हैं। निखिल कुमार के समर्थकों की नाराजगी अपने पार्टी के शीर्ष नेताओं से हैं तो लालू प्रसाद के सामने नतमस्तक होकर याचक बन गए हैं। आलम यह है कि औरंगाबाद की कांग्रेस कमेटी इस्तीफा देने के लिए तैयार है।

वायुसेना के पूर्व प्रमुख आरकेएस भदौरिया भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के पूर्व प्रमुख एयर चीफ मार्शल (रिटायर्ड) आरकेएस भदौरिया रविवार को भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में पार्टी का दामन थामा।

अपने इस फैसले पर रिटायर्ड एयर चीफ मार्शल ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई नेताओं का शुक्रिया जताया। उन्होंने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली रहा हूं कि अपनी जिंदगी के 40 साल से ज्यादा भारतीय वायुसेना के लिए काम कर पाया। ये एक बहुत बड़ा गौरव का विषय रहा है। इस दौरान सबसे स्वर्णिम अवसर वह रहा है, जो कि मेरी सेवा के पिछले 8 से 10 वर्षों में इस पार्टी की सरकार की तरफ से जो कठोर कदम उठाए गए, भारतीय सेनाओं को मजबूत करने के लिए, आत्मनिर्भर करने के लिए। आधुनिकीकरण के लिए जो कदम उठाए गए, उनसे हमारी सेनाओं में क्षमता विकसित हुई है।

उन्होंने कहा, इसके साथ ही सेनाओं में एक नया आत्मविश्वास और आत्मनिर्भर बनने का जो क्रम शुरू हुआ है। इसके धरातल पर प्रभाव भी दिखने लगे हैं। इससे हमारे पास स्वदेशी क्षमताएं भी आएंगी। एयर चीफ मार्श (रि) राकेश कुमार सिंह भदौरिया मूल रूप से उत्तर प्रदेश से आते हैं। वे भारत को मजबूत बनाने वाले 36 राफेल विमानों की खरीद के लिए गठित टीम का अहम हिस्सा रहे थे। राकेश कुमार सिंह भदौरिया भारतीय वायुसेना के सबसे बेहतरीन पायलटों में से एक हैं। उन्होंने अब तक राफेल सहित 28 से ज्यादा प्रकार के लड़ाकू और परिवहन विमानों को उड़ाया है। एयर मार्शल भदौरिया प्रायोगिक टेस्ट पायलट होने के साथ कैट ए कैटेगरी के क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर और पायलट अटैक इंस्ट्रक्टर भी हैं। इनकी कुशल परिचालन क्षमता के कारण इन्हें साल 2002 में वायु सेना पदक, साल 2013 में अति विशिष्ट सेवा पदक और साल 2018 में परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

आरकेएस भदौरिया भारतीय वायुसेना के जगुआर स्काड्रन और दक्षिणी पश्चिमी सीमा पर स्थित एक प्रमुख वायुसेना स्टेशन के प्रमुख भी रह चुके हैं। एयर मार्शल भदौरिया विमान और सिस्टम परीक्षण प्रतिष्ठान में उड़ान परीक्षण स्काड्रन के कमांडिंग ऑफिसर भी रह चुके हैं। इसी संस्थान ने भारत के पहले स्वदेशी लड़ाकू विमान एलसीए तेजस की प्राथमिक उड़ानों को आयोजित किया था।

ओवैसी के खिलाफ भाजपा प्रत्याशी लता ने कहा

हैदराबाद के लिए ओवैसी ने कुछ नहीं किया

हैदराबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। तेलंगाना की चर्चित हैदराबाद सीट पर भाजपा ने इस बार कोम्पेला माधवी लता को उतारा है। फिलहाल, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी इस सीट पर सांसद हैं। हैदराबाद सीट पर सन् 1884 से ही ओवैसी परिवार का कब्जा रहा है। इसे ओवैसी का गढ़ माना जाता है। चुनावी मैदान में उतरने के बाद से माधवी लता लगातार ओवैसी पर निशाना साध रही हैं।

उन्होंने एक बार फिर दावा किया की ओवैसी ने इस निर्वाचन क्षेत्र को केवल पीड़ा, भय और अन्याय दिया है। साथ ही यह भी दोहराया कि वह उनकी भव्य छवि से परेशान नहीं हैं।

भाजपा की 49 वर्षीय युवा उम्मीदवार लता भरतनाट्यम डांसर और उद्यमी हैं। हैदराबाद में वह सामाजिक कामों के लिए भी जानी जाती हैं। अब वह 13 मई को होने वाले आम चुनावों में ओवैसी से उनके गढ़ में मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। 2004 से यह सीट असदुद्दीन ओवैसी के पास ही है। माधवी लता ने निर्वाचन क्षेत्र में विकास की कथित कमी के लिए एआईएमआईएम प्रमुख की आलोचना की। साथ ही उन्होंने साफ किया कि वह ओवैसी की विशाल छवि से परेशान नहीं हैं।

जब लता से पूछा गया कि वह

राजनीति में नई हैं और ओवैसी को कैसे टक्कर देंगी, इस पर उन्होंने पलटवार करते हुए पूछा कि ओवैसी की किस तरह की छवि है। उन्होंने कहा, आप इनकी विशाल छवि पेश करते है, लेकिन यह मायने रखता है कि किस तरह की छवि है। यदि आपके पास विशाल छवि है, एक नकारात्मक छवि है, तो इसे खत्म करने के लिए एक कंकड़ से अधिक की आवश्यकता नहीं है। उदाहरण के लिए, यदि आपने ताश के पत्तों से एक घर बनाते हैं, तो इसे गिराने के लिए कितनी ऊर्जा की आवश्यकता है।

भाजपा उम्मीदवार ने आरोप लगाया कि पीड़ा, पिछड़ापन, अन्याय, डर और असुरक्षा के अलावा हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र में ओवैसी ने कुछ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि जरूरी यह है कि मतदाताओं को निर्वाचन क्षेत्र की सच्चाई से अवगत कराना चाहिए। उन्होंने कहा, ओवैसी अच्छी तरह जानते हैं कि मैं उनके सामने कैसे खड़ी होऊंगी।

पिछले चुनावों में जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रचार के लिए पुराने शहर में जाने की कोशिश की तो उन्होंने उन्हें रोक दिया। आज वही लोग (कांग्रेस) उनके मित्र हैं। भाजपा प्रत्याशी ने जोर देकर कहा कि वह किसी हथकंडे से नहीं डरेंगी। उन्होंने मतदाताओं से सड़क, फ्लाईओवर, मेट्रो रेल, स्वच्छता, आवासीय इलाकों, स्कूलों, स्वास्थ्य और खेल सुविधाओं सहित विकास का वादा किया। इसके अलावा उन्होंने बताया कि निर्वाचन क्षेत्र में प्रसिद्ध मोती, लाख की चूड़ियों के व्यापार को बढ़ावा देना और आईटी कंपनियां भी उनके एजेंडे में हैं।

उन्होंने कहा, मैं वहां के पसमांदासों (पिछड़े मुसलमानों) के सामने कैसे खड़ी हो सकती हूं? मैं उन हिंदुओं के खिलाफ कैसे खड़ी हो सकती हूं जो वहां डर में जी रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन क्षेत्र में कोई विकास नहीं हुआ है। सड़क किनारे कूड़े के ढेर की कुछ तस्वीरें दिखाते हुए उन्होंने पूछा, क्या यही हैदराबाद है? उन्होंने कहा कि राज्य की राजधानी को आईटी हब के रूप में जाना जाता है, लेकिन आईटी क्षेत्र हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र में नहीं फैला है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा, आप हैदराबाद लोकसभा को हैदराबाद कह सकते हैं और वहां एक भी आईटी कंपनी नहीं होगी? क्या यही विकास है? मुझे वहां एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बारे में बताएं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी सेहत के बारे में ज़रूरत से ज़्यादा चिंता न करें। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हे। आज की शाम दोस्तों के साथ कहीं बाहर आप जा सकते हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। दिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। अपनी खुशी को जाहिर करें इससे आपसे जुडे लोगों को भी खुशी मिलती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ लोग खेल खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कहानी लिखने वाले लेखक समुदाय राईटर भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। वैवाहिक जीवन मे सामांजस्य बनाकर चले नही तो साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं; आज आपको इनका सामना करना पड़ सकता है। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है। दोस्तों के साथ खाली वक्त मे आप गपशप से कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा–सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा–स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपको अपने प्रिय का एक अलग ही अन्दाज़ देखने को मिल सकता है। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरूरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। किसी करीबी और पुराने मित्र से मिलकर आज आप अतीत के सुनहरे दिनों में खो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

छोटी–छोटी चीज़ों को ख़ुद के लिए परेशानी का सबब न बनने दें। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जो काम आप आज पूरे करने में सक्षम हैं उन्हें कल पर ना ही टालें तो आपके लिए अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

य आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। आर्थिक रूप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। संभव है कि आज आपकी जीभ को भरपूर मज़ा मिले – किसी उम्दा रेस्तराँ में जाना मुमकिन है और लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 25 मार्च 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2080
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा दोपहर 12:32 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी प्रात: 10:38 तक
योग : वृद्धि रात्रि 09:28 तक
करण : बव दोपहर 12:32 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– धुलंडी , बसन्तोत्सव, होलाष्टक समाप्त , खरमास चालू हैं, मन्वादि , श्री चैतन्य महाप्रभु जयंती, करिदिन , फाल्गुन पूर्णिमा पुण्य

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आचार संहिता लगने के बाद से अब तक 7 जिलों से 150 करोड़ की जब्ती

पूरे मार्च का आंकड़ा 248 करोड़ के पार

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में अलग–अलग एनफोर्समेंट एजेंसियों ने मार्च महीने की शुरुआत से लेकर अब तक नशीली दवाओं, शराब, कीमती धातुओं, मुफ्त बांटी जाने वाली वस्तुओं (फ्रीबीज) और अवैध नकद राशि के रूप में लगभग 248 करोड़ रुपये कीमत की जब्तियां की हैं। निर्वाचन विभाग के निर्देश पर चुनावों के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद 16 मार्च से अब तक एजेंसियों द्वारा पकड़ी गई वस्तुओं की कीमत 150 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में अलग–अलग एजेंसियां चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से संदिग्ध वस्तुओं और धन के अवैध उपयोग पर कड़ी निगरानी कर रही हैं। इसी क्रम में प्रदेश भर में लगातार जब्ती की कार्रवाई की जा रही है। गुप्ता ने बताया कि राजस्थान के 7 जिलों जोधपुर, पाली, जयपुर, उदयपुर, भीलवाड़ा, गंगानगर और बाड़मेर से 10–10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संदिग्ध वस्तुएं या नकद राशि बरामद की गई है। जिलावार आंकड़ों के अनुसार सर्वाधिक लगभग 32.88 करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं की जब्ती जोधपुर में हुई है। इसके साथ ही लगभग 18.61 करोड़ रुपये की जब्ती के साथ पाली दूसरे स्थान पर है।

जयपुर में 17.63 करोड़ रुपये, उदयपुर में 13.70 करोड़ रुपये, भीलवाड़ा में 13.08 करोड़ रुपये, गंगानगर में 12.65 करोड़ और बाड़मेर में 11.17 करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं की जब्ती की जा चुकी है।

कांग्रेस ने जयपुर सीट पर बदला चेहरा प्रताप सिंह खचरियावास को उतारा

दौसा से मुरारीलाल मीणा ठोकेंगे ताल

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने राजस्थान के लिए लोकसभा उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी कर दी है। जयपुर से कांग्रेस उम्मीदवार सुनील शर्मा का टिकट बदल दिया है। सुनील शर्मा की जगह प्रताप सिंह खाचरियावास को टिकट दिया है। दौसा से विधायक मुरारीलाल मीणा को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने जयपुर शहर सीट का चेहरा बदल दिया है। चार दिन पहले कांग्रेस ने सुनील शर्मा को अपना जयपुर लोकसभा प्रत्याशी घोषित किया था। अब इस सीट पर चेहरा बदलते हुए कांग्रेस ने प्रताप सिंह खचरियावास के नाम का एलान किया है। वहीं, दौसा सीट से मुरारीलाल मीणा को उतारा है।

मात्र चार दिन में कांग्रेस के जयपुर लोकसभा प्रत्याशी का चेहरा बदल गया। कांग्रेस ने गुरुवार को सुनील शर्मा को अपना जयपुर लोकसभा प्रत्याशी घोषित किया था। घोषणा के बाद में सुनील शर्मा एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के कार्यक्रम में दिए हुए बयान के के चलते विवादों में आ गए थे। ये विवाद पिछले तीन दिन से चल रहा था। इसके बाद आज शाम को सुनील शर्मा ने प्रेस वार्ता करके अपनी उम्मीदवारी से अपना नाम वापस लेने की बात कही थी। उसके तुरंत बाद एआईसीसी ने एक सूची जारी करते हुए जयपुर लोकसभा का प्रत्याशी प्रताप सिंह खाचरियावास को घोषित कर दिया। कांग्रेस ने अब पहले फेज की सभी 12 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। दौसा सीट पर उम्मीदवार की घोषणा बाकी थी जो अब हो गई है। पहले फेज की जिन सीटों पर 27 मार्च को नामांकन की आखिरी तारीख है उन सब पर कांग्रेस उम्मीदवार उतारे जा चुके हैं।

भाजपा प्रत्याशियों की सूची जारी

कुरुक्षेत्र से जिंदल और हिसार से चौटाला को टिकट

रोहतक से अरविंद शर्मा और सोनीपत से मोहन लाल को बनाया प्रत्याशी

चंडीगढ़, 24 मार्च (एजेंसियां)। काफी मंथन के बाद भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा से लोकसभा सीटों पर बचे हुए प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। नवीन जिंदल को कुरुक्षेत्र से, रणजीत चौटाला को हिसार, अरविंद शर्मा को रोहतक से और मोहनलाल को सोनीपत लोकसभा से उम्मीदवार बनाया गया है। नवीन जिंदल और रणजीत चौटाला को भाजपा ज्वाइन करते ही टिकट मिल गया है। इससे पहले छह लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की गई थी। इनमें करनाल से पूर्व सीएम मनोहर लाल, अंबाला से बंतो कटारिया, गुरुग्राम से राव इंद्रजीत, भिवानी–महेंद्रगढ़ से धर्मबीर सिंह, सिरसा से अशोक तंवर, फरीदाबाद से कृष्ण पाल गुर्जर को प्रत्याशी बनाया गया था। भारतीय जनता पार्टी की ओर से रोहतक के टिकट को लेकर हो रही देरी पर सभी की इस सीट पर नजर थी। यहां मुकाबला पिछली बार की तरह इस बार भी दिलचस्प होने वाला है। कांग्रेस की ओर से संभावित प्रत्याशी दीपेंद्र सिंह हुड्डा इस सीट पर चुनाव लड़ेंगे। वह पिछली बार काफी कम अंतर से हारे थे।

सिकराय में पहाड़ी के ऊपर जंगल में लगी आग, 40 हेक्टेयर क्षेत्र जलकर खाक

तीन घंटे में बुझा पाए वनकर्मी

दौसा, 24 मार्च (एजेंसियां)। जिले के सिकराय के भूगोरा गांव की पहाड़ी पर अचानक लगी आग से लगभग 40 हेक्टेयर जंगल का एरिया जलकर राख हो गया। वन कार्मियों और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। दौसा जिला वन अधिकारी अजीत ऊंचई ने बताया कि जिले के सिकराय में लाका चौकी क्षेत्र के भूगोरा गांव में पहाड़ी के ऊपर अचानक एकाएक अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई, क्योंकि इस समय पहाड़ी पर सूखी घास लगी हुई है। इस कारण से लगभग 40 हेक्टेयर में आग फैल गई।

उधर, जिला वन अधिकारी अजीत ऊंचई की मानें तो आग लगने का कारण पहाड़ी पर स्थित मंदिर माना जा रहा है। आज होली होने के चलते मंदिर में पूजा करने आए लोगों ने बिना बुझाई तीली फेंक दी होगी, जिसके चलते संभवत आग लग गई होगी। इधर, जंगल में आग लगने की सूचना ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस सहित अन्य वन विभाग के अधिकारी को दी। इसके बाद जिम्मेदार लोगों की पर पहुंचे और आग बुझाने के लिए ग्रामीणों ने भी मदद की। आग की सूचना पर वन विभाग की ओर से अधिकारी रेंज सिकराय के क्षेत्रीय वन अधिकारी क्षेत्रीय रामकिशन मीणा के नेतृत्व में स्टाफ के साथ आग पर काबू पाने के लिए प्रयास किए। ढाई घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। क्षेत्र में तेज हवाओं के चलते आग पहाड़ी पर कुछ ही देर में फैलती नजर आई। जिला वन अधिकारी अजीत उज्जैन ने बताया कि जिस पहाड़ी पर आग लगी है उस पहाड़ी का कुछ हिस्सा दौसा जिले में तथा कुछ हिस्सा करौली जिले में आता है।

20 हजार के इनामी हत्यारोपी को पुलिस ने दबोचा

भेष बदलकर करवा रहा था आलू की खुदाई

धौलपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजाखेड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पत्नी की हत्या के आरोपी पति को आगरा जिले के शमशाबाद थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ने आरोपी पर 20 हजार का इनाम घोषित किया हुआ था। करीब 13 दिन पूर्व आरोपी ने पत्नी की पीट–पीट कर हत्या की थी। पुलिस को गुमराह कर भेष बदलकर आलू के खेत में खुदाई का काम कर रहा था।

राजाखेड़ा थाना प्रभारी वीर सिंह ने बताया पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के निर्देश में जिलेभर में वांछित अपराधी और बदमाशों की धर पकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया राजाखेड़ा इलाके में 13 मार्च को 25 वर्षीय विवाहिता सपना की हत्या ईंट के भट्टे पर की गई थी। मृतका सपना, पिता और पति के साथ ईंट भट्टे पर ही मजदूरी का काम करती थी। महिला के पिता बबलू निवासी ललपुरा जिला हमीरपुर ने सपना के पति रोहित पुत्र पृथ्वीपाल निवासी रघुवा जिला हमीरपुर के खिलाफ हत्या का आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया था।

थाना प्रभारी ने बताया तत्कालीन समय पर महिला का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर मामले में अनुसंधान शुरू किया गया। हत्या आरोपी पति रोहित ईंट के भट्टे से फरार हो गया था। आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर धौलपुर पुलिस अधीक्षक ने 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। थाना प्रभारी ने बताया आरोपी के संभावित ठिकानों पर पुलिस लगातार दबिश दे रही थी, लेकिन आरोपी ठिकाने और भेष बदलकर पुलिस को गुमराह कर रहा था। उन्होंने बताया साइबर सेल की मदद से पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया।

रविवार को आरोपी रोहित की लोकेशन आगरा जिले के शमशाबाद थाना इलाके में ट्रेस हुई थी। पुलिस टीम का गठन कर मौके पर भेजा गया। आरोपी पति आलू के खेत में बोरों में आलू की भराई का काम कर रहा था। सादा वर्दी में पुलिस के जवानों ने सुनियोजित तरीके से घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। अनुसंधान के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पत्नी ही निकली पति की हत्यारोपी, प्रेमी व सहेली के साथ उतारा था मौत के घाट

यमुनानगर, 24 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के जिला मोतिहारी के गांव बारावुर्क निवासी 40 वर्षीय अजय की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उनकी पत्नी कोमल ने ही की थी। कोमल ने अपने प्रेमी अमित व दिव्यांग सहेली सोनम की मदद से अजय की हत्या की थी। अजय जिंदा तो नहीं है यह जानने के लिए उन्होंने उसके शरीर पर चाकू से कई वार किए। यहां तक की उसका गला भी काटा।

शरीर में कोई हरकत न होने पर आरोपियों ने उसके शव को ई–रिक्शा में डाला और बूड़िया रोड पर चौधरी देवीलाल आयुर्वेदिक कॉलेज के पास सड़क किनारे फेंक दिया और उसमें आग लगा दी। परंतु शव आधा ही जल पाया। जिससे उसकी पहचान करने में मदद मिली। थाना शहर जगाधरी पुलिस ने हत्या के मामले में कोमल व उसकी सहेली सोनम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया। वहीं अमित की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि अजय ने कोमल के साथ प्रेम विवाह किया था। जिसके बाद दोनों भाग कर यमुनानगर आ गए थे। वह यहीं पर फैक्टरी में काम करने लगा। इस शादी से उनके पास दो बच्चे भी हैं। कोमल शहर की गोल्डनपुरी में अपनी सहेली सोनम के साथ रहने लगी। सोनम ई–रिक्शा चलाती है। करीब सवा साल पहले अजय वापस बिहार चला गया था। जहां पर उसने किसी दूसरी युवती से शादी कर ली थी। इस बीच कोमल के अमित के साथ संबंध बन गए। अमित भी ई–रिक्शा चलाता है।

इसी दौरान कुछ दिन पहले अजय यमुनानगर वापस आ गया। पुलिस के अनुसार अजय कोमल को अपने साथ बिहार ले जाने का दबाव बना रहा था। परंतु कोमल ने वापस जाने से मना कर दिया। इसके बाद अजय दोनों बच्चों को अपने साथ बिहार ले जाने की धमकी देने लगा। कोमल को इस बात की चिंता सताने लगी की यदि अजय उसे अपने साथ वापस ले गया तो वह अमित से दूर हो जाएगी। इसलिए उसने अमित व सहेली सोनम से इस बारे में बात की। तीनों ने मिलकर उसकी हत्या की योजना बनाई। 20 मार्च की रात को योजना के तहत अजय की हत्या कर दी। इसके बाद सोनम की ई–रिक्शा में शव को डालकर बूड़िया रोड पर मेडिकल कॉलेज के सामने फेंक दिया। यहां पर अमित ने उसके शव को आग लगा दी।

हिसार में बड़ा हादसा, अनियंत्रित होकर कार खाई में गिरी, तीन की मौत

हिसार, 24 मार्च (एजेंसियां)। जिले के बास क्षेत्र में अनियंत्रित होकर कार अचानक खाई में गिर गई, जिस कारण तीन लोगों की मौत हो गई। मिली जानकारी अनुसार गांव मुंढाल के पास अचानक कार खाई में गिर गई। तीनों घायलों को एंबुलेंस की सहायता से नागरिक अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां पर संदीप गांव भैणी महाराज पुर निवासी संदीप व पलवल निवासी अनील को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वही गांव भैणी महाराज निवासी तेसी को गंभीर हालत को देखते हुए हिसार रेफर कर दिया। तेसी ने हिसार ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन नागरिक अस्पताल में पहुंच गए। जहां पर परिवार में मातम छा गया।

मृतक के शव को नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचीं और शव का पोस्टमार्टम करवाने के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस परिजनों के बयान के आधार पर कार्रवाई कर रही है।

बेकाबू लग्जरी कार रेलिंग के हुई आरपार, 135 से 140 किमी प्रतिघंटे थी गाड़ी की रफ्तार

रविवार सुबह नेशनल हाइवे नंबर 11 पर रघुनाथपुरा के पास

नारनौल, 24 मार्च (एजेंसियां)। जिले में नेशनल हाईवे नंबर 11 पर रघुनाथपुरा के पास एक तेज रफ्तार लग्जरी कार में डिवाइडर की रेलिंग आरपार निकल गई। गनीमत रही कि कार सवार चारों व्यक्तियों में को किसी खरोंच तक नहीं आई। दिल्ली के महरौली से वोल्वो कार में सवार होकर रामनिवास, अनिल, भरत और सुभाष राजस्थान के चुरु जिले में निजी कार्य से जा रहे थे। गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। तेज गति होने की वजह से रेलिंग का एक पाइप लग्जरी कार के अंदर घुस गया। गाड़ी करीब 50 फीट तक लोहे की रेलिंग के अंदर तक चली गई। हालांकि कार में सवार चारों लोगों में किसी भी प्रकार खरोंच तक नहीं आई। गाड़ी की रफ्तार करीब 135 से 140 किलोमीटर प्रति घंटे थी। हादसे की सूचना बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों से आकर्षित हुई दुनिया, डब्ल्यूईएफ के दिग्गजों ने भी माना लोहा

नई दिल्ली,24 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों से पूरी दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। अब दुनियाभर की प्रतिभाएं चाहती हैं कि वे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों में सहयोग करें। इस उत्साह को देखते हुए सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन (सीफोरआईआर) ने भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कार्यक्रम लॉन्च किया है। यह कार्यक्रम भारत और बाकी देशों के हीच वैश्विक सहयोग बनाने के लिए शुरू किया गया है। यह बातें विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताई हैं।

दुनिया की नजरें भारत पर – सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन की कार्यकारी समिति के सदस्य सेबेस्टियन बकअप का कहना है कि भारत को छोटे और महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष देशों के लिए एक रोल मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। ये सभी देश अब भारत से सहयोग चाहते हैं। डब्ल्यूईएफ चाहता है कि भारत और उभरते अंतरिक्ष देशों के बीच अंतरिक्ष क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई उद्यमी चाहते हैं कि वे भी भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निवेश करें। इसकी वजह यह है कि भारत साझा बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहा है और अगर भारत यह काम करने में कामयाब रहा तो अंतरिक्ष क्षेत्र में नए आयाम गढ़ सकता है।

दिग्गज देशों की श्रेणी में आ गया है भारत – बकअप ने अपनी भारत यात्रा के दौरान अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े कई लोगों के साथ मुलाकात की। इनमें इसरो के अधिकारी, अंतरिक्ष स्टार्ट-अप के प्रतिनिधि और बड़े दिग्गज शामिल थे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि दुनियाभर के लोग अभी भी भारत को एक उभरता हुआ अंतरिक्ष राष्ट्र बता रहे हैं। वास्तविकता यह है कि भारत अंतरिक्ष क्षेत्र के दिग्गज देशों की श्रेणी में आ गया है। दुनिया को यह समझना अब जरूरी हो गया है कि वास्तव में भारत ने क्या हासिल किया है।

भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र ने पकड़ी रफ्तार – सेबेस्टियन बकअप ने आगे कहा कि हम भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में भी बहुत अधिक गति देख रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

क्या पेटीएम में बड़े पैमाने पर होने वाली है छंटनी

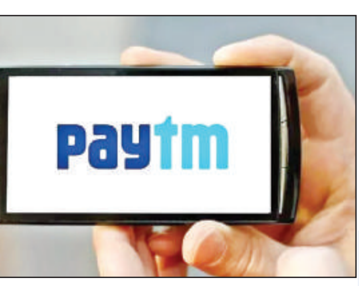

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ने जब से पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ एक्शन लिया है, तभी से पेटीएम के भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच पेटीएम के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (बिजनेस) प्रवीण शर्मा ने भी इस्तीफा दे दिया है। इससे पेटीएम से जुड़े सवाल और भी उलझ गए हैं। यहां तक कि पेटीएम के कर्मचारियों को भी अपना भविष्य अनिश्चित नजर आ रहा है। पिछले कई दिनों से ऐसी रिपोर्ट्स भी आ रही हैं कि पेटीएम अपना पेमेंट्स बैंक बंद होने के बाद बड़े पैमाने पर छंटनी करने वाली है। हालांकि, पेटीएम ने लेऑफ से जुड़ी खबरों को निराधार बताते खारिज किया है। छंटनी पर क्या कहा पेटीएम ने पेटीएम ने अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि छंटनी की रिपोर्ट्स बेबुनियाद हैं और उनसे कंपनी की रणनीतिक योजना की सही झलक नहीं मिलती। पेटीएम ने दावा किया कि वह फिलहाल एनुअल अप्रैजल के प्रोसेस में लगा है, जिसका मकसद एंप्लॉयी के परफॉरमेंस को जांचना और उसके आधार पर उन्हें इंक्रीमेंट देना है। यह कहीं से भी छंटनी का संकेत नहीं है। रिस्ट्रक्चरिंग को छंटनी समझा गया पेटीएम ने कहा कि वह परफॉरमेंस के आधार पर एडजस्टमेंट और रिस्ट्रक्चरिंग कर रही है, जिसे गलत तरीके से छंटनी का संकेत समझ लिया गया है। उसने यह भी कहा कि कंपनी अपनी वर्कफोर्स के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। उसका पूरा ध्यान देश में डिजिटल पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज की अगुआई करने पर है। वह इनोवेशन, कस्टमर सर्विस और टीम डेवलपमेंट के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वहीं, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (बिजनेस) प्रवीण शर्मा के इस्तीफे पर पेटीएम ने बताया कि वह गूगल में नई संभावनाओं की तलाश में गए हैं। प्रवीण शर्मा पहले भी 9 साल तक गूगल में लीडरशिप पोजिशन पर काम कर चुके हैं। पेटीएम के शेयरों हाल पिछले दिनों एनसीपीआई ने एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और यस बैंक को पेटीएम के लिए पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर के तौर पर काम करने की मंजूरी दे दी। इससे पेटीएम और उसके कस्टमर को बड़ी राहत मिली। इसका असर कंपनी के शेयरों पर भी दिखा और उसमें अपर सर्किट भी लगे। पेटीएम का मालिकाना हक रखने वाली वन 97 का शेयर 1.79 प्रतिशत यानी 7.35 रुपये गिरकर 403.50 रुपये पर बंद हुआ। हालांकि, पिछले पांच दिनों में इसमें 3.67 प्रतिशत यानी 14.30 रुपये की तेजी आई है। 21 मार्च को तो पेटीएम का शेयर 428 रुपये तक पहुंच गया था, लेकिन फिर मुनाफावसूली के चलते इसमें गिरावट आई।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की निगाहें भारत पर टिकीं, इस बात पर हो रहा गंभीरता से विचार

इस्लामाबाद। एक तरफ आतंकवाद से लड़ाई और दूसरी तरफ गंभीर नकदी संकट से जूझ रहे

पाकिस्तान की हालत कुछ ठीक नहीं है। ऐसे में पड़ोसी देश ने भारत के साथ व्यापार संबंधों को बढ़ाने की बात कही है। विदेश मंत्री इशाक डार के बयान से संकेत मिल रहा है कि पाकिस्तान अब भारत के प्रति राजनयिक रुख में बदलाव चाहता है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने क्या कहा पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच अगस्त 2019 से व्यापार संबंध रुके हुए हैं। डार ने कहा कि इन संबंधों को बहाल करने पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। डार ने ब्रुसेल्स में परमाणु ऊर्जा शिखर सम्मेलन में भाग लिया और इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये बातें बताईं। उन्होंने भारत के साथ व्यापार गतिविधियों को शुरू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कारोबारी भारत के साथ फिर से व्यापार शुरू करना चाहते हैं। डार के अनुसार पाकिस्तान भारत के साथ व्यापार संबंध बहाल करने पर गंभीरता से विचार करेगा। राजनयिक रुख में बदलाव का संकेत जिस तरह से इशाक डार ने भारत के साथ व्यापार संबंधों को बहाल करने पर टिप्पणी की, उससे साफ है कि पाकिस्तान भारत के प्रति राजनयिक रुख में बदलाव का संकेत दे रहा है।

ग्रीन ड्रेस विवाद पर बोले दीपिंदर, हम 20 घंटे तक कॉल पर थे

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमाटो ने हाल ही में शाकाहारी लोगों के लिए ग्रीन ड्रेस लॉन्च की थी। जिससे सोशल मीडिया में इतना बवाल मचा कि मात्र 24 घंटे में ही जोमाटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने इस फैसले को वापस ले लिया था। अब उन्होंने इस विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि प्योर वेज फूड डिलीवरी सर्विस पर हुए विवाद के बाद हम लगातार 20 घंटे तक जूम कॉल पर थे। हम इस संकट का जल्द से जल्द समाधान करना चाहते थे। एक रिपोर्ट के अनुसार दीपिंदर गोयल ने कहा कि शाकाहारी लोगों के लिए ग्रीन ड्रेस सर्विस लाने का फैसला व्यापक सर्वे करने के बाद किया गया था। लेकिन सोशल मीडिया के जरिए जो मसले उठाए गए, उनमें से ज्यादातर के बारे में हम ज्यादा जानते ही नहीं थे। हम धर्म, जाति और किसी भी तरह के भेदभाव पर यकीन नहीं रखते।

वैश्विक रुझानों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी बाजार की चाल

निवेशकों की नजरें कच्चे तेल के भाव और रुपये के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा आने वाले कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में वैश्विक रुझानों तथा विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि मासिक डेरिवेटिव्स अनुबंधों के निपटान की वजह से भी बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। इस सप्ताह बाजार में सिर्फ तीन कारोबारी सत्र होंगे। शेयर बाजार होली के मौके पर और गुड फ्राइडे के अवसर पर बंद रहेंगे।

बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि छुट्टियों की वजह से इस सप्ताह में कारोबार की मात्रा कम रहेगी। हालांकि, वित्त वर्ष का अंतिम सप्ताह होने तथा वायदा एवं विकल्प खंड में निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। वहीं एक अन्य बाजार के जानकार ने कहा कि इस सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का है। डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है।

अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े और अन्य प्रमुख आर्थिक आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की नजरें वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के भाव और डॉलर के मुकाबले रुपये के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 48 पैसे गिरकर 83.61 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इससे पहले 13 दिसंबर, 2023 को रुपया 83.40 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि मुद्रा के स्तर में तेज गिरावट के साथ विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयरों की बिकवाली यह संकेत दे रही है कि शेयर बाजारों के लिए आगे की राह कठिन हो सकती है। यह सप्ताह छुट्टियों वाला है और हमारा मानना है कि मार्च महीने के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। इसके अलावा बाजार भागीदार वैश्विक बाजारों के रुख, खासकर अमेरिकी बाजार से भी प्रभावित होंगे।

पहले दो महीने में, चीन में विदेशी पूंजी निवेश की वास्तविक मात्रा 215 अरब युआन से अधिक

बीजिंग। चीनी वाणिज्य मंत्रालय द्वारा 22 मार्च को जारी आंकड़ों से पता चला कि इस साल के पहले दो महीने में देश भर में 7,160 विदेशी निवेश वाले नए उद्यम स्थापित हुए जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 34.9 प्रतिशत ज्यादा हैं, जबकि विदेशी पूंजी की वास्तविक मात्रा 215 अरब नौ करोड़ युआन तक जा पहुंची, जो गत वर्ष की तुलना में 19.9 प्रतिशत कम है।वाणिज्य मंत्रालय के विदेशी निवेश विभाग के प्रभारी के मुताबिक, पिछले साल जनवरी से फरवरी तक, चीन में विदेशी पूंजी की वास्तविक मात्रा 268 अरब 44 करोड़ युआन तक पहुंच गई, जो एक नया कीर्तिमान है। हालांकि इस साल इसमें गिरावट आई है, लेकिन यह अभी भी पिछले 10 वर्षों में तीसरा उच्चतम स्तर है। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अभी भी चीनी बाज़ार में विकास के अवसरों के बारे में आशावादी हैं और अपना चीन में निवेश बढ़ा रही हैं। इस प्रभारी के अनुसार, चीन की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि के बुनियादी सिद्धांत नहीं बदले हैं। निवेश को आकर्षित करने में चीनी बाजार का बड़ा आकार, पूर्ण आपूर्ति श्रृंखला सहायक सुविधाएं, पूर्ण बुनियादी ढांचा और प्रचुर मानव संसाधन आदि लाभ उत्कृष्ट बने हुए हैं। इसके अलावा, अर्थव्यवस्था को स्थिर करने, खुलेपन को बढ़ावा देने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए नीतियों की एक श्रृंखला का प्रभाव दिखाई देना जारी है, जो विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियां बनाये हुए हैं।

बुलेट ट्रेन दो राज्यों की अर्थव्यवस्था को एक करने में मदद करेगी: रेल मंत्री

मुंबई से अहमदाबाद का पहला कॉरिडोर आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण कई शहरों को जोड़ देगा

नई दिल्ली, 24 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन पिछले 10 साल से लगातार चर्चाओं में है। भारत की जनता भी लंबे समय से देश की पहली बुलेट ट्रेन का इंतजार कर रही है। अब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलने वाली यह सुपरफास्ट ट्रेन दो राज्यों की अर्थवव्यस्थाओं को एक करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक कार्यक्रम में बताया कि भारत का बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट प्रगति कर रहा है। मुंबई से अहमदाबाद का पहला कॉरिडोर आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण कई शहरों को आपस में बांध देगा। यह कॉरिडोर कई अर्थव्यवस्था को एकजुट करेगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक रेलवे का प्रोजेक्ट नहीं है। हमें इसे अर्थव्यवस्था के नजरिए से देखना होगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे इस पहले बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में मुंबई, ठाणे, वापी, बड़ौदा, सूरत, आनंद और अहमदाबाद को आपस में जोड़ने वाली है। इन सभी शहरों की अर्थव्यवस्था एक हो जाएंगी। बुलेट ट्रेन आने के बाद आप सूरत में नाश्ता कर सकते हैं। फिर मुंबई जाकर अपने काम निपटा सकते हैं और रात में अपने परिवार के पास वापस आ सकते हैं। बुलेट ट्रेन के किराए पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि फिलहाल जहां भी बुलेट ट्रेन चल रही हैं, उनमें से ज्यादातर देशों में उन्होंने ट्रांसपोर्ट में 90 फीसदी तक हिस्सेदारी हासिल कर ली है। नवंबर, 2021 में काम शुरू होने के बाद से मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर लगातार प्रगति कर रहा है। वियाडक्ट का पहला किलोमीटर छह महीने में और 50वां अप्रैल, 2023 तक बनकर तैयार हो गया।

एलन मस्क ने सोचा था ओपनएआई फेल हो जाएगी : सैम ऑल्टमैन

सैन फ्रांसिस्को, 24 मार्च (एजेंसियां)। ओपनएआई के सीईओ सैम अल्टमैन का कहना है कि टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने सोचा था कि चैटजीपीटी-मेकर कंपनी फेल हो जाएगी। इसलिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया।पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ सैम ऑल्टमैन ने कहा, एलन मस्क ने सोचा कि ओपनएआई असफल (फेल) होने वाली है। वह इसे बदलने के लिए पूर्ण नियंत्रण चाहते थे। हम उस दिशा में आगे बढ़ते रहना चाहते थे जो अब ओपनएआई बन गई है। वह यह भी चाहते थे कि टेस्ला एक एजीआई प्रयास बनाने में सक्षम हो। सैम ऑल्टमैन ने आगे बताया, कई बार वह ओपनएआई को एक लाभकारी कंपनी बनाना चाहते थे, जिसका कंट्रोल उनके पास हो या इसका टेस्ला के साथ विलय हो सके। हम ऐसा नहीं करना चाहते थे और उन्होंने जाने का फैसला किया, जो ठीक है। सैम ऑल्टमैन ने सुझाव दिया कि कंपनी अभी भी अपने मूल उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी लोगों को मुफ्त में शक्तिशाली तकनीक दे रही है।

उन्होंने आगे बताया, हम अपने फ्री वर्जन पर विज्ञापन नहीं चलाते। हम इसे अन्य तरीकों से मुद्रीकृत नहीं करते हैं। हम बस इतना कहते हैं कि यह हमारे मिशन का हिस्सा है। हम लोगों के हाथों में अधिक से अधिक शक्तिशाली उपकरण मुफ्त में देना चाहते हैं और उन्हें उनका उपयोग कराना चाहते हैं।

हाल ही में, एलन मस्क ने ओपनएआई और ऑल्टमैन पर मुकदमा दायर किया था। एलन मस्क ने आरोप लगाया था कि उन्होंने एआई के आसपास अपने मूल संविदात्मक समझौतों का उल्लंघन किया है।

इसके बाद ओपनएआई ने मस्क के मुकदमे पर पलटवार करते हुए कहा था, जब कंपनी ने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए लाभकारी संरचना पर चर्चा की, तो एलन मस्क चाहते थे कि हम टेस्ला के साथ विलय करें या वह पूरा कंट्रोल चाहते थे।

हीरो मोटोकार्प की वीडा वी1इलेक्ट्रिक स्कूटर लांच शानदार हैं फीचर्स और रेंज, कीमत भी है कम

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। हीरो मोटोकार्प की वीडा वी1इलेक्ट्रिक स्कूटर को प्रीमियम फीचर्स और शानदार डिजाइन के साथ बाजार में उतारा है। वीडा वी1इलेक्ट्रिक स्कूटर की दिल्ली एक्स-शोरूम कीमत 1,26,200 लाख रुपये है। बता दें कि यह कीमत फेम-2 सब्सिडी मिलने के बाद की है। फुल चार्ज पर वीडा वी1इलेक्ट्रिक स्कूटर में 165 किलोमीटर की रेंज मिलती है। वहीं, इसकी टॉप स्पीड 80 किलोमीटर प्रति घंटा तक है। यह स्कूटर केवल 3.2 सेकंड में 0 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ लेता है। इसमें चार राइडिंग मोड ईको, राइड, स्पोर्ट्स और कम्फर्ट मिलते हैं। कंपनी इस ई-स्कूटर को दो रिमूवेबल बैटरी पैक के साथ ऑफर करती है। इस वजह से स्कूटर को एक बैटरी से भी चलाया जा सकता है। फास्ट चार्जर के उपयोग से स्कूटर की बैटरी 60 मिनट से भी कम समय में 0 से 80 फीसदी तक चार्ज हो जाती है। वीडा वी1 के साथ कंपनी पोर्टेबल चार्जर ऑफर करती है, जिसे बूटस्पेस में रखा जा सकता है। इसे किसी भी 5 एम्पीयर सॉकेट में लगाकर स्कूटर को चार्ज किया जा सकता है। इस चार्जर से स्कूटर को पूरी तरह चार्ज करने में 6 घंटे का समय लगता है। स्कूटर में सीट के लिए कई तरह कस्टमाइजेशन ऑप्शन भी मिलते हैं। वीडा वी1 इलेक्ट्रिक स्कूटर कई नए और मॉडर्न फीचर्स के साथ आती है। अगर फीचर्स की बात करें तो इसमें 7-इंच का टीएफटी कलर डिस्प्ले, 4जी

और वाईफाई कनेक्टिविटी, इलेक्ट्रॉनिक सीट, हैंडल लॉक, क्रूज कंट्रोल, रिवर्स और री-जनरेशन मोड जैसे फीचर्स मिलते हैं। वहीं इसके सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें एंटी-थेफ्ट अलार्म, ट्रैक माय बाइक, प्रोक्सिमिटी सेंसर, जियोफेंसिंग, रिमोट इमोबलाइजेशन, व्हीकल डायग्नोस्टिक और एसओएस बटन जैसे फीचर्स मिलते हैं। बता दें कि वैसे तो मार्केट में कई कंपनियों के इलेक्ट्रिक स्कूटर उपलब्ध हैं, लेकिन एक कंपनी ऐसी है जिसपर लोगों का भरोसा कई सालों से है और ये कंपनी मोटरसाइकिल और स्कूटरों की बिक्री में आजतक अपना लोहा मनवा रही है।

एनपीएस कर्मियों को एक अप्रैल से इस तरह करना होगा लॉग-इन, इसलिए लागू हुआ टू फैक्टर वेरिफिकेशन

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने अपने एनपीएस खाता धारकों की सुरक्षा के मद्देनजर पहली अप्रैल से आधार वेरीफिकेशन कराना अनिवार्य कर दिया है। द्विस्तरीय दृष्टिकोण के माध्यम से सीआरए प्रणाली के अनधिकृत उपयोग के जोखिम को कम किया जा सकता है। पीएफआरडीए ने इसके लिए सीआरए प्रणाली को टू फैक्टर प्रमाणीकरण प्लेटफार्म तैयार किया है। इसे सुलभ बनाने के मकसद से आधार बेस्ड लॉग-इन प्रमाणीकरण को वर्तमान उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड-आधारित लॉग-इन प्रक्रिया के साथ एकीकृत करेंगे। आधार बेस्ड लॉग इन वेरिफिकेशन को एनपीएस अभिदाता, अपने यूजर आईडी से जोड़ेंगे। इसके बाद आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। इसे दर्ज करने के बाद ही एनपीएस खाते को लॉग-इन किया जा सकेगा। पीएफआरडीए द्वारा पिछले दिनों जारी सर्कुलर में कहा गया है कि एनपीएस के नए लॉग-इन मानदंडों के अनुसार, सीआरए प्रणाली को दो-कारक प्रमाणीकरण के जरिए अधिक सुरक्षित बनाया गया है। पहली अप्रैल, 2024 से एनपीएस की सेंट्रल रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी (सीआरए) प्रणाली में लॉग इन करने वाले सभी पासवर्ड-आधारित उपयोगकर्ताओं के लिए नई सुरक्षा प्रणाली अनिवार्य कर दी गई है। सीआरए प्रणाली तक पहुंचने में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने और ग्राहकों एवं हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए, सीआरए प्रणाली में लॉग-इन के लिए आधार-आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाएं लाने का निर्णय लिया गया है। नई सुरक्षा प्रणाली के तहत, एनपीएस ग्राहक आधार-आधारित प्रमाणीकरण और अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी दर्ज करने के बाद ही अपने खातों तक पहुंच सकते हैं। पीएफआरडीए परिपत्र के अनुसार, पीआरएओ/डीटीए/पीएओ/डीटीओ/डीडीओ सहित सरकारी और कॉर्पोरेट नोडल कार्यालयों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) से संबंधित कार्यों के संचालन, गतिविधियों के निष्पादन और विभिन्न रिपोर्ट को तैयार करने के लिए केंद्रीय अभिलेखपालन अभिकरण (सीआरए) प्रणाली का उपयोग करने की अनुमति दी गई है। सीआरए सिस्टम में लॉग इन करने वाले सभी पासवर्ड आधारित उपयोगकर्ताओं के लिए एक अतिरिक्त सुरक्षा स्तर, द्विस्तरीय आधार आधारित प्रमाणीकरण, को अनिवार्य रूप से लागू किया जा रहा है।

2एफए द्विस्तरीय प्रमाणीकरण के लाभ

सुरक्षा में बढ़ोतरी: द्विस्तरीय दृष्टिकोण के माध्यम से सीआरए प्रणाली के अनधिकृत उपयोग के जोखिम को कम किया जा सकता है।

संवर्धित सुरक्षा: इस अतिरिक्त स्तर से एनपीएस लेनदेन सुरक्षित होता है। अभिदाताओं और हितधारकों के हितों की रक्षा होती है।

अतिरिक्त सुरक्षा सुविधा: वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों के तहत नोडल कार्यालय, उनके अंतर्निहित स्वायत्त निकायों सहित, एनपीएस लेनदेन के लिए सीआरए का उपयोग करने की खातिर पासवर्ड आधारित लॉग-इन प्रयोग करते हैं। सुरक्षा विशेषताओं को बढ़ाने और अभिदाताओं और हितधारकों के हितों की रक्षा करने के मद्देनजर सीआरए प्रणाली लॉग-इन के लिए आधार आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाओं को शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह आधार आधारित लॉग-इन प्रमाणीकरण वर्तमान यूजर आईडी और पासवर्ड आधारित लॉग-इन प्रक्रिया के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसके माध्यम से सीआरए प्रणाली का उपयोग करने के लिए द्विस्तरीय प्रमाणीकरण को सक्षम करेगा।

आधार मैपिंग: सरकारी क्षेत्र (केंद्रीय/राज्य/सीएबी/एसएबी) के अंतर्गत नोडल कार्यालयों की यूजर आईडी को आधार ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के माध्यम से द्विस्तरीय प्रमाणीकरण का उपयोग करते हुए सीआरए सिस्टम (सीआरए और एनपीएससीएन) में लॉग-इन करने की अनुमति दी जाएगी। निरीक्षण कार्यालय (पीआरएओ/डीटीए) को प्रारंभ में अपने आधार को संबंधित सीआरए यूजर आईडी से जोड़ना होगा, जिससे अंतर्निहित उपयोगकर्ता आधार मैपिंग का उपयोग कर सकें। इसी प्रकार पीएओ/डीटीओ भी अपने आधार को संबंधित सीआरए यूजर आईडी से जोड़ेंगे, जिससे अंतर्निहित डीडीओ को आधार लिंकिंग शुरू करने की अनुमति मिल सके।

एनपीएस गतिविधियों का प्रदर्शन: सरकारी क्षेत्र के तहत सभी कार्यालयों और स्वायत्त निकायों को एनपीएस से संबंधित सभी गतिविधियों को पूरा करने के लिए सीआरए प्रणाली में आधार आधारित लॉग-इन और प्रमाणीकरण की अतिरिक्त सुविधा के लिए आवश्यक ढांचे को स्थापित करना आवश्यक है।

मानक संचालन प्रक्रिया: संलग्न दस्तावेज प्रोटियन सीआरए से जुड़े नोडल कार्यालयों के लिए उनके आधार को जोड़ने और सीआरए प्रणाली का उपयोग कर कार्यात्मक गतिविधियों के साथ आगे बढ़ने की प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करता है। इसमें कई प्वाइंट शामिल हैं। जैसे, नोडल कार्यालय उपयोगकर्ता आईडी के लिए आधार संख्या का एक बारगी पंजीकरण, नोडल कार्यालय उपयोगकर्ता आईडी के लिए आधार मैपिंग का प्रमाणीकरण, आधार मैपिंग की अवस्थिति और सीआरए प्रणाली तक नियमित (आधार आधारित) उपयोग की प्रक्रिया। स्वायत्त निकायों सहित सरकारी और कॉपोरेट नोडल कार्यालयों से अनुरोध किया गया है।

संपादकीय

सरकारी बसें कितनी आगे

सही समय पर प्रशासनिक दखल के परिणाम किस तरह बेहतर हो सकते हैं, इसका एक उदाहरण एचआरटीसी के प्रबंध निदेशक रोहन चंद ठाकुर ने पेश किया है। वह डीटीसी के साथ एक अनुबंध करके न केवल दिल्ली जा रही सरकारी बसों के लिए उनके राजघाट परिसर में पार्क करने की व्यवस्था कर रहे हैं, बल्कि वहां ड्राइवर-कंडक्टरों के लिए विश्राम की उचित व्यवस्था भी कर रहे हैं। इस तरह एचआरटीसी सालाना अपने व्यय में करीब दो करोड़ की बचत करते हुए भविष्य के रास्ते खोज रही है। यह दीगर है कि सरकारी बसें भारी नुकसान की अर्थव्यवस्था के भंवर में फंसी हुई हैं और जनता की शिकायतों का एक पहाड़ इसके सामने खड़ा है, फिर भी वर्तमान सरकार के दौर में इलेक्ट्रिक बसों की दिशा में सरकार का फैसला इनकी खरीद के अंतिम दौर में है। करीब पांच सौ तेरह करोड़ से 327 बसें खरीद कर सरकार राज्य को ग्रीन एनर्जी के तहत भविष्य की संभावना से जोड़ रही है। इससे पहले शिमला व धर्मशाला की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही हैं। बहरहाल सडक़ परिवहन के क्षेत्र में एचआरटीसी अपने आप में राज्य के सेवा क्षेत्र के अलावा पर्यटन का सेतु भी है। हाल के दिनों में इसकी चर्चा के क्षेत्र में विसंगतियां रही हैं, फिर भी एचआरटीसी हिमाचल राज्य का एक ब्रांड है, जो सीधे जनापेक्षाओं को संबोधित करता है। यह दीगर है कि एचआरटीसी की प्रबंधकीय क्षमता पर राजनीति हावी होकर ऐसे फैसले लेती रही है, जिससे सार्वजनिक परिवहन की वित्तीय स्थिति निरंतर घाटे के नीचे दबी रहती है। अनावश्यक बस डिपो खोलकर राजनीति ने अपना कद भले ही ऊंचा कर लिया, लेकिन घाटे के सौदे में सरकारी बसें खुद पर शर्मिंदा हैं। बेशक अंतरराज्यीय बसों से एचआरटीसी की कमाई की रीढ़ दिखाई देती है, लेकिन राज्य स्तरीय व स्थानीय बस संचालन में अनावश्यक खर्चों को ढोती हुई बस सेवा कंगाल हो चुकी है। निजी बसों के मुकाबले सरकारी बसों की छवि, दक्षता, उपयोगिता व कमाई की औसत दर प्रदेश पर आर्थिक बोझ बढ़ा रही है। राज्य व स्थानीय रूट परमिट को देखते हुए परिवहन नीति में बदलाव से निजी निवेश को बढ़ावा मिलना चाहिए। एचआरटीसी अपने बस अड्डों के मार्फत आय का दायरा बढ़ा सकती है। बड़े शहरों, पर्यटक व धार्मिक स्थलों के बस स्थानक अपने आप में पर्यटन परिसर साबित हों, इस हिसाब से निजी निवेश के साथ पार्टनरशिप बढ़ानी होगी। एचआरटीसी के बस अड्डे कल के मॉल होने चाहिएं तथा इनके साथ महापार्किंग की अवधारणा में प्रयास करने होंगे। हिमाचल पथ परिवहन निगम अगर दिल्ली में डीटीसी के साथ मिलकर बचत कर रही है, तो ऐसे आदान-प्रदान हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड व जम्मू-कश्मीर राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ भी होने चाहिएं। मसलन एचआरटीसी चंडीगढ़-दिल्ली के बीच बस ठहराव के साथ एक रिजॉर्ट विकसित कर सकती है, जबकि पंजाब के कई रूट्स में भी ऐसी संभावना को देखना चाहिए। एचआरटीसी अगर पठानकोट से बस डिपो का संचालन कर सकती है, तो दिल्ली, चंडीगढ़ व हरिद्वार से क्यों नहीं। परिवहन की दृष्टि से एचआरटीसी को पर्यटन रूट के अलावा स्थानीय परिवहन को भी अलग से परिभाषित करना होगा। निश्चित रूप से एचआरटीसी ने कुछ धार्मिक स्थलों को हिमाचल से जोडक़र ऐसी पहल की है, लेकिन जयपुर, मसूरी, अमृतसर, कुरुक्षेत्र व जम्मू के साथ पर्यटन परिवहन की नई तस्वीर पेश करनी होगी। हिमाचल के भीतर साइट सीईंग के पैकेज अगर एचआरटीसी शुरू करे, तो धार्मिक पर्यटन से आगे नई मंजिलें तैयार होंगी। प्रदेश में परिवहन की एक परिपाटी में हम एचआरटीसी की भूमिका को देखते हैं, जबकि इसकी संपूर्णता में निजी क्षेत्र की क्षमता काफी आगे है। एचआरटीसी के दायरे में निजी क्षेत्र का निवेश अगर परिवहन के उद्देश्य व संगत से हो, तो घाटे के फेरे लाभ की स्थिति में आ सकते हैं।

दिल्ली जा रही सरकारी बसों के लिए उनके राजघाट परिसर में पार्क करने की व्यवस्था कर रहे हैं, बल्कि वहां ड्राइवर-कंडक्टरों के लिए विश्राम की उचित व्यवस्था भी कर रहे हैं। इस तरह एचआरटीसी सालाना अपने व्यय में करीब दो करोड़ की बचत करते हुए भविष्य के रास्ते खोज रही है। यह दीगर है कि सरकारी बसें भारी नुकसान की अर्थव्यवस्था के भंवर में फंसी हुई हैं और जनता की शिकायतों का एक पहाड़ इसके सामने खड़ा है, फिर भी वर्तमान सरकार के दौर में इलेक्ट्रिक बसों की दिशा में सरकार का फैसला इनकी खरीद के अंतिम दौर में है। करीब पांच सौ तेरह करोड़ से 327 बसें खरीद कर सरकार राज्य को ग्रीन एनर्जी के तहत भविष्य की संभावना से जोड़ रही है। इससे पहले शिमला व धर्मशाला की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही हैं। बहरहाल सडक़ परिवहन के क्षेत्र में एचआरटीसी अपने आप में राज्य के सेवा क्षेत्र के अलावा पर्यटन का सेतु भी है। हाल के दिनों में इसकी चर्चा के क्षेत्र में विसंगतियां रही हैं, फिर भी एचआरटीसी हिमाचल राज्य का एक ब्रांड है, जो सीधे जनापेक्षाओं को संबोधित करता है।

स्वतंत्रता के बाद हमारे देश में 17 आम चुनाव तथा लगभग 400 विधानसभा के चुनाव संपन्न हो चुके हैं

विश्व की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया में सबकी जिम्मेदारी

अवधेश वुमार

मुख्य चुनाव आयुत्त राजीव वुमार ने पत्रकार वार्ता में बताया कि विश्व के कई महाद्वीपों की जनसंख्या से ज्यादा हमारे देश के मतदाताओं की संख्या है। वुल मतदाताओं की संख्या 96 .88 लाख करोड़ है, जिनमें पुरुष मतदाता 49 .7 करोड़ तथा महिला 47 .01 करोड़ हैं। इस चुनाव में 10 .5 लाख मतदान वेंद्र होंगे जहां 55 लाख से ज्यादा इवीएम में लोग वोट डालेंगे। विश्व के किसी कोने के आम व्यत्ति को एहसास भी नहीं होगा कि इतना बड़ा चुनावी व्यवस्था और तंत्र कहीं संभव है। वास्तव में भारतीय संसद के निचले सदन लोकसभा चुनाव पर हमेशा से विश्व की दृष्टि रही है।

चुनाव आयोग द्वारा मतदान तिथियों की घोषणा के साथ लोकसभा चुनाव की औपचारिक शुरुआत हो गई है। जैसा मुख्य चुनाव आयुत्त राजीव वुमार ने पत्रकार वार्ता में बताया कि विश्व के कई महाद्वीपों की जनसंख्या से ज्यादा हमारे देश के मतदाताओं की संख्या है। वुल मतदाताओं की संख्या 96.88 लाख करोड़ है, जिनमें पुरुष मतदाता 49.7 करोड़ तथा महिला 47.01 करोड़ हैं। इस चुनाव में 10.5 लाख मतदान वेंद्र होंगे जहां 55 लाख से ज्यादा इवीएम में लोग वोट डालेंगे। विश्व के किसी कोने के आम व्यत्ति को एहसास भी नहीं होगा कि इतना बड़ा चुनावी व्यवस्था और तंत्र कहीं संभव है। वास्तव में भारतीय संसद के निचले सदन लोकसभा चुनाव पर हमेशा से विश्व की दृष्टि रही है। विश्व के नेताओं और विश्लेषकों में आज भी ऐसे लोग हैं जो भारत के इतने बड़े चुनाव के शांतिपूर्ण संपन्न हो जाने पर आार्य व्यत्त करते हैं। स्वतंत्रता के बाद हमारे देश में 17 आम चुनाव तथा लगभग 400 विधानसभा के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। अगर छोटे चुनावों को देखें तो 16 राष्ट्रपतियों एवं उपराष्ट्रपतियों का चुनाव भी इसी तरह संपन्न कराया जा चुका है। निाति रूप से इसमें चुनाव आयोग की प्रमुख भूमिका होती है लेकिन देश का राजनीतिक प्रतिष्ठान और मतदाताओं का अपनी व्यवस्था के प्रति सम्मान एवं अनुशासन नहीं हो तो यह संभव नहीं हो सकता। वास्तव में हम अपनी व्यवस्था, राजनीतिक दलों, मतदाताओं की सोच और व्यवहार की आलोचना करते हैं पर संसदीय लोकतंत्र का जो ढांचा, उससे जुड़ी हुई जो व्यवस्थाएं हमारे समक्ष उपस्थित हैं और विश्व समुदाय की प्रशंसा पाती हैं वह इनके बगैर संभव नहीं हो सकता। इस चुनाव की विशेषता यह है कि पहली बार एक करोड़ 82 लाख मतदाता पहली बार अपना वोट डालेंगे। 20 वर्ष से 29 वर्ष के बीच के मतदाताओं की संख्या 19 करोड़ 74 लाख है। इतनी बड़ी युवा आबादी किसी देश का भविष्य होती है और मतदान द्वारा भविष्य के सत्ता और विपक्ष की भूमिका तय करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका

होती है। कोईं भी व्यवस्था संपूर्ण रूप से दोषरहित नहीं होती। कितु इतनी संख्या में मतदाताओं को संभालने के लिए लगभग 1.5 करोड़ चुनाव अधिकारी और सुरक्षा र्कमियों के साथ 2100 पर्यंवेक्षकों की भूमिका होती है। वुल 3 लाख 40 हजार से अधिक सुरक्षा बल के जवान तैनात होंगे, जिनमें सबसे ज्यादा पामि बंगाल में 92,000 तथा उसके बाद जम्मू कश्मीर में 36,000 होंगे। इसलिए हमारी वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था के संचालन में इन सबकी भूमिका स्वीकार करनी होगी। लोकसभा चुनाव हम सबको अपने उत्तरदायित्वों का भान कराता ही है यह अवसर इसका भी अहसास कराता है कि जिन्हें हम हर स्तर पर सत्ता शीर्ष पर देखते हैं केवल उनकी ही भूमिका हमारी व्यवस्था तंत्र को आगे ले जाने और बनाए रखने में नहीं होती। भारी संख्या में लोग समय-समय पर इसमें योगदान करते रहते हैं। यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की संवेदनशीलता है जिसमें चुनाव आयोग यहां तक घोषणा कर चुका है और इसकी व्यवस्था भी है कि जो मतदाता मतदान वेंद्रो तक पहुंचने की स्थिति में नहीं हैं वह घर से मतदान का विकल्प चुनते हैं तो उन्हें उपलब्ध होगा। अगर कहीं एक मतदाता ऐसा होगा तो उसके भी मतदान की व्यवस्था कराईं जाएगी। यह पहली बार होगा जब पचासी से अधिक उम्र और 40 प्रतिशत से ज्यादा दिव्यांग वाले अपने घर से मतदान कर सवेंगे। चुनाव आयोग द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार 85 वर्ष से अधिक उम्र के 82 लाख पंजीवृत मतदाता है, जबकि 2.38 लाख मतदाताओं की उम्र 100 वर्ष से अधिक है। यानी इन मतदाताओं ने अपने देश का पहला आम चुनाव भी देखा होगा या इनमें से वुछ नहीं मतदान भी किया होगा। 88.35 लाख दिव्यांग मतदाताओं की संख्या है। व्यवस्था में कमियां हैं कितु यही इन सारे लोगों को लोकतांत्रिक प्रायिा का अंग बनाने की तैयारी भी दिखाता है। यही अप्रोच हमारे चुनाव प्रणाली को आज काफी सहज, सरल, सुगम और सुरक्षित बनाने में प्रमुख कारण रहा है। अगर एप्रोच में संवेदनशीलता और स्पंदनशीलता नहीं हो तो न इतना ज्यादा मतदाता जागरूकता अभियान चलाने और न ही सुरक्षा से लेकर मतदान को भ्रष्टाचार व कदाचार से मुत्त रखने के लिए इतना भारी भरकम तंत्र उपयोग में लाया जाता। एक समय था जब भारत में महिलाओं का मतदान प्रतिशत कम होता था। कितु अब यह स्थिति बदली है। विधानसभाओं से लेकर लोकसभा चुनावों में अनेक स्थानों पर मतदान करने वाली महिलाओं की संख्या ज्यादा रही है। वैसे भी 12 राज्यों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से ज्यादा हो गईं है। यानी महिलाओं में भी स्वयं को मतदाता के रूप में पंजीवृत कराने की जागरूकता बढ़ी है। इसकी कल्पना काफी पहले नहीं थी। चुनाव आयोग के आंकड़े बताते हैं कि लगातार आम चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ रहा है। यह सब यूं ही नहीं हुआ है। चुनाव आयोग और अन्य संस्थाएं मतदाता जागरूकता अभियान चलाते हैं तो इसके साथ अगर मतदाताओं को अपनी सुरक्षा का विश्वास नहीं हो तो काफी संख्या मतदान वेंद्रों तक नहीं जाएंगे। देश में जब राजनीति के अपराधीकरण का दौर था, बाहुबली मत लूटते थे, हत्या तक करते थे तब काफी संख्या में आम लोग मतदान करने से दूर रहते थे। यह स्थिति बदल गईं है । इनमें चुनाव आयोग, न्यायपालिका मीडिया सबकी भूमिका है। कितु राजनीतिक दलों को अलग कर दें तो इसका विश्लेषण पूरा नहीं होगा।

दृष्टि कोण

योग स्वास्थ्य के लिए रामबाण

आज जब प्रौद्योगिकी में उन्नति के कारण शहरीकरण से दैनिक जीवन में भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास हुआ है, मगर इस सबसे मानव फिटनेस में काफी कमी आई है। इसलिए अच्छे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगते हैं। जनमानस का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। योग हर उम्र के लोग आसानी से थोड़ी सी जगह में भी कर सकते हैं। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने स्वास्थ्य के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नए नए शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। इसलिए अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों में नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, ये अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति

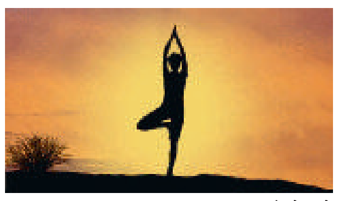

यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्त का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह, ये नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कत्र्तव्यपरायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है। ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो, उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है, बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य : मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रियजनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह : अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी-मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है। सद्भावना, मैत्री, करुणा आदि से की जाने वाली शुद्धि आंतरिक शुद्धि मानी जाती है। केवल अपने भौतिक शरीर का ध्यान रखना पर्याप्त नहीं है। बल्कि अपने मन के विचारों को पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना जरूरी है। शरीर और मन दोनों की शुद्धि। संतोष दूसरा नियम है। इसमें कत्र्तव्य का पालन करते हुए जो कुछ उपलब्ध हो, जो कुछ प्राप्त हो, उसी में संतुष्ट रहना। किसी प्रकार की तृष्णा न करना। तीसरा नियम है तप, इस नियम में अपने वर्ण, आश्रम, परिस्थिति और योग्यता के अनुसार स्वधर्म का पालन करना। व्रत, उपवास आदि भी इसी में शामिल किया जाता है। यानी कि स्वयं से अनुशासित दिनचर्या में रहना है। स्वाध्याय चौथा नियम है। जिससे कत्र्तव्य का बोध हो सके, मतलब शास्त्र का अध्ययन करना। महापुरुषों के वचनों का अनुपालन भी स्वाध्याय के अंतर्गत आता है। ईश्वर प्राणिधान पांचवां नियम है। ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण व संपूर्ण श्रद्धा रखना। फल की इच्छा का परित्यागपूर्वक समस्त कर्मों का ईश्वर को समर्पण करना ईश्वर प्राणिधान कहलाता है।

कुछ अलग

वारिस और वसीयत...

वक्त बदलने के साथ-साथ बातों का अर्थ, जीने का अंदाज, प्रेमालाप का तरीका तक कुछ इस कद्र बदल गया है कि हम पहचान ही नहीं पाते कि क्या यह हमारा वही संसार है जिसमें हम तन कर हमेशा 'सही को सही' और 'गलत को गलत' कहते रहे। तब की बात और थी हुजूर। तब हम सच के हक में आवाज उठाते थे, तो दस लोग हमारी हां में हां मिलाने के लिए खड़े हो जाते थे। हां में हां मिलाने वालों की तो आज भी कमी नहीं, लेकिन जमाने ने सच के अर्थ और यथार्थ के सन्दर्भ ही बदल दिए, इसलिए हां में हां मिलाने वाले अब किसी सत्कार्य के लिए खड़े होने वाले नहीं, बड़े आदमी की चाटुकारिता में अर्थ तलाशने वाले हो गए। जी, यह इस अर्थ का मतलब समझने वाला नहीं, मतलब साधने वाला है। अर्थ वहीं कालमता साहिब, कि जिसके लिए पहले कहा जाता था, 'तेरी गठरी में लागा चोर, मुसाफिर जाग जरा।' लेकिन आज जब मुसाफिरों को कहीं जाने की जरूरत नहीं तो भला उन्हें जागने की क्या जरूरत? अब वह गोपाल कृष्ण कहां जो सत्ताधीश होकर भी सुदामा को नहीं भूले। मिलने आए मित्र की पोटली छीन कर खोल ली। उसमें सत्तू थे, आधे-आधे बांट कर खा लिए। मानते हैं कि चुनाव करीब हैं। अब सुदामा के सत्तुओं की पोटली का महत्व बढ़ सकता है। वोट मांगने के लिए तुम्हारी पोटली की थाह लेने तेरे द्वार तक दोबारा सत्ताधीश बनने की चाह रखने वाले आएंगे। जो इनके नीचे से कुर्सी खिसका दें, ऐसे विपक्षी भी तेरा द्वार खटखटाएंगे। भला तेरी सत्तुओं की पोटली में इतनी कुव्वत है कि वह आधी-आधी बंट कर दोनों का पेठ भर सके? अजी क्या गए बीते जमाने की बातें करते हो? पेट तो देखो इन भद्रजनों के भरे-भराये हैं। वे तेरे सत्तू बांटने नहीं तुझे अपने सपने के एक टुकड़े की खैरात देने आए हैं। पिछली बार पांच साल पहले सपनों की आमद का भ्रमजाल बिछा तेरे मतपत्रों का जिंदाबाद ले गए थे। फिर तुझे या तेरी पोटली या उसमें बंधे सत्तू भूल अपनी साइकिलों को आयातित गाडियां बनाने में लगे रहे। अब चुनाव युग आने की घंटी टनटनायी तो फिर तेरी सुदामा का सुदामा रह जाने और उसकी पोटली के और भी फट जाने की याद आई। अब उसकी उधडऩ सीने के लिए नारों के नए सूई-धागे के साथ सपनों का नया टुकड़ा भी लाए हैं। देखो, हर हाथ को काम देने का वायदा था, उसकी सुध नहीं ली। उस वायदे के चेहरे पर 'अपना हाथ जगन्नाथ' और 'स्वरोजगार' की सफेदी की पुताई करते रहे। अब फिर तेरे वोट मांगने का समय आया तो तेरी पोटली मुंह बाये है। इस बीच तो इसका मुंह और भी खुल गया। बीच के चार दांत भी गायब हो गए। नेता जी क्या जवाब दें? गरीब की पोटली तो वैसे ही रहनी थी। अब क्या इस फेर में हर दिन अपनी भारी भरकम होती जा रही गठरी को भी गंवा दें? साहिब, चाहे सब कुछ बंटाधार हो जाए, लेकिन देश की लोक संस्कृति, लोक जीवन और लोकतंत्र पर आंच नहीं आने देनी है। पहले भी नहीं आने दी थी। एक दो नहीं पूरे पांच राज्यों में चुनाव करवा डाले। ईवीएम मशीनों की धूल-मिट्टी झड़ गई। अगर इस बीच दाना-पानी के अभाव में चंद लोग मिट्टी में मिट्टी हो गए, तो क्या गम? सब पास हो गए, किसी को फेल नहीं होने दिया। देख लो शिक्षा क्रांति हो गई और युवा पीढ़ी भी एक दर्जा ऊपर चली गई। यह महिला सशक्तिकरण का जमाना है, और तुम लोग उनकी आर्थिक दुर्दशा की बात करने लगे। अरे समझदारों ने कैसे-कैसे हल निकाल लिया। जिंदगी मौत का भरोसा नहीं। समस्या है अपनी अगाध सम्पदा की वसीयत किसके नाम लिखें? यारों के पास इसका समाधान है। किराए की कोख लेकर बिना नजदीक गए अपने लिए वारिस पैदा करवा लीजिए।

देश दुनिया से

वनों से शहरी हरित स्थानों तक की यात्रा

वर्ष 2007-2008 के दौरान विश्वविद्यालय में एक मुख्य बाधा थी मार्गदर्शकों की कमी। वन्यजीव जीवविज्ञान उस समय लोकप्रिय विकल्प नहीं था, ज्यादातर छात्र वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी जैसे परंपरागत पाठ्यक्रमों को चुनते थे। गनीमत रही कि डॉ. अखिला हिरेमठ से परिचय होने से उन्हें पारिस्थितिक अनुसंधान में बहुमूल्य जानकारी मिली, जिसने उन्हें इस क्षेत्र की जटिलताओं को समझने में मार्गदर्शन दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी कॉलेज में स्नातक की पढ़ाई के दौरान ही डॉ मोनिका कौशिक की इस रोमांचक यात्रा की शुरुआत हुई। वनस्पति विज्ञान (बॉटनी) में बीएससी की पढ़ाई करते समय, उन्हें इस बात का बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि वन्यजीव जीव विज्ञान (वाइल्डलाइफ बायोलॉजी) और पारिस्थितिकी (इकोलॉजी) उनके संभावित कैरियर विकल्प बन सकते हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय में ही पर्यावरण जीव विज्ञान (एनवायर्नमेंटल बायोलॉजी) में परास्नातक डिग्री हासिल करने के दौरान ही उनके सामने इससे छिपी संभावनाएं सामने आई। समुदाय पारिस्थितिकी (कम्युनिटी इकोलॉजी) और वन्यजीव जीव विज्ञान के पाठ्यक्रमों ने उनके लिए एक नया संसार उजागर कर दिया, जिसने पारंपरिक कक्षाओं की सीमाओं को पार करते हुए उनके अंदर एक जुनून पैदा किया। यही जुनून अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया, चंबल वन्यजीव अभयारण्य की एक फील्ड ट्रिप के दौरान। वहां घड़ियालों के लिए चलाए जा रहे मनमोहक संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम (कैप्टिव ब्रीडिंग प्रोग्राम) ने उनके ऊपर एक अमिट छाप छोड़ी। स्थानीय जैव विविधता पहलों में सक्रिय भागीदारी के साथ यह अनुभव उनके जुनून को और उत्तेजित करने लगा, जो अब पारंपरिक शिक्षा की सीमाओं से बहुत आगे निकल चुका था। उन्हें अब समझ आने लगा था कि वन्यजीव जीव विज्ञान सिर्फ जंगली जानवरों की तस्वीरें लेने के बारे में नहीं है, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्रों के भीतर जटिल संबंधों को समझने के बारे में भी है।

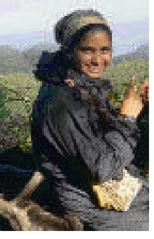

महत्वपूर्ण क्षणः लैंटाना और एवियन बीज फैलाव की गतिशीलता की खोज : स्नातकोत्तर अध्ययन के वर्षों में, खासकर वाइल्डलाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया में पीएचडी के दौरान, उनकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने कर्नाटक में एक इंटर्नशिप के लिए अशोक ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट (एटीआरई) से डॉ. अंकिला हिरेमथ से संपर्क किया। डॉ. हिरेमथ ने उनका अपने एक प्रोजेक्ट में स्वागत किया, जो बिलीगिरी रंगा स्वामी मंदिर वन्यजीव अभयारण्य में लैंटाना की गतिशीलता पर केंद्रित था। यह इंटर्नशिप लैंटाना (लैंटाना एक ऐसा सुन्दर पौधा है जो देखने जितना मनमोहक है उतना ही हानिकारक भी है पशुओं के लिए), देशी पक्षी समुदायों और पक्षियों द्वारा बीज फैलाने के संबंधों पर केंद्रित थी। उनका विशेष ध्यान लैंटाना के देशी फलदार पौधों के बीज फैलाने पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने पर था, जिसने क्षेत्र में उनके निरंतर प्रयासों की नींव रखी थी।

चुनौतियों से निपटना, एक यात्रा : बीते सालों को याद करते हुए, वे खुलकर उन चुनौतियों के बारे में बताती हैं जिनका सामना उन्हें करना पड़ा। वर्ष 2007-2008 के दौरान विश्वविद्यालय में एक मुख्य बाधा थी मार्गदर्शकों की कमी। वन्यजीव जीवविज्ञान उस समय लोकप्रिय विकल्प नहीं था, ज्यादातर छात्र वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी जैसे परंपरागत पाठ्यक्रमों को चुनते थे। गनीमत रही कि डॉ. अखिला हिरेमठ से परिचय होने से उन्हें पारिस्थितिक अनुसंधान में बहुमूल्य जानकारी मिली, जिसने उन्हें इस क्षेत्र की जटिलताओं को समझने में मार्गदर्शन दिया। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपनी इंटर्नशिप के बारे में साझा किया जिसके दौरान उन्हें अलग राज्य में इंटर्नशिप करने का मौका मिला। उनका परिवार ज्यादा पढ़ा लिखा न होने के बावजूद शिक्षा की महत्वता को भली भाँति समझता था, उनके पिताजी हमेशा से चाहते थे की उनकी बेटी डॉक्टर बने और अपने सपनो को पूरा करे और यही जूनून डॉ मोनिका में भी था इसीलिए सारी बाधाओं को पार करके अपने सपने को पूरा भी किया। इन सब के बावजूद अपने परिवार को समझाना उनके लिए कोई आसान काम नहीं था, विशेषकर ऐसी फील्ड के लिए राज़ी करना जहाँ जंगली जानवर तो थे ही साथ में कम महिलाओ का होना भी एक चिंता का कारण बना हुआ था। डॉ मोनिका बताती है कि उनके परिवार की चिंता तब दूर हुई जब उन्हें यह बताया गया कि उन्हें एक महिला सलाहकार सहित अन्य शोधकर्ताओं के साथ बेस कैंप में तैनात किया जाएगा। शुरुआत के दिनों में उन्हें वन अधिकारियों के फ्रंटलाइन कर्मचारियों का रुखा व्यव्हार देखने को मिला लेकिन उनके लिए फ्रंटलाइन कर्मचारियों से मान्यता प्राप्त करना प्राथमिक लक्ष्य नहीं था। उनके दिमाग बस इस बात पर केंद्रित था कि कैसे उन्हें चुनौतियों के बावजूद अपना काम पूरा करना है।

आप का नजरिया

परिसर में हिंसक भीड़

आज एक ऐसा मुद्दा उठा रहे हैं, जो हमारे शिक्षण-संस्थानों के भीतर हिंसक भीड़ और उनके हमलों से जुड़ा है। यह भीड़ हमारी संस्कृति और हमारे मूल्यों से जुड़ी नहीं है, बल्कि एक देश के तौर पर हमें कलंकित करती है। जब मामला विदेशी छात्रों पर हिंसक हमले का सामने आता है, तब हमारे चिंता और सरोकार बढ़ जाते हैं। चूंकि दुनिया एक कुटुम्ब की तरह, आपस में अंतरंग रूप से, जुड़ रही है, लिहाजा यह उच्च शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों की बुनियादी जिम्मेदारी बन जाती है कि वे अधिक शांतिपूर्ण, सहिष्णु, समावेशी, सुरक्षित और स्थिर समाज के कारक और प्रोत्साहक बनें। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) का सिद्धांत और ब्रह्मवाक्य भी है। बीते शनिवार को गुजरात यूनिवर्सिटी के अहमदाबाद परिसर में एक भीड़ ने 5 विदेशी छात्रों पर तब हमला किया, जब वे रमजान के पाक महीने में नमाज पढ़ रहे थे। ऐसे हमले हमारी शिक्षा नीति के सिद्धांत, उसकी प्रतिबद्धता और आश्वासन को खंडित करते हैं। वीडियो में करीब 25 युवा छात्र विदेशी छात्रों पर हमले करते दिख रहे थे। श्रीलंका, अफगानिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के 1-1 घायल छात्र को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यकीनन यह आपराधिक घटना थी और विश्वविद्यालय के परिसर में कानून-व्यवस्था का सरासर उल्लंघन किया गया। फिर भी विश्वविद्यालय प्रशासन ने कानून को हाथ में लेकर लीपापोती की कोशिश की। हालांकि दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने सिर्फ यह बयान दिया कि वह गुजरात सरकार के संपर्क में है। वह और कर भी क्या सकता था? दूसरी आश्चर्यजनक प्रतिक्रिया यह सामने आई कि हिंसक हमले के पीड़ितों को ही 'दोषी' करार देने की कोशिश की गई। मुद्दा यह है कि ऐसा हमला विदेश में भारतीय छात्रों के साथ भी हो सकता था। ऐसी घटनाएं होती भी रही हैं। तब हम कैसा महसूस करते हैं? हम तसल्ली देते रहे हैं कि ऐसी घटनाएं परंपरा और सिलसिलेवार नहीं हैं। ये अपवाद के तौर पर होती हैं। बेशक ये कानून का कठोर उल्लंघन हैं। ऐसी ही तसल्ली हमें विदेशी छात्रों को देनी चाहिए। हालांकि हमले के तुरंत बाद कुलपति नीरजा गुप्ता ने विदेशी छात्रों को आश्वस्त किया कि वह उन्हें एक अलग होस्टल में शिफ्ट कर देंगी। विदेशी छात्रों की सुरक्षा के लिए यह बेहद जरूरी है। यह भी कोई सौहार्द का कदम नहीं है। छात्रों को आपस में घुल-मिल कर रहना और पढऩा सीखना चाहिए, लेकिन कुलपति ने यह आत्ममंथन नहीं किया कि विदेशी छात्रों पर हमले क्यों और कैसे किए गए? विदेशी छात्र कोई भी हों, उन्हें सांस्कृतिक तौर पर संवेदनशील होना ही चाहिए। इस घटना ने साबित कर दिया है कि हमें अब भी सांस्कृतिक अनुकूलन की जरूरत है। क्या यह दायित्व विदेशी छात्रों का है? हमारे संविधान में धार्मिक आजादी का मौलिक अधिकार बहुत महत्वपूर्ण है, लिहाजा नमाज पढऩे वालों की स्वतंत्रता और गरिमा का भी सम्मान किया जाना चाहिए था। सवाल तो यह भी है कि विश्वविद्यालय परिसर में भीड़ कहां से आई, हथियार कहां से आए? यदि भीड़ वाले भी वहीं के छात्र थे, तो उन पर क्या कार्रवाई की गई? भीड़ घटनास्थल से आराम से चली कैसे गई? भारत के बहुत कम विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर 'सर्वश्रेष्ठ' आंके गए हैं। कमोबेश गुजरात यूनिवर्सिटी उनमें से एक नहीं है।

आज खेली जाएगी रंग वाली होली

बन रहे हैं चार अत्यंत शुभ योग

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

होली एक सांस्कृतिक, धार्मिक और पारंपरिक त्योहार है। पूरे भारत में इसका अलग ही जश्न और उत्साह देखने को मिलता है। होली भाईचारे, आपसी प्रेम और सद्भावना का त्योहार है। इस दिन लोग एक दूसरे को रंगों में सराबोर करते हैं। फाल्गुन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा की रात होलिका दहन किया जाता है और इसके अगले दिन होली मनाई जाती है। हिंदू धर्म के अनुसार होलिका दहन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना गया है। होली एक सांस्कृतिक, धार्मिक और पारंपरिक त्योहार है। पूरे भारत में इसका अलग ही जश्न और उत्साह देखने को मिलता है। होली भाईचारे, आपसी प्रेम और सद्भावना का त्योहार है। इस दिन लोग एक दूसरे को रंगों में सराबोर करते हैं। घरों में गुझिया और पकवान बनते हैं। लोग एक दूसरे के घर जाकर रंग-गुलाल लगाते हैं और होली की शुभकामनाएं देते हैं। फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को होली का त्योहार मनाया जाता है। इसके अगले दिन रंग वाली होली खेली जाती है। इस साल होलिका दहन 24 मार्च को मनाया जाएगा। जबकि रंग वाली होली 25 मार्च को खेली जाएगी। इस साल होली पर वृद्धि योग और ध्रुव योग बनने जा रहे हैं। वृद्धि योग में किए गए काम आपको लाभ देते हैं। यह योग व्यापार के लिए काफी फायेदमंद माना जाता है। साथ ही ध्रुव योग से चंद्रमा और सभी राशियों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। साथ ही इस दिन उत्तरा फाल्गुनी और हस्त नक्षत्र का भी निर्माण हो रहा है।

बन रहा है होली पर दुलर्भ योग

वैदिक पंचांग में बताया गया है की होली पर्व के दिन चार अत्यंत शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन वृद्धि योग रात्रि 09:29 तक रहेगा और इसके बाद ध्रुव योग शुरू हो जाएगा। साथ ही इस दिन उत्तरा फाल्गुनी और हस्त नक्षत्र का भी निर्माण हो रहा है। उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र 10:40 तक रहेगा और इसके बाद हस्त नक्षत्र शुरू हो जाएगा। ज्योतिष शास्त्र में इन सभी को पूजा-पाठ के लिए श्रेष्ठ समय बताया गया है।

देशभर में अलग-अलग तरह से मनाई जाती है होली

भारत के अधिकांश प्रदेशों में होली का त्योहार अलग-अलग नाम और रूप से मनाया जाता है। जहां एक तरफ ब्रज की होली आकर्षण का केंद्र होती है, वहीं बरसाने की लठमार होली को देखने के लिए भी दूर-दूर से लोग आते हैं। मथुरा और वृंदावन में 14 दिनों तक होली धूमधाम से मनाई जाती है। इनके आलावा बिहार में फगुआ, छत्तीसगढ़ में होरी, पंजाब में होला मोहल्ला, महाराष्ट्र में रंग पंचमी, हरियाणा में धुलंडी जैसे नामों से होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। प्राचीन काल में होली चंदन और गुलाल से ही खेली जाती थी, लेकिन समय के साथ- साथ इसमें बदलाव आता गया और वर्तमान समय में प्राकृतिक रंगों का भी उपयोग किया जाने लगा, जिससे त्वचा और आंखों पर कोई भी दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है।

होली का महत्व

होली का हिंदुओं के लिए जो धार्मिक महत्व है वह काफी ज्यादा है। यह हिंदू धर्म की सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। होली के त्यौहार के दौरान लोग बहुत खुशी और उत्साह के साथ जश्न मनाते हैं। यह त्यौहार लगातार दो दिनों तक मनाया जाता है।, इसकी शुरुआत छोटी होली से होती है और उसके बाद धूलंडी होती है। जिसे बड़ी होली या रंग वाली होली भी कहा जाता है। छोटी होली की पूर्व संध्या पर होलिका दहन का आयोजन किया जाता है। लोग अलाव जलाते हैं। होलिका की पूजा करते हैं और उसकी सात बार चक्कर लगाते हैं अथवा परिक्रमा करते हैं। धूलंडी के दिन भुगतान के रूप में पानी और रंगों का इस्तेमाल किया जाता है।वे एक-दूसरे के घरों में जाते हैं और अपने चेहरे पर गुलाल या चमकीले रंग लगाते हैं और खुशी-खुशी इस रंगों के त्योहार को मनाते हैं।

दाऊ जी मन्दिर में होती है प्रेम पगी देवर भाभी की अनूठी होली

तीन लोक से न्यारी मथुरा नगरी में बल्देव की होली देवर भाभी की ऐसी अनूठी होली है जो पारिवारिक एकता का संदेश देती है। इस बार यह होली 26 मार्च को खेली जाएगी।

बल्देव की होली को दाऊ जी की होली कहा जाता है। इस होली में जहां श्रद्धा, भक्ति और संगीत की त्रिवेणी प्रवाहित होती है वहीं देवर भाभी की यह होली मर्यादा बनाये रखने का ज्वलंत उदाहरण पेश करती है। वैसे भी इस होली में मर्यादा इसलिए भी बनी रहती है क्योंकि होली खेलने के समय बल्देव और उनके छोटे भाई कान्हा मौजूद रहते हैं। यह मर्यादा इसलिए भी बनी रहती है क्योंकि इसमें कल्याणदेव के वंशज ही भाग लेते हैं।इस होली को हुरंगा कहा जाता है। इस होली के दौरान मन्दिर की छत से अनवरत गुलाल की वर्षा होती रहती है जिससे ''उड़त गुलाल लाल भये बादर '' का दृश्य बन जाता है।

ब्रज की महान विभूति डा घनश्याम पाण्डे ने बताया कि यहां पर होली केवल टेसू के रंग से खेली जाती है जो 40 फीट लम्बे, तीन फुट चौड़े और पांच फीट गहरे विशाल हौज में तीन दिन में तैयार किया जाता है। हुरंगे के दिन बाल भोग के बाद श्रंगार आरती के दर्शन खुलते हैं। दोपहर 12 बजे समाज गायन होता है इसके बाद राजभोग के दर्शन होते हैं जो होली शुरू होने का एक प्रकार से संकेत होता है।

यह होली प्रतीकात्मक रूप में कान्हा और उनके सखा तथा मां रेवती और उनकी सखियों के प्रतीक के रूप में होती है। हुरिहारिने जब वस्त्र फाड़ती हैं तो मर्यादा बनी रहती है तथा कमर के नीचे के वस्त्र या पगड़ी को वे स्पर्श तक नही करती हैं।

दाऊ जी मन्दिर के प्रबंधक कन्हैया पाण्डे ने बताया कि हुरंगे के लिए 50 मन गुलाल, 50 मन भुरभुर , 50 मन केसरिया रंग एवं 60 मन टेसू के फूल मगाए गए हैं इसके अलावा भक्त भी गुलाल आदि लाते हैं।

समाज गायन समाप्त होने तक कल्याण देव के वंशज के घरों की बहुएं मन्दिर में एकत्र हो जाती हैं और उस समय तक मन्दिर में कृष्ण , बल्देव के प्रतीक दो झंडे आ जाते हैं। उधर कल्याण देव के वंशज अपनी भाभी से होली खेलने के लिए मन्दिर प्रांगण में इकट्ठा हो जाते हैं। इसी बीच रसिया के स्वर गूंज उठते हैं

लाला होरी तो ते तब खेलूं मेरी पहुंची मे नग जड़वाय

इस रसिया के स्वर इतने मधुर होते हैं कि दर्शकों तक के पैर थिरक उठते हैं। हुरिहार बाल्टियों में टेसू का रंग भरकर हुरिहारिनो पर हांथ से उलीच कर रंग डालते हैं या फिर किसी हुरिहारिन को रंग से सराबोर करते हैं तो हुरिहारिने भी हुरिहारों के वस्त्र फाड़कर उसके गीले पोतनों से उनकी पिटाई करती हैं । मन्दिर में झंडे घूमते रहते हैं। अगर हुरिहार किसी हुरिहारिन से अधिक बलशाली होता है तो दो तीन हुरिहारिने मिल कर उसके वस्त्र फाड़कर पोतनो से पिटाई करती है।इसी बीच रसिया के स्वर गूंज उठते हैं

आज बिरज में होरी रे रसिया

हुरिहार इसी दौरान अपने किसी साथी को हुरिहारिनो के समूह के सामने उठाकर लाते हैं और वे उसकी पोतनों से पिटाई करती हैं।उधर मन्दिर की छत से रंग बिरंगे हुलाल की अनवरत वर्षा होती रहती हैं। हुरिहार मस्ती में आकर बाल्टियों से दर्शकों को भी रंग से सराबोर करने का प्रयास करते हैं। हुरंगा की चरम परिणति में झंडे की लूट हुरिहारिनो द्वारा शुरू हो जाती है। वे पहले एक झंडे को लूटती हैं तथा बाद में दूसरे झंडे को लूटती हैं जो हुरंगा समाप्त होने का संकेत होता है। इधर हुरिहार गाते हुए जाते हैं

हारी रे गोरी घर चली जीत चले नन्दलाल

इसके जवाब में हुरिहारने गाती हैं

हारे रे लाला घर चले जीत चले ब्रजबाल।

इस प्रकार दाऊ जी का हुरंगा प्रेम की अनूठी कहानी कहते हुए समाप्त होता है।

प्रसिद्ध होने के साथ-साथ रहस्यमय भी हैं भारत के ये मंदिर, जानिए इनसे जुड़ी मान्यताएं

भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जो अपनी सुबसूरती के लिए लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं। इसके साथ ही भारत में कई ऐसे में मंदिर भी हैं, जो प्रसिद्ध होने के साथ-साथ बहुत प्राचीन भी हैं। जगन्नाथ पुरी मंदिर, काशी विश्वनाथ और तिरुपति बालाजी मंदिर इसके ही कुछ सटीक उदाहरण हैं। ये मंदिर दुनियाभर में तो प्रसिद्ध हैं ही, साथ ही इस मंदिरों से जुड़ी मान्यताएं और चमत्कार भी चर्चा का विषय बने रहते हैं।

जगन्नाथ पुरी मंदिर

ओडिशा के पुरी में स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर, विष्णु भगवान के ही एक रूप श्री जगन्नाथ को समर्पित माना जाता है। हिंदू धर्म में इस मंदिर को धरती का बैकुंठ भी कहा जाता है। भगवान जगन्नाथ के मंदिर में ऐसे कई चमत्कार होते हैं, जो किसी भी व्यक्ति को आश्चर्य में डाल सकते हैं। ऐसा ही एक चमत्कार है मंदिर के ध्वज का हवा की विपरीत दिशा में लहराना। साथ ही इस मंदिर का एक रहस्य यह भी है कि मंदिर के द्वार तक समुद्र के लहरों की आवाज सुनाई देती है, लेकिन मंदिर में अंदर प्रवेश करते ही लहरों का शोर बिल्कुल खत्म हो जाता है।

काशी विश्वनाथ मंदिर

माना जाता है कि काशी विश्वनाथ मंदिर भारत के प्रमुख और प्राचीन मंदिरों में से एक है, जो उत्तर प्रदेश के वार-ाणसी शहर में गंगा नदी के किनारे स्थित है। साथ ही यह मंदिर बारह ज्योतिर्लिंग में से भी एक है। काशी विश्वनाथ मंदिर को विश्वेश्वर भी कहा जाता है, जिसका अर्थ होता है 'ब्रह्मांड का शासक'। इस मंदिर को लेकर कई मान्यताएं प्रचलित हैं, जिनमें से एक यह भी है व्यक्ति को काशी विश्वनाथ के दर्शन करने से मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

तिरुपति बालाजी मंदिर

आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में तिरुमाला पर्वत पर स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर दुनिया के सबसे अमीर मंदिरों में से एक मंदिर है। यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, विवाह के उपलक्ष्य में लक्ष्मी जी को भेंट करने के लिए विष्णु जी ने कुबेर से धन उधार लिया। इसलिए यह माना जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में धन या सोना चढ़ाते हैं, वह असल में भगवान विष्णु के ऊपर कुबेर के ऋण को चुकाने में सहायता भी करते हैं।

मां कामाख्या देवी मंदिर

मां कामाख्या देवी का मंदिर 51 शक्तिपीठों में शामिल हैं। यह मंदिर असम के गुवाहाटी के नजदीक स्थित है। इस मंदिर में कोई मूर्ति नहीं है बल्कि मां सती के शरीर के अंग की पूजा की जाती है। पौराणिक कथा के अनुसार जब विष्णु जी ने देवी सती के शव को काटा था, तब इस स्थान पर माता की योनि गिरी और विग्रह में परिवर्तित हो गई, जो आज भी मंदिर में विराजमान है। माना जाता है कि यहां आज भी माता सती रजस्वला होती हैं।

भगवान भोलेनाथ को बहुत प्रिय है यह फल पूजा करते समय शिवलिंग पर जरूर चढ़ाएं

भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने से सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, ऐसी मान्यता है। माना जाता है कि बाबा भोलेनाथ को प्रसन्न करना बहुत आसान है । आप उनकी पूजा नियमित करते हैं तो आपकी तरक्की में कभी बाधा नहीं पड़ेगी। आज हम आपको यहां पर एक ऐसे फल को चढ़ाने के बारे में बताने वाले हैं जो भोलेनाथ को बहुत प्रिय है।

भोलेनाथ को क्या चढ़ाएं

- धतुरे का फल भी आप बाबा भोलेनाथ को चढ़ाते हैं, तो बहुत लाभकारी होगा, यह उन्हें बहुत प्रिय है। आप इसके पत्ते को भी चढ़ा सकते हैं। शिवलिंग पर गंगाजल, घी, शहद, दूध और दही अर्पित किए जा सकते हैं। भगवान शिव को घी, शक्कर और गेंहू के आटे से बना भोग भी लगाया जा सकता है। कहते हैं इससे भई शिव शंकर प्रसन्न हो जाते हैं।
- वहीं, आप भगवान शिव को रुद्राक्ष को फल भी चढ़ा सकते हैं। यह भगवान को अतिप्रिय है। इसको भोलेबाबा गले में भी धारण करते हैं। आप उन्हें बेल का फल भी चढ़ा सकते हैं। यह भी भोलेनाथ को बहुत प्रसन्न होते हैं। सोमवार को यह फल चढ़ाते हैं आपको इसको लाभ दोगुने मिलेंगे।
- बदरी बेर भी आप भगवान शंकर को बहुत प्रिय है। यह फल बद्रीनाथ में पाया जाता है। इसके अलावा सेब, अनार और केला भी चढ़ा सकते हैं।

रकुल प्रीत ने स्टायलिश आउटफिट पहन गिराई बिजली

हाल ही में जैकी भगनानी के साथ शादी के बंधन में बंधीं रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी छाई हुई हैं। वह अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनका नया सिंपल लेकिन स्टाइलिश अंदाज देखने को मिल रहा है। इन तस्वीरों में रकुल प्रीत सिंह ब्लैक एंड व्हाइट कलर के स्टाइलिश आउटफिट में नजर आ रही हैं। उनके बाल खुले हुए हैं और उन्होंने मेकअप किया हुआ है। तस्वीरों में रकुल काफी रिलैक्स मूड में नजर आ रही हैं और उनका आत्मविश्वास साफ़ झलक रहा है।

शादी के बाद यह रकुल का नया लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। कुछ ही घंटों में उनकी इन तस्वीरों पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स चुके हैं। एक यूजर ने लिखा, शादी के बाद और भी ज्यादा खूबसूरत लग रही हो रकुल! वहीं दूसरे यूजर ने कमेंट किया, ये सिंपल और स्टाइलिश लुक कमाल का है रकुल।

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी और वीडियो शेयर कर फैंस से जुड़ी रहती हैं। हाल ही में उन्होंने लकमे फैशन वीक के इवेंट में शिरकत की और रैंप वॉक किया।

वरुण तेज की फिल्म ऑपरेशन वैलेंटाइन ने अमेजन प्राइम पर दी दस्तक

वरुण तेज की फिल्म ऑपरेशन वैलेंटाइन को इस साल 1 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी।यह फिल्म हिंदी के साथ तेलुगु भाषा में रिलीज हुई थी। फिल्म में वरुण की जोड़ी अभिनेत्री नोरा फतेही के बनी है।अब ऑपरेशन वैलेंटाइन ने अमेजन प्राइम वीडियो का दरवाजा खटखटा दिया है। जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।ऑपरेशन वैलेंटाइन के निर्देशन की कमान शक्ति प्रताप सिंह हाड़ा ने संभाली है तो वहीं संदीप मुड्डा इस फिल्म निर्माता हैं।

फिल्म नंदकुमार अब्बिनेनी और गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट द्वारा सह-निर्मित है। फिल्म में नवदीप और मीर सरवर जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं।ऑपरेशन वैलेंटाइन की कहानी भारतीय वायु सेना पर आधारित है।लगभग 35 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर महज 1।05 रुपये कमाए थे।फिल्म की कहानी पुलवामा अटैक के इर्द गिर्द घूमती है। वायु सेना को डेडेकेटेड ये मूवी बालाकोट स्ट्राइक की कहानी भी बुनेगी। असल में फिल्म को आर्मी से जुड़ी सच्ची घटाओं के हिसाब से बनाया गया है। जिसमें देशभक्ति का जज्बा भी भरपूर होगा।

मस्ती 4 के लिए हो जाएं तैयार, रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब आए साथ

आने वाले दिनों में कई फिल्मों के सीक्वल दर्शकों के बीच आने वाले हैं और अब इस कड़ी में एक और नाम जुड़ गया है। दरअसल, मस्ती 4 का ऐलान कर दिया गया है। इसके रितेश देशमुख, आफताब और विवेक ओबेरॉय की दमदार तिकड़ी पर्दे पर वापसी कर रही है।फिल्म के पोस्टर के साथ चौथी किस्त का ऐलान कर दिया गया है, जिसे देख मस्ती फ्रैंचाइजी के प्रशंसकों की खुशी का ठिकाना नहीं है।विवेक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर लिखा, हम पुराना धमाका करने के लिए तैयार हैं। अपने आप को तैयार रखें और अपनी सांसें थाम लीजिए, क्योंकि हम मस्ती 4 के फिर वापस आ रहे हैं। जल्द ही शूटिंग शुरू करने वाले हैं। हम इस रोमांचक और मस्ती से भरे सफर के लिए उत्साहित हैं।उन्होंने पोस्ट में यह बताया कि मिलाप जावेरी इस बार फिल्म के निर्देशन की कमान संभालेंगे।बता दें कि मस्ती एक सेक्स कॉमेडी फिल्म सीरीज है। इस बार फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी मिलाप को सौंपी गई है। पहले वह इस सीरीज से बतौर लेखक जुड़े हुए थे।मस्ती फ्रैंचाइजी के निर्देशक इंद्र कुमार थे, अब बतौर निर्माता इसमें अपनी भागीदारी देंगे। एकता कपूर भी फ्रैंचाइजी के निर्माताओं में से एक थी, लेकिन चौथे भाग से वह नहीं जुड़ी हैं।ए झुनझुनवाला, एस.के. अहलूवालिया और अशोक ठकेरिया भी फिल्म के सह-निर्माण में शामिल होंगे।इस सीरीज की पहली फिल्म मस्ती 2004 में रिलीज हुई थी। 12 रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 34 करोड़ रुपये कमाए थे।फिर 2013 में आई ग्रैंड मस्ती, जो 34 करोड़ रुपये की लागत से बनी और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया।तीसरी किस्त ग्रेट ग्रैंड मस्ती 2016 में थी। हालांकि, 50 करोड़ रुपये में यह फिल्म महज 19 करोड़ रुपये बटोर पाई थी।रितेश जल्द ही अजयद ` व ग न अभिनीत फिल्म रेड 2 में दिखेंगे। इसमें वह विलेन बने हैं, वहीं वेड के बाद वह छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर एक फिल्म का निर्देशन भी करने वाले हैं।विवेक पिछली बार इंडियन पुलिस फोर्स में देखा गया था। हालांकि, मस्ती के अलावा उनकी दूसरी फिल्म का ऐलान अभी नहीं हुआ है।उधर आफताब आखिरी बार ग्रेट ग्रैंड मस्ती में दिखे थे। उसके बाद वह एकाध साउथ की फिल्मों में नजर आए।

लोकसभा चुनाव लड़ेंगी स्वरा भास्कर, पति की तरह राजनीति में किस्मत आजमाएंगी एक्ट्रेस?

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर एक्टिंग की दुनिया में काफी पॉपुलर हैं। इसके साथ ही स्वरा भास्कर तमाम मुद्दों पर खुलकर बात करती नजर आती हैं। अब स्वरा भास्कर को लेकर खबर आ रही है कि वह लोकसभा चुनाव लड़ने वाली हैं। रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि कांग्रेस मुंबई से स्वरा भास्कर को लोकसभा का टिकट दे सकती हालांकि, अभी तक कांग्रेस और स्वरा भास्कर की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। गौरतलब है कि स्वरा भास्कर के पति फहद अहमद समाजवादी पार्टी के नेता हैं। अब देखने वाली बात होगी कि स्वरा भास्कर भी अपने पति के नक्शेकदम पर चलती हैं या नहीं।

स्वरा भास्कर इस सीट से मिल सकता है टिकट

स्वरा भास्कर को लेकर मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि वह कांग्रेस उन्हें मुंबई की उत्तर-मध्य सीट से लोकसभा का टिकट दे सकती है। इस सीट पर बीजेपी की पूनम महाजन सांसद हैं। रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि भास्कर कांग्रेस के बड़े नेताओं के संपर्क में हैं। कांग्रेस भी स्वरा भास्कर के नाम पर विचार कर सकती है। बताते चलें कि स्वरा भास्कर बीजेपी की नीतियों के विरोध में अक्सर खड़ी नजर आती हैं। स्वरा भास्कर ने सीएए के विरोध में आयोजित एक जनसभा में हिस्सा लिया वहीं, स्वरा भास्कर हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत-जोड़ो न्याय यात्रा में नर आई थीं।

स्वरा भास्कर ने समाजवादी पार्टी के नेता फहद अहमद संग की शादी

बताते चलें कि स्वरा भास्कर ने समाजवादी पार्टी के नेता फहद अहमद के साथ फरवरी 2023 में शादी की इस कपल के एक बेटी है। स्वरा भास्कर और फहद अहमद की पहली मुलाकात साल 2019 में एक प्रोटेस्ट के दौरान हुई थी और इसके बाद दोनों करीब आ गए थे। स्वरा भास्कर ने तमाम फिल्मों में काम किया है और उनकी एक्टिंग की खूब तारीफ होती है। स्वरा की इस साल यानी 2024 में अभी तक एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई है।

जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर निवेदिता मेनन की भूमिका निभाएंगी रश्मि देसाई

एक्ट्रेस रश्मि देसाई अपकमिंग फिल्म जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में लेखिका और प्रोफेसर निवेदिता मेनन की भूमिका निभाती नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने कहा, सबसे पहले मुझे स्क्रीन पर देखने का इंतजार करने के लिए मेरे प्रशंसकों को बहुत-बहुत धन्यवाद। जिस तरह की मैं भूमिका निभाना चाहती उसके लिए थोड़ा ब्रेक लेना सही निर्णय था। मैंने अपने किरदार के लिए बहुत मेहनत की है।उन्होंने आगे कहा, मेरे इस किरदार से बहुत से लोगों की उम्मीदें जुड़ी हुई है, और इस चीज का ध्यान रखना मेरी नैतिक जिम्मेदारी है। एक कलाकार के तौर पर चरित्र में गहराई उतरने के लिए मैंने कड़ी मेहनत की है।रश्मि ने कहा, अब यह देखने का समय आ गया है कि दर्शक मेरे प्रदर्शन पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि लोगों को मेरा काम पसंद आएगा। प्रोमो के बाद मुझे इतना प्यार देने के लिए सभी का धन्यवाद। आईएमडीबी के मुताबिक यह फिल्म एक छोटे शहर के सौरभ शर्मा के बारे में है जो अब जेएनयू का छात्र है। वहां वह राष्ट्रविरोधी वामपंथी छात्रों की गतिविधियों से बेचैन हो जाता है और उनके खिलाफ आवाज उठाता है।

सोफिया अंसारी साड़ी पहन ढाती हैं कहर कातिलाना हुस्न देख फैंस होते हैं घायल

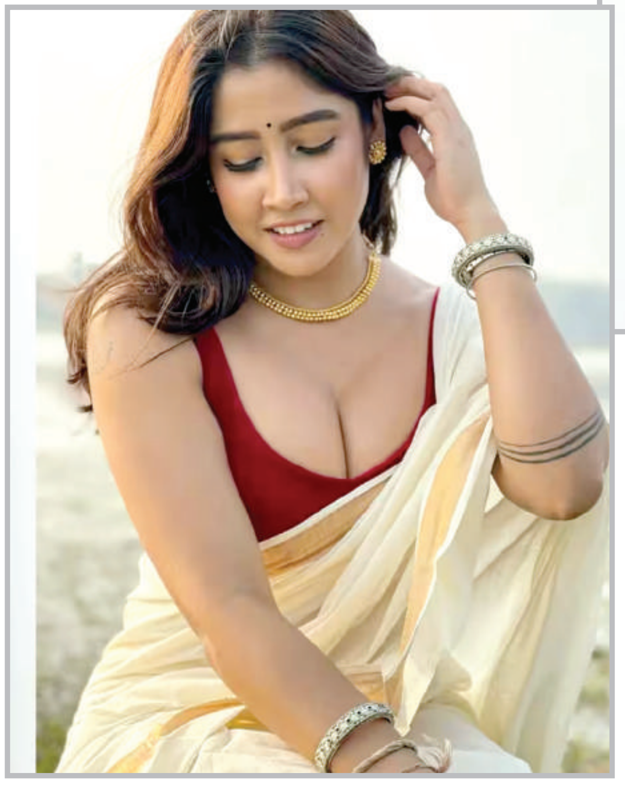

सोशल मीडिया का काफी पॉपुलर चेहरा सोफिया अंसारी अपनी ग्लैमरस अदाओं के लिए जानी जाती हैं। सोफिया अंसारी अक्सर फोटोज से फैंस का ध्यान खींचती रहती हैं। सोफिया अंसारी के एक से बढ़कर एक फोटोज फैंस को दीवाना बनाती हैं। सोफिया अंसारी कई साड़ी पहनकर फोटोशूट कराती हैं और तस्वीरें फैंस के लिए शेयर करती है। सोफिया अंसारी की कातिलाना हुस्न देखकर फैंस घायल होते हैं। सोफिया अंसारी पर अक्सर अपनी साड़ी वाली तस्वीरें शेयर करती हैं। सोफिया अंसारी का अंदाज को फैंस पसंद आता है।सोफिया अंसारी की साड़ी वाली तस्वीरें देखकर फैंस आहें भरते हैं। सोफिया अंसारी की इन तस्वीरों पर फैंस प्यार भी बरसाते हैं।सोफिया अंसारी अपनी साड़ी वाली तस्वीरों में भी कर्वी फिगर फ्लॉन्ट का मौका नहीं छोड़ती हैं। सोफिया अंसारी का बोल्ड अंदाज लोगों का ध्यान खींचता है।सोफिया अंसारी की सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फॉलोइंग है। सोफिया अंसारी के द्वारा तस्वीरें शेयर करते ही तेजी से वायरल हो जाती हैं।सोफिया अंसारी के फैंस उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। अंसारी अपने फैंस को निराश किए बिना अपनी झलक दिखाती रहती हैं।सोफिया अंसारी अलग-अलग अंदाज से साड़ी पहनती हैं। सोफिया अंसारी का हर अंदाज फैंस को अपनी तरफ आकर्षित करता है।सोफिया अंसारी की कातिलाना अदाएं फैंस को घायल कर जाती हैं। सोफिया अंसारी के फैंस उनकी हर अदा पर रहते हैं।सोफिया अंसारी साड़ी के अलावा कई बार अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती हैं। सोफिया अंसारी को इसके लिए ट्रोल होना पड़ता हैसोफिया अंसारी को ट्रोलिंग का असर नहीं पड़ता है। सोफिया अंसारी का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी बोल्ड तस्वीरों भरा पड़ा है।

अल्काराज़, सिनर, मेदवेदेव शुरूआती मैच जीते, सितसिपास हारे

फ्लोरिडा, 24 मार्च (एजेंसियां) ।

कार्लोस अल्काराज़ ने साथी स्पेनिश रॉबर्टो कारबालेस बेना के 31वें जन्मदिन का जश्न 6-2, 6-1 से मुकाबला जीतकर खराब कर दिया। अल्काराज़ सात मैचों की जीत की लय में है, और उसे पिछले 11 मैचों में किसी स्पैनियार्ड ने नहीं हराया है - ऐसा करने वाला आखिरी खिलाड़ी 2022 इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में राफेल नडाल थे। 20 वर्षीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला अनुभवी फ्रांसीसी खिलाड़ी गाएल मोंफिल्स से होगा, जिन्होंने फॉर्म में चल रहे ऑस्ट्रेलियाई जॉर्डन थॉम्पसन को 6-7 (3-7), 6-1, 6-2 से हराया।

स्पैनियार्ड मियामी में आश्वस्त है, जहां उसने अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता था। अल्काराज़ अब टूर्नामेंट में 11-2 से आगे है। इससे पहले, दुनिया के तीसरे नंबर के इटालियन जानिक सिनर को मियामी ओपन में शुरुआती जीत हासिल करने के मौके के लिए रात भर इंतजार करना पड़ा था। दूसरे वरीय ने सुनिश्चित किया कि हार्ड रॉक स्टेडियम में इंतजार करना सार्थक रहा, जहां उन्होंने अपने ही देश के एंड्रिया वावसोरी को 6-3, 6-4 से हराया। इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में अल्काराज़ द्वारा 2024 सीज़न में अपनी 16-जीत की शुरुआत को तोड़ने के बाद मियामी पहुंचने पर, सिनर ने तीसरे दौर में पहुंचने के लिए अपने देश के खिलाड़ी के खिलाफ 80 मिनट में जीत पूरी की। मैच वावसोरी के 2-3, 40/40 पर सर्विस करने के समय निलंबित कर दिया गया था और सिनर ने 4-2 की बढ़त के साथ फिर से शुरू होने पर तुरंत अपनी चाल चली।

इटालियन के अगले प्रतिद्वंद्वी नीदरलैंड के टैलोन ग्रिक्सपुर हैं,जिसे उन्होंने पिछले तीनों मुकाबलों में हराया है। इस बीच, दानिल मेदवेदेव ने ग्रैंडस्टैंड पर हंगरी के मार्टन फुकसोविक्स को 1 घंटे और 19 मिनट में 6-4, 6-2 से हराकर अपने खिताब की रक्षा में मजबूत शुरुआत की। यह मैच स्टेडियम कोर्ट पर फीचर नाइट मैच के रूप में निर्धारित किया गया था लेकिन बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। लेकिन दोपहर की स्थिति और ग्रैंडस्टैंड कोर्ट में स्विच करने से वर्ल्ड नंबर 4 के लिए कोई बाधा नहीं आई, उसने अपने पहले सर्व पॉइंट में से 81 फीसदी अंक जीते थे। मेदवेदेव अपने करियर में पहली बार किसी खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने का प्रयास कर रहे हैं। 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 20 अलग-अलग खिताब जीते हैं, जिनमें 18 हार्ड कोर्ट पर शामिल हैं। उनका अगला मुकाबला 30वें नंबर के कैमरून नोरी से होगा, जिन्होंने 21 वर्षीय इतालवी फ्लेवियो कोबोली को 7-5, 6-7(4), 6-2 से हराया। नंबर 10 सीड ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने 2-6, 4-6 से हरा दिया। यह पहली बार है कि ग्रीक ने चौथे दौर से पहले मियामी छोड़ दिया है - उनकी सर्वश्रेष्ठ उपस्थिति 2021 में थी जब वह क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। आगे बढ़ने वाले अन्य पुरुष वरीय नंबर 4 अलेक्जेंडर ज्वेरेव थे, जिन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-2, 6-4 से हराया; पोलिश ह्यूबर्ट हर्काज़, नंबर 8 वरीयता प्राप्त और 2021 मियामी ओपन चैंपियन, जिन्होंने कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर शेवचेंको को 6-4, 6-7(2), 6-3 से हराया; और नॉर्वेजियन कैस्पर रूड, नंबर 7 सीड, ने फ्रांस के लुका वैन एश को 7-6(5), 1-6, 6-1 से हराया।

न्यूज़ ब्रीफ

विशु की गुरुकुल में साधना, दिन-रात कर रही कड़ी मेहनत, ओलंपिक बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक जीतना है लक्ष्य

ग्रेटर नोएडा। सहारनपुर के महर्षि दयानंद गुरुकुल में 13 वर्षीय किशोर बॉक्सिंग की साधना में लीन है। उसका लक्ष्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का है। वह गुरुकुल में दिन रात कड़ी मेहनत कर अब तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दो बार स्वर्ण पदक जीत चुका है। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक कांप्लेक्स में चल रहे सब जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में विशु पाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। विशु पाल ने शानदार सफर से यह साबित कर दिया है कि मंजिल भले अभी दूर हो लेकिन रास्ता उसके लिए नहीं है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पिता ने विशु पाल को अपने से दूर गुरुकुल में भेज दिया। पिता चलाते हैं कैंटीन विशु पाल ने बताया कि उसके पिता कैंटीन चलाते हैं। कैंटीन के सहारे ही सात लोगों का परिवार चल रहा है। गुरुकुल में रह कर पढ़ाई करना आसान नहीं है। यहां साधना अधिक करनी पड़ती है। सर्दी,गर्मी,और वर्षा हर मौसम में सुबह चार बजे से उठा दिया जाता है। उसके पर नित क्रिया करके अभ्यास के लिए निकल जाता हूं। दो घंटे सुबह और दो घंटे शाम को बॉक्सिंग का अभ्यास करता हूं। विशु ने बताया कि उसका सपना ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का है। दो साल की मेहनत से यहां तक का सफर तय कराया है। गुरुकुल के नियम और कानून में रहकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जगह पक्की हुई है। विशु ने बताया कि उन्हें विश्वास है कि वह देश व उत्तर प्रदेश के लिए ओलंपिक 2028 में स्वर्ण पदक जरूर जीतेंगे।

राजस्थान ने लखनऊ को 20 रन से हराया राहुल-पूरन के अर्धशतक बेकार

राजस्थान अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा, सैमसन की नाबाद 82 रन की पारी

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2024 के चौथे मैच में राजस्थान रॉयल्स ने रविवार को दिन के पहले मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स को 20 रन से हरा दिया है। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 193 रन बनाए थे। संजू सैमसन ने 82 रन की नाबाद पारी खेली थी। जवाब में लखनऊ की टीम 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 173 रन ही बना सकी। केएल राहुल और निकोलस पूरन के अर्धशतक बेकार गए। राहुल 58 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पूरन 64 रन बनाकर नाबाद रहे। आखिरी छह गेंद पर लखनऊ को जीत के लिए 27 रन चाहिए थे, लेकिन टीम छह रन ही बना सकी। तब क्रीज पर निकोलस पूरन और क्रुणाल पांड्या थे। गेंदबाजी के लिए आवेश खान आए, जो पिछले सीजन लखनऊ के लिए ही खेले थे। हालांकि, उन्होंने अपने पुरानी टीम को छह रन ही बनाने दिया।

इस जीत के साथ राजस्थान की टीम अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई है। उसके दो अंक हैं। हालांकि, वह नेट रन रेट में चेन्नई सुपर किंग्स, पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स से ऊपर है। राजस्थान की टीम अब 28 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। वहीं लखनऊ की टीम 30 मार्च को पंजाब किंग्स से भिड़ेगी।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी राजस्थान की टीम की शुरुआत खराब रही थी। जोस बटलर 11 रन और यशस्वी जायसवाल 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सैमसन ने रियान पराग के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी निभाई। 142 के स्कोर पर राजस्थान को तीसरा झटका लगा। पराग अर्धशतक से चूक गए और 29 गेंद में 43 रन बनाकर आउट हुए। अपनी पारी में उन्होंने एक चौका और तीन छक्के लगाए। शिमरोन हेटमायर कुछ खास नहीं कर सके और पांच रन बनाकर आउट हुए।

इस बीच सैमसन ने आईपीएल करियर का 21वां अर्धशतक 33 गेंदों में पूरा किया। उन्होंने जुरेल के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी निभाई। आखिरी पांच ओवर में राजस्थान ने 50 रन बनाए और एक विकेट गंवाया। सैमसन ने अपनी 82 रन की पारी में तीन चौके और छह छक्के लगाए। वहीं, जुरेल ने 20 रन की पारी में एक चौका और एक छक्का लगाया। लखनऊ की ओर से नवीन उल हक ने दो विकेट लिए। वहीं, मोहसिन खान और रवि बिश्नोई को एक-एक विकेट मिला।

194 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ टीम की शुरुआत ही खराब रही थी। 11 रन पर टीम ने तीन विकेट गंवा दिए थे। क्विंटन डिकॉक (4) और देवदत्त पडिक्कल (0) को ट्रेंट बोल्ट ने पवेलियन भेजा था। वहीं, आईपीएल डेब्यू करने वाले नांद्रे बर्गर ने आयुष बदोनी (1) को आउट किया। इसके बाद कप्तान केएल राहुल ने दीपक हुड्डा (इम्पैक्ट प्लेयर) के साथ चौथे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी निभाई। हुड्डा बड़े शॉट के चक्कर में विकेट गंवा बैठे। वह 13 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद राहुल ने निकोलस पूरन के साथ मिलकर 52 गेंद में 85 रन की साझेदारी निभाई। राहुल ने आईपीएल करियर का 34वां अर्धशतक लगाया। हालांकि, इसके बाद वह तुरंत आउट हो गए। उन्हें संदीप शर्मा ने ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया। राहुल ने 44 गेंद में चार चौके और दो छक्के की मदद से 58 रन की पारी खेली। मार्कस स्टोइनिस तीन रन बनाकर आउट हुए। वहीं पूरन ने अर्धशतक जरूर लगाया लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। पूरन 41 गेंद में चार चौके और चार छक्के की मदद से 64 रन बनाकर नाबाद रहे। क्रुणाल तीन रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान की ओर से बोल्ट ने दो विकेट लिए। वहीं, बर्गर, अश्विन, चहल और संदीप को एक-एक विकेट मिला।

गुजरात टाइटंस ने रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को छह रन से हराया

अहमदाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)।

साई सुदर्शन 45 रन और कप्तान शुभमन गिल की 31 रनों की पारियों और उसके बाद आखिरी ओवरों में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पांचवें मुकाबले में रविवार को मुंबई इंडियंस छह रन से हरा दिया है।

169 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज इशान किशन का विकेट खो दिया। वह अपना खाता भी नहीं खोल सके। उन्हें उमरजई ने साहा के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद तीसरे ही ओवर में उमरजई ने नमन धीर 10 गेंदों में 20 को पगबाधा आउट कर मुंबई को दूसरा झटका दिया। तीसरा विकेट कप्तान रोहित शर्मा के रूप में गिरा उन्हें 13वें ओवर में साईकिशोर ने पगबाधा आउट किया। रोहित ने 29 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 43 रनों की पारी खेली। एक समय जब रोहित और डेवाल्ड बल्लेबाजी कर रहे थे तो ऐसा लग रहा था कि मुंबई आसानी से मुकाबला जीत लेगा। लेकिन रोहित और डेवाल्ड के आउट होने के बाद मुम्बई की पारी बिखर गई और कोई भी बल्लेबाज आखिरी ओवरों में टिक कर बल्लेबाजी नहीं कर सका। डेवाल्ड ब्रेविस ने 38 गेंदों में दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 46 रन बनाये। तिलक वर्मा 19 गेंदों में 25 रन, टिम डेविड 11 रन, कप्तान हार्दिक पांड्या 11 रन, गेराल्ड कोएत्जी एक रन बनाकर आउट हुये। मुंबई की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 162 रन ही बना सकी और मुकाबला छह रन से हार गई। गुजरात टाइटंस की ओर से अजमतउल्लाह उमरजई, उमेश यादव, स्पेंसर जॉनसन और मोहित शर्मा ने दो-दो विकेट लिये। साई किशोर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी असाधारण...

एक असाधारण नेता के अंदर करुणा, देश के प्रति गहरा समर्पण और खुद को पूरी तरह से देश की सेवा में समर्पित करने की दृढ़ इच्छाशक्ति होनी चाहिए। ऐसे नेता सत्ता का उपयोग अपने लिए नहीं, बल्कि लोगों के अटूट समर्थन के साथ महत्वपूर्ण बदलाव लाने के लिए करते हैं। मेरी नजर में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन गुणों के प्रतीक हैं। व्यस्त कार्यक्रमों और खराब मौसम के बावजूद भूटान का दौरा करने के लिए भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हमारे भाई, पीएम नरेंद्र मोदी जी को हमसे मिलने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

न तो उनका व्यस्त कार्यक्रम और न ही खराब मौसम उन्हें हमसे मिलने के वादे को पूरा करने से रोक सका। शेरिंग टोबगे ने मोदी की गारंटी का भी हवाला दिया।उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी के दौरे के दौरान दोनों देशों ने कई समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया। इसके अलावा ऊर्जा, व्यापार, डिजिटल कनेक्टिविटी, अंतरिक्ष और कृषि के क्षेत्र में समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए। दोनों देशों के बीच रेल सम्पर्क स्थापित करने से जुड़े समझौता ज्ञापन को भी अंतिम रूप दिया गया।

चंद्रमा पर स्थापित...

चंद्रयान-3 को 14 जुलाई 2023 को लॉन्च किया गया था। इसे एलवीएम-3-एम4 रॉकेट से आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से छोड़ा गया था। विक्रम लैंडर ने 23 अगस्त को शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा की सतह पर कदम रखा था। इसकी कुल लागत 615 करोड़ रुपए है। इसरो इससे पहले भी चंद्रमा पर उतरने का प्रयास कर चुका है। इसके लिए उसने चंद्रयान-1 और चंद्रयान-2 को चंद्रमा की ओर भेजा था। चार साल पहले इसरो चंद्रयान-2 को चांद की सतह पर उतारने का प्रयास किया था, लेकिन इसके लैंड होने से कुछ समय पहले ही इसका बेंगलुरु स्थित इसरो के कंट्रोल सेंटर संपर्क टूट गया था।चंद्रयान-3 के साथ 7 पेलोड भेजे गए थे। एक पेलोड जिसका नाम शेप है, वह चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल पर लगा था। इसे चंद्रमा की कक्षा में चक्कर लगाकर धरती से आने वाले रेडिएशन की जांच के लिए बनाया गया था। वहीं लैंडर पर तीन पेलोड लगे थे। इसरो ने परीक्षण के दौरान यह तय कर लिया था कि अगर लैंडिंग के लिए एक जगह सही नहीं लगी तो दूसरी जगह भी तैयार रहेगी। चंद्रयान-3 को टारगेट स्थल से आगे-पीछे ले जाने की व्यवस्था की गई। एक किलोमीटर के दायरे में उसकी सुरक्षित लैंडिंग हो सके, इसे पहले ही तय किया गया। चंद्रयान-3 के लिए समतल जगह का चयन किया गया है। ऐसा इसलिए कि अगर उस वक्त कोई पदार्थ बीच राह में आया तो भी चंद्रयान का संतुलन नहीं बिगड़ने दिया जाएगा।चंद्रयान-3 से पहले 22 जुलाई 2019 को चंद्रयान-2 लॉन्च किया गया था। यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर सॉफ्ट लैंडिंग की कोशिश करने वाला किसी भी देश का पहला अंतरिक्ष मिशन था। हालांकि, चंद्रयान-2 मिशन का विक्रम चंद्र लैंडर छह सितंबर 2019 को चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसरो के वैज्ञानिकों ने मिशन से भी काफी कुछ सीखा। इसरो के प्रमुख एस. सोमनाथ ने कहा था कि 2019 का मिशन चंद्रयान-2 आंशिक सफल था, लेकिन इससे मिले अनुभव इसरो के चंद्रमा पर लैंडर उतारने के लिए नए प्रयास में काफी उपयोगी साबित हुए। इसके तहत चंद्रयान-3 में कई बदलाव किए गए।

भारत के शौर्य ...

एक-दूसरे को मिठाइयां भी खिलाई। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को विश्व के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में जवानों के साथ होली मनाने के लिए पहुंचाने वाले थे। लेकिन मौसम में हुए बदलाव के कारण उन्हें सियाचिन दौरे में बदलाव करना पड़ा।राजनाथ सिंह ने कहा कि वह चाहते हैं कि सैनिकों के साथ पर्व मनाना संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा बन जाना चाहिए। कारगिल की बर्फीली चोटियों पर, राजस्थान के तपते रेतीले मैदान में, गहरे समुद्र में स्थित पनडुब्बी में, इन जगहों पर, हर बार, सबसे पहले, सम्मान पूर्वक पर्व-त्यौहार मनाया जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा, दीपावली का पहला दिया, होली का पहला रंग, यह सब हमारे रक्षकों के नाम होना चाहिए, हमारे सैनिकों के साथ होना चाहिए। पर्व-त्यौहार पहले सियाचिन और कारगिल की चोटियों पर मनाया जाना चाहिए।

राजनाथ सिंह ने कहा, हड्डियों को कंपा देने वाली सर्द हवाएं जब इन वादियों में बहती हैं, जब हर कोई अपने घरों में दुबक जाना चाहता है, तो उस परिस्थिति में भी आप मौसम से लोहा लेकर, उसकी आंखों में आंखें डालकर खड़े होते हैं। इस अटूट इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करने के लिए, देश सदैव आपका ऋणी रहेगा। आने वाले समय में जब राष्ट्रीय सुरक्षा का इतिहास लिखा जाएगा, तब बर्फीले ठंडे ग्लेशियर में, उबाल लाने वाली आपकी वीरता के कार्यों को, गौरव के साथ याद किया जाएगा।

रक्षा मंत्री ने देशवासियों और देशभर में अलग-अलग सीमाओं पर तैनात जवानों को होली की शुभकामनाएं दीं। कहा, रक्षक होने का आपका कर्तव्य, आपको देवताओं की श्रेणी में ला खड़ा करता है। हमारे जितने भी देवी-देवता हैं, वह सब किसी न किसी तरीके से हमारी रक्षा ही करते हैं। वैसे ही मुझे लगता है, कि दुश्मनों से हमारी रक्षा करते हुए आप सभी सैनिक भी, हमारे लिए किसी रक्षक देवता से कम नहीं है। रक्षा मंत्री ने कहा, आपका, आपके बच्चों, माता-पिता यानी आपके परिवार का ख्याल रखना हमारा कर्तव्य है, और उसके लिए हम हमेशा तत्पर हैं। मुझे यहां बताने की जरूरत नहीं है, कि जिस मुस्तैदी से आप इस देश के लिए तन-मन से समर्पित होकर काम कर रहे हैं, उसी मुस्तैदी के साथ सरकार भी देश की सेनाओं के लिए काम कर रही है।

रक्षा मंत्री ने कहा, राष्ट्र-सेवा का आप जो कार्य कर रहे हैं, यह कोई साधारण काम नहीं है। यह एक दैवीय कार्य है। इसका मोल कोई भी कीमत देकर नहीं चुकाया जा सकता। यहां सियाचिन की बर्फीली पहाड़ियों में भी आप दुश्मन पर गोली दागने के लिए, और अपने सीने पर गोली खाने के लिए तैयार है, तभी देश में लोग चैन से होली मना पा रहे हैं।

आर्थिक मदद के...

राज्य के 236 तालुकों में से 223 को सूखा घोषित किया जा चुका है। इनमें से 196 को गंभीर रूप से सूखा प्रभावित बताया गया है। यह पिछले 30-40 वर्षों में सबसे गंभीर स्थिति है। 48 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि फसलें बर्बाद हो गईं। हमने केंद्र को धन जारी करने के लिए तीन बार ज्ञापन भेजा, लेकिन अब तक एक पैसा भी नहीं मिला।अधिवक्ता डीएल चिदानन्द के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, खरीफ 2023 सत्र में कृषि और बागवानी फसलों के नुकसान को मिलाकर 48 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि में 35,162 करोड़ रुपए का अनुमानित नुकसान (खेती की लागत) हुआ है। एनडीआरएफ के तहत भारत सरकार से 18,171.44 करोड़ रुपए की सहायता मांगी गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत और राज्य के महाधिवक्ता के शशि किरण शेट्टी ने दायर याचिका में कहा, राज्य आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अनुसार केंद्र से राहत राशि प्राप्त करने का हकदार है। याचिका में कहा गया है कि सूखा प्रबंधन नियमावली के तहत केंद्र को अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (आईएमसीटी) की रिपोर्ट मिलने के एक महीने के भीतर एनडीआरएफ से राज्य को सहायता देने के बारे में अंतिम निर्णय लेना होता है। केंद्र ने रिपोर्ट मिलने के बाद भी अभी तक कोई फैसला नहीं लिया।

जल संकट पर देवगौड़ा ने...

उन्होंने अपने चुनावी घोषणापत्र में उल्लेख किया है कि राज्य कर्नाटक में मेकेदातु जलाशय का निर्माण नहीं करने देगा। देवगौड़ा ने कहा, जबकि हम (जेडीएस) अपने घोषणापत्र में मेकेदातु जलाशय परियोजना का उल्लेख करेंगे और एक बार जीतने के बाद इस पर अमल करेंगे। मैंने भाजपा से इस पर विचार करने का अनुरोध किया। मैंने पीएम को पत्र लिखा है।

कर्नाटक सरकार बेंगलुरु की पेयजल जरूरतों को पूरा करने के लिए उस राज्य के मेकेदातु में कावेरी नदी पर एक संतुलित जलाशय बनाने की योजना बना रही है, लेकिन तमिलनाडु यह कहते हुए इसका विरोध कर रहा है कि परियोजना से उसके हितों को नुकसान पहुंचेगा। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता पलानीस्वामी ने आरोप लगाया था कि द्रमुक अपने सहयोगी कांग्रेस के साथ 2021 में सत्ता में आने के बाद से तमिलनाडु के हितों के खिलाफ काम कर रही है।

मेनका की...

इस दौरान वह सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय केंद्रीय मंत्री रहे। करीब दो वर्ष पहले जितिन ने भाजपा का दामन थाम लिया और मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग मंत्री हैं।भाजपा ने अभिनेत्री कंगना राणावत को भी चुनाव मैदान में उतारा है। कंगना हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। कंगना राणावत ने लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी। अब हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से प्रत्याशी घोषित होने के बाद कंगना ने भाजपा का आभार व्यक्त करते कहा, मेरे प्यारे भारत और भारतीय जनता की अपनी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मेरा हमेशा बिना शर्त समर्थन रहा है। आज भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने मुझे मेरे जन्मस्थान हिमाचल प्रदेश, मंडी (निर्वाचन क्षेत्र) से अपना लोकसभा उम्मीदवार घोषित किया है, मैं लोकसभा चुनाव लड़ने पर हाईकमान के फैसले का पालन करती हूं। मैं आधिकारिक तौर पर पार्टी में शामिल होकर सम्मानित और उत्साहित महसूस कर रही हूं। मैं एक योग्य कार्यकर्ता और विश्वसनीय लोक सेवक बनने की आशा रखती हूं। धन्यवाद! भाजपा के उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी होने से एक दिन पहले कंगना राणावत ने हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में बगलामुखी मंदिर जाकर देवी का आशीर्वाद लिया था।मेरठ लोकसभा सीट से धारावाहिक रामायण में राम का किरदार निभा चुके अभिनेता अरुण गोविल को टिकट दिया गया है। वर्तमान में यहां से राजेंद्र अग्रवाल सांसद हैं। अरुण गोविल रामायण के बाद टीवी इंडस्ट्री में काफी सक्रिय रहे हैं और कई अन्य पौराणिक धारावाहिकों में भी अभिनय कर चुके हैं। इनमें लव-कुश, विश्वामित्र और बुद्ध नाम के टीवी शो में राजा हरिश्चंद्र का किरदार शामिल है। टीवी पर उनका दूसरा लोकप्रिय किरदार रहा, विक्रम बेताल के राजा विक्रम का।लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को एक और झटका लगा है। उनके नेता और पूर्व सांसद नवीन जिंदल ने पार्टी से किनारा कर भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा में शामिल होने के थोड़ी देर बाद ही भाजपा ने उन्हें हरियाणा की कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से उम्मीदवार भी बना दिया।भाजपा का प्रत्याशी घोषित होने से थोड़ी देर पहले ही जिंदल ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफे की घोषणा की थी। उन्होंने कहा, मैंने 10 वर्षों तक कुरुक्षेत्र से सांसद के रूप में संसद में कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। मैं कांग्रेस नेतृत्व और तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को धन्यवाद देता हूं। आज मैं कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।भाजपा में शामिल होने के बाद नवीन जिंदल ने कहा कि आज मेरे जीवन का बहुत महत्वपूर्ण दिन है। मुझे गर्व है कि मैं आज भाजपा में शामिल हुआ और मैं पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की सेवा कर सकूंगा। पीएम मोदी के विकसित भारत के सपने में योगदान करने के लिए मैं भी कंधे से कंधा मिलाकर योगदान देना चाहता हूं। भाजपा ने मुझे इस लायक समझा, इसके लिए मैं आलाकमान का आभारी हूं। पीएम मोदी के नेतृत्व में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम करूंगा। मुझे पूरा विश्वास है कि हम सभी अपने भारत को विकसित भारत बनाने की कोशिश कर रहे हैं और हमें इसमें सफलता मिलेगी। भाजपा मुझे जो भी जिम्मेदारी देगी, मैं करूंगा। मैं उस जिम्मेदारी को अच्छे से निभाउंगा।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी...

लोक जनशक्ति पार्टी से ली गई सीट पर उसी जाति के चेहरे को मौका मिला। सिर्फ एक सासाराम सीट पर जाति बदली है, लेकिन वर्ग वही है। सबसे ज्यादा चर्चा भोजपुरी एक्टर पवन सिंह को लेकर थी, जिन्हें पहली सूची में जगह दी गई थी। उनके लिए बिहार में जगह नहीं बनाई गई।

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम चंपारण से डॉ. संजय जायसवाल, पूर्वी चंपारण से राधामोहन सिंह, मधुबनी से अशोक कुमार यादव, अररिया से प्रदीप कुमार सिंह, दरभंगा से गोपालजी ठाकुर, मुजफ्फरपुर से राजभूषण निषाद, महाराजगंज से जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, सारण से राजीव प्रताप रूडी, उजियारपुर से नित्यानंद राय, बेगूसराय से गिरिराज सिंह, पटना साहिब से रविशंकर प्रसाद, पाटलिपुत्र से रामकृपाल यादव, आरा से आरके सिंह, बक्सर से मिथिलेश तिवारी, सासाराम से शिवेश राम, औरंगाबाद से सुशील कुमार सिंह और नवादा से विवेक ठाकुर को प्रत्याशी बनाया है।

भाजपा ने उम्मीद के हिसाब से ही केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे को संसदीय चुनाव से मुक्त कर दिया है। उनकी उम्र को देखते हुए यह फैसला लिए जाने की संभावना पहले से थी। इस सीट पर एक रिटायर्ड अधिकारी के अलावा कई नाम चल रहे थे, लेकिन अंतिम तौर पर पुराने भाजपाई मिथिलेश तिवारी को मौका दिया गया। तिवारी को भाजपा में बिहार का अनुभव था, अब इन्हें लोकसभा में उतारना एक तरह से प्रयोग है। अश्विनी चौबे भी ब्राह्मण हैं और उनकी जगह आए मिथिलेश तिवारी भी इसी जाति से हैं। सासाराम सीट से मौजूदा सांसद छेदी पासवान का टिकट काट दिया गया। उनकी जगह इस आरक्षित सीट पर शिवेश राम को मौका मिला है। दोनों दलित वर्ग से हैं, क्योंकि सीट आरक्षित है। एक और सांसद मुजफ्फरपुर के बदले जा रहे हैं। भाजपा सांसद अजय निषाद ने पिछले चुनाव में जिस प्रत्याशी राजभूषण चौधरी निषाद को हराया था, वही इस बार प्रत्याशी हैं। लोजपा से ली गई नवादा सीट पर भाजपा के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सीपी ठाकुर के बेटे विवेक ठाकुर को जगह दी गई है। यहां से भूमिहार जाति के चंदन सिंह सांसद थे। विवेक ठाकुर भी भूमिहार हैं।

गाजियाबाद की...

इन भावनाओं के साथ, मैंने एक कठिन, परंतु विचारपूर्ण निर्णय लिया है। मैं 2024 का चुनाव नहीं लड़ूंगा। यह निर्णय मेरे लिए आसान नहीं था, परंतु मैंने इसे अपने दिल की गहराइयों से लिया है। मैं अपनी ऊर्जा और समय को नई दिशाओं में ले जाना चाहता हूं, जहां अपने देश की सेवा अलग तरीके से कर सकूं। इस यात्रा में आपके साथी रहने के लिए मैं आप सब को दिल से धन्यवाद देता हूं। आपके प्यार, समर्थन और विश्वास ने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। आगे भी, मैं देश और सब नागरिकों के प्रति अपनी सेवा जारी रखूंगा, बस एक नए रूप में।

दो आला पुलिस...

की निगरानी करने की साजिश में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। साथ ही पकड़े गए दोनों अधिकारियों पर विशेष खुफिया ब्यूरो के पूर्व अधिकारी प्रणीत के साथ मिलीभगत से काम करने का आरोप लगा है। आरोप है कि उन्होंने अपराध में अपनी संलिप्तता को छिपाने के लिए सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करके सबूतों को गायब करने की कोशिश भी की।13 मार्च को अज्ञात व्यक्तियों की प्रोफाइल बनाने और कुछ कंप्यूटर सिस्टम व आधिकारिक डाटा को नष्ट करने के अलावा गुप्त, अनधिकृत और अवैध रूप से उसकी निगरानी करने के आरोपी प्रणीत राव को गिरफ्तार किया गया था।

राव को हाल में तेलंगाना सरकार ने निलंबित कर दिया था। वह पिछली बीआरएस सरकार के दौरान डीएसपी थे और बाद में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के कार्यालय में कार्यरत थे। उन पर पहले विपक्षी दल के नेताओं के फोन टैप करने का आरोप लगा था। 10 मार्च को एसआईबी के एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की शिकायत के आधार पर, यहां पंजागुट्टा थाने में प्रणीत राव और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

बांग्लाभाषी मुस्लिम...

उन्होंने कहा कि असम में लड़कियों की तुलना देवी से की जाती है और हमारी संस्कृति में उनकी दो तीन बार शादी नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो तीन पत्नियां रखना भी असमिया संस्कृति नहीं है। इसलिए अगर बांग्ला भाषी मुस्लिम यहां के मूल निवासी बनना चाहते हैं तो दो तीन पत्नियां नहीं रख सकते।

उन्होंने कहा कि अगर मियां लोग असम के रीति रिवाजों का पालन करेंगे, तभी उन्हें मूल निवासी माना जाएगा।

कांग्रेस नेतृत्व का प्रत्याशी-संकट फिर उजागर

पीएम मोदी के खिलाफ फिर से अजय राय को उतारा

वाराणसी, 24 मार्च (एजेंसियां)।
कांग्रेस नेतृत्व के समक्ष योग्य प्रत्याशियों की कितनी किल्लत है, यह इस बार के चुनाव में भी उजागर हो रहा है। कांग्रेस नेतृत्व ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कोई कद्दावर प्रत्याशी देने के बजाय फिर से अजय राय को उतारा है। अजय राय उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और बार पहले भी पीएम के खिलाफ मैदान में उतर कर हार चुके हैं।

कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को वाराणसी लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। वह लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने चुनाव मैदान में होंगे। उनका नाम पहले से ही तय माना जा रहा था। वह 2014 और 2019 में भी चुनाव लड़ चुके हैं। दोनों चुनाव में वह तीसरे नंबर पर थे। कांग्रेस ने 2014 के लोकसभा चुनाव में अजय राय को भाजपा के प्रधानमंत्री पद के दावेदार और प्रत्याशी नरेंद्र मोदी के सामने चुनाव मैदान में उतारा था। आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल ने भी चुनाव लड़ा था और वह दूसरे नंबर पर रहे।

अजय राय तीसरे नंबर पर थे। वहीं, 2019 के चुनाव में भी अजय राय तीसरे स्थान पर थे। उस चुनाव में सपा की शालिनी यादव दूसरे नंबर पर थीं। तब सपा और बसपा के बीच गठबंधन हुआ था। अब एक बार फिर से पार्टी ने अजय

राय को प्रत्याशी बनाया है। इस बार कांग्रेस का सपा के साथ गठबंधन है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने राजनीतिक करिअर की शुरुआत भाजपा से ही की थी। 1996 से लेकर वह 2007 तक भाजपा के टिकट से ही लगातार तीन बार विधायक रहे। 2009 में उन्होंने पार्टी से लोकसभा का टिकट मांगा। टिकट न मिलने पर वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। यहां 2009 में सपा की टिकट पर चुनाव लड़ा मगर जीत हासिल नहीं कर सके। 2009 में ही उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पिंडरा क्षेत्र से उपचुनाव लड़ा और जीत हासिल की। इसके बाद 2012 में वे कांग्रेस से जुड़े और पिंडरा सीट से जीत हासिल की।

अजय राय पर कई आपराधिक मुकदमे भी दर्ज हैं। इनमें गुंडा एक्ट और गैंगस्टर के मामले भी शामिल हैं। 2015 में एनएसए के तहत गिरफ्तार भी किए जा चुके हैं। इन्हीं आपराधिक मामलों को लेकर 2021 में उनके चार शस्त्र लाइसेंस निलंबित कर दिए गए थे। उस समय तत्कालीन डीएम कौशल राज शर्मा ने अजय राय के शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने के आदेश दिए थे। जातीय समीकरण की बात करें तो कुर्मी समाज के मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक है। रोहनिया और सेवापुरी में सबसे अधिक कुर्मी समाज के वोटर हैं। इसके अलावा ब्राह्मण और भूमिहार की संख्या भी अच्छी है। एक आंकड़े के मुताबिक तीन लाख से अधिक गैर यादव ओबीसी, दो लाख से अधिक कुर्मी मतदाता और करीब दो लाख ही वैश्य और करीब पौने दो लाख भूमिहार मतदाता हैं। इसके अलावा एक लाख यादव और एक लाख के करीब अनुसूचित जाति के मतदाता हैं।

भाजपा को पहले से पता था कि अजय राय ही वाराणसी संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी होंगे। इसी वजह से पार्टी ने भूमिहार मतदाताओं को साधने की व्यवस्था पहले ही कर ली थी। हाल ही में धर्मेंद्र सिंह को एमएलसी बनाया गया है। धर्मेंद्र भूमिहार बिरादरी से आते हैं। शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र में रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव का संयोजक सुरेंद्र नारायण सिंह को बनाया गया है। वह भी भूमिहार बिरादरी से आते हैं। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं।

इसी तरह महानगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी विद्यासागर राय के पास है। वह कैंट विधानसभा क्षेत्र में रहते हैं। कैंट, रोहनिया और शहर उत्तरी विधानसभा सीट वाराणसी संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है, जहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा प्रत्याशी हैं। दरअसल, 2014 के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र मोदी को पौने छह लाख वोट मिले थे। वहीं, दूसरे नंबर पर रहे अरविंद केजरीवाल को करीब दो लाख वोट मिले थे। 2019 के चुनाव में नरेंद्र मोदी की जीत का आंकड़ा और बड़ा हो गया था। उन्हें करीब पौने सात लाख वोट मिले तो दूसरे नंबर पर रहीं सपा की शालिनी यादव को दो लाख वोट मिले थे।

बसपा और अपना दल कमेरावादी के बीच फंसा पेंच

लखनऊ, 24 मार्च (एजेंसियां)।
सपा से गठबंधन तोड़ने के बाद तीन सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने वाले अपना दल (कमेरावादी) की नेता पल्लवी पटेल ने यू-टर्न लेते हुए अपने फैसले को रद्द कर दिया है। साथ ही यह भी कहा है कि जल्द ही नई सीटों की घोषणा की जाएगी।

तीन दिन में फैसला बदले जाने से पल्लवी की पार्टी और बसपा के साथ गठबंधन होने की संभावनाओं को बल मिला है। सूत्रों का कहना है कि इस संबंध में पल्लवी और बसपा सुप्रीमो मायावती के बीच बातचीत हो चुकी है। जल्द ही गठबंधन की औपचारिक घोषणा हो सकती है।

इस आधार पर ही उन्होंने तीनों सीटों पर चुनाव लड़ने के फैसले को रद्द किया है। सपा से गठबंधन तोड़ते हुए तीन दिन पहले ही पल्लवी ने फूलपुर, कौशांबी और मिर्जापुर सीट पर चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। तभी से बसपा ने उनसे बातचीत करने के लिए एक नेशनल कोऑर्डिनेटर को लगाया है। कोऑर्डिनेटर के जरिए मायावती से करीब दो-तीन राउंड की बात हो चुकी है।

होली के बाद पल्लवी की मायावती के साथ बैठक तय है। इसमें गठबंधन को अमली जामा पहनाया जा सकता है। सूत्रों का यह भी कहना है कि बसपा के साथ होने वाले नए गठबंधन में अपना दल (कमेरावादी) के साथ ही सपा से रिश्ता तोड़ने वाली जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) समेत कई अन्य छोटे दल भी शामिल हो सकते हैं। अपना दल (कमेरावादी) और बसपा के बीच गठबंधन को लेकर सभी मुद्दों पर सहमति बन गई है, लेकिन सिंबल को लेकर मामला अटका है। बसपा चाहती है कि पल्लवी पटेल बसपा के सिंबल पर चुनाव लड़ें। जबकि पल्लवी अपने सिंबल पर लड़ना चाहती हैं। उन्हें पांच सीटें मिल सकती हैं।

बसपा ने जारी की 16 उम्मीदवारों की लिस्ट

सात मुस्लिम प्रत्याशियों को मिला टिकट

लखनऊ, 24 मार्च (एजेंसियां)। बहुजन समाजवादी पार्टी ने रविवार को 16 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। इस लिस्ट में बसपा ने सात मुस्लिम प्रत्याशियों को टिकट दिया है। इसमें सहारनपुर सीट पर सपा-कांग्रेस गठबंधन के इमरान मसूद के सामने माजिद अली को उतारा गया है। कैराना लोकसभा सीट इकरा हसन के सामने श्रीपाल सिंह होंगे।

मुजफ्फरनगर सीट से दारा सिंह प्रजापति, बिजनौर से विजेन्द्र सिंह मैदान में होंगे। नगीना (सु) से सुरेन्द्र पाल सिंह को बसपा से टिकट मिला है। मुरादाबाद से मोहम्मद इरफान सैफी को प्रत्याशी बनाया है। रामपुर सीट से जीशान खान चुनाव लड़ेंगे। सम्भल लोकसभा सीट से शौलत अली को उतारा है। यह शफीकुर्रहमान बर्क के के उत्तराधिकारी जियाउर्रहमान को टक्कर देंगे। अमरोहा लोकसभा सीट से बसपा ने मुजाहिद हुसैन को प्रत्याशी बनाया है। इनका मुकाबला भाजपा के कंवर सिंह तवर और सपा-कांग्रेस गठबंधन के दानिश अली से होगा।

बसपा प्रत्याशियों की लिस्ट के मुताबिक सहारनपुर सीट से माजिद अली, कैराना लोकसभा सीट से श्रीपाल सिंह, मुजफ्फरनगर सीट से दारा सिंह प्रजापति, बिजनौर लोकसभा सीट से विजेन्द्र सिंह, नगीना (सु) सीट से सुरेन्द्र पाल सिंह, मुरादाबाद से मोहम्मद इरफान सैफी, रामपुर से जीशान खान, संभल से शौलत अली, अमरोहा से मुजाहिद हुसैन, मेरठ से देववृत्त त्यागी, बागपत से प्रवीण बंसल, गौतमबुद्ध नगर से राजेन्द्र सिंह सोलंकी, बुलंदशहर (सु) से गिरीश चन्द्र जाटव, आंवला से आबिद अली, पीलीभीत से अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू और शाहजहांपुर (सु) से डॉ. दोदराम वर्मा चुनाव लड़ेंगे।

कांग्रेस ने तीसरी बार खेला इमरान पर दांव

कैराना के बाद सहारनपुर में विपक्ष की खास रणनीति

सहारनपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)।
पश्चिमी यूपी के कद्दावर नेता माने जाने वाले पूर्व विधायक इमरान मसूद पर कांग्रेस ने तीसरी बार दांव खेला है। कांग्रेस की तरफ से इमरान मसूद को सहारनपुर सीट से प्रत्याशी घोषित कर दिया गया है। इमरान के प्रत्याशी घोषित होने के बाद एक बार फिर से 2019 लोकसभा चुनाव वाले समीकरण बनते दिखाई दे रहे हैं।

सहारनपुर लोकसभा सीट को मुस्लिम बहुल माना जाता है। जिस पर मुस्लिमों की संख्या करीब सात लाख है। बसपा की तरफ से लोकसभा क्षेत्र प्रभारी माजिद अली को प्रत्याशी घोषित किया जा चुका है। दूसरी तरफ कांग्रेस से इमरान मसूद के मैदान में आ गए हैं। ऐसे में भाजपा के सामने बड़े राजनीतिक दलों से दो मुस्लिम प्रत्याशी हो जाएंगे, जिस कारण इस बार मुस्लिम वोटों में बिखराव हो सकता है। 2019 में भी भाजपा के सामने दो मुस्लिम प्रत्याशी थे। जिसमें बसपा-सपा गठबंधन के प्रत्याशी हाजी फजर्लुरहमान ने जीत हासिल की थी।

इसकी वजह यह थी कि हाजी फजर्लुरहमान को मुस्लिम-दलित समीकरण का लाभ मिला, लेकिन इस बार ऐसा नहीं दिख रहा। क्योंकि बसपा अकेले चुनाव लड़ रही हैं और अनुसूचित वर्ग के वोटरों का झुकाव आज भी बसपा की तरफ ही है। ऐसे में इस बार मुस्लिम वोटों में बिखराव हो सकता है। जिसका फायदा भाजपा को मिल सकता है। क्योंकि 2014 में जहां

इमरान मसूद को 407909 वोट मिले थे वहीं 2019 के चुनाव में वह 207068 वोट ही हासिल कर सके थे।

2014 के चुनाव के दौरान इमरान मसूद ने प्रधानमंत्री को लेकर बोटी-बोटी वाला बयान दिया था, जो उस समय काफी सुर्खियों में रहा था। इस बयान के बाद ध्रुवीकरण हो गया था। उनकी हार की वजह यह बयान ही माना जाता है। इस बार सपा और कांग्रेस विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है। कैराना सीट पर सपा ने इकरा हसन को मैदान में उतार रखा है। अब कांग्रेस ने सहारनपुर से इमरान मसूद को उतारकर गठबंधन ने दोनों सीटों पर मुस्लिम कार्ड खेल दिया है। इससे मुस्लिम समाज को तो खुश कर दिया, लेकिन दोनों सीटों पर मुसलमानों के अलावा अनुसूचित वर्ग समेत अन्य समाज भी प्रत्याशी को संसद तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाता है। देखना है इस बार क्या परिणाम निकलता है।

इमरान मसूद ने पहली बार 2014 में कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा था। इसमें भाजपा के राघव लखनपाल ने 472999 वोट लेकर जीत हासिल की थी। दूसरे स्थान पर इमरान मसूद को 407909 वोट और तीसरे स्थान पर बसपा के जगदीश राणा 235033 वोटों के साथ रहे थे। इमरान मसूद 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर फिर मैदान में आए। इस बार बसपा के हाजी फजर्लुरहमान ने 514139 वोटों के साथ जीत दर्ज की।

दूसरे स्थान पर भाजपा के राघव लखनपाल 491722 और तीसरे स्थान पर इमरान मसूद 207068 वोटों के साथ रहे थे। मूलरूप से गंगोह के रहने वाले इमरान मसूद का परिवार राजनीतिक घराना रहा है। साल 2006 में सहारनपुर नगर पालिका का चुनाव जीता और साल 2007 विधानसभा चुनाव में सपा से टिकट मांगा। टिकट नहीं मिलने पर वह मुजफ्फराबाद विधानसभा सीट से निर्दलीय लड़े और जीते। 2012 में विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया। कांग्रेस से उन्हें नकुड़ विधानसभा सीट से टिकट मिला, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2014 में उन्होंने फिर से पाला बदला और सपा में पहुंच गए। सपा ने सहारनपुर लोकसभा से टिकट दिया। इस चुनाव में भी उन्हें हार मिली। 2017 में वह फिर कांग्रेस में आए और पांच साल तक रहे। 2022 में वह फिर सपा में चले गए। निकाय चुनाव से ऐन वक्त पहले उन्होंने टिकट नहीं मिलने पर बगावती तेवर दिखाते हुए सपा को छोड़कर बसपा में एंट्री मार दी। करीब छह माह पहले राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की तारीफ करने पर बसपा ने उन्हें निष्कासित कर दिया था। इसके बाद उन्होंने फिर से कांग्रेस का दामन थाम लिया था।

सपा नेतृत्व जनता के सवालों में उलझा

पार्टी, परिवार और पूर्वांचल क्या साध पाएगी सपा?

आजमगढ़, 24 मार्च (एजेंसियां)।
आजमगढ़ सीट पर समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर परिवार के सदस्य धर्मेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाया है। बदायूं से सांसद रहे धर्मेंद्र यादव के सामने अब सपा का खोया जनाधार हासिल करना और परिवार की विरासत वापस पाना तो चुनौती होगी ही।

आजमगढ़ से पूर्वांचल साधने की सपा की सियासी रवायत को भी निभाने का जिम्मा होगा। 2022 के उपचुनाव में भाजपा के दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ उन्हें शिकस्त दे चुके हैं। इससे पहले 2014 में प्रचंड मोदी लहर में भी सपा ने अपनी इस पारंपरिक इस सीट को बचा लिया था, मुलायम सिंह यादव सांसद बने थे।

फिर 2019 में खुद अखिलेश यादव यहां उतरे और जीत हासिल की थी। 2019 में जब अखिलेश यादव इस सीट से उतरे थे तो उद्देश्य सिर्फ यह नहीं था कि परिवार की विरासत को बचाए रखनी है। बल्कि पूर्वांचल की राजनीति में पार्टी की सियासी स्थिति और मजबूत करना था। इसका फायदा पार्टी को 2022 के विधानसभा चुनाव में मिला भी। मगर अखिलेश के करहल सीट से विधायक बनने के बाद यहां हुए उपचुनाव

में भाजपा की जीत के साथ ही सपा का किला दरक गया।

सपा के एक वरिष्ठ नेता की मानें तो सपा इस सीट को हर हाल में पाना चाहती है। यहां जीत को लेकर सपा इसलिए भी आश्वस्त है क्योंकि आजमगढ़ लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली पांचों विधानसभाओं गोपालपुर, सगड़ी, मुबारकपुर, आजमगढ़ सदर और मेहनगर में समाजवादी पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। आजमगढ़ लोकसभा सीट के जातीय समीकरण के हिसाब से अखिलेश यादव जीत पक्की मान रहे हैं। यहां 19 लाख मतदाता में करीब यादव मतदाता 26 फीसदी और मुस्लिम मतदाता 24 फीसदी को जोड़ दें तो 50 फीसदी वोटरों पर सपा की मजबूत पकड़ मानी जाती है।

दूसरी ओर सपा ने भाजपा की घेरेबंदी के लिए बसपा के पिछले चुनाव में प्रत्याशी रहे गुड्डू जमाली को अपने पाले में ले लिया है। सपा मुखिया का जोर आजमगढ़ में अन्य जातियों के साथ यादव व मुस्लिमों मतदाताओं को पूरी तरह साधने पर है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का यह कहना है कि सपा के लिए जीत इन आंकड़ों के बाद भी आसान इसीलिए भी नहीं हैं क्योंकि वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद चुनाव लड़ते हैं और ऐसे में वह पूरे मंडल की सीटों पर उसका प्रभाव डालते हैं। ऐसी स्थिति में धर्मेंद्र यादव के लिए खोया जनाधार को वापस पाना किसी चुनौती से कम नहीं है।

आजमगढ़ सीट पर पार्टी कोई रही हो सांसद बनने में पिछले तीन दशक में यादव-मुस्लिम प्रत्याशी का दबदबा रहा है। साल 1996 और 1999 में सपा, 2004 में बसपा और 2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर रमाकांत यादव आजमगढ़ सीट से लोकसभा का चुनाव जीत चुके हैं। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में रमाकांत यादव को मुलायम सिंह यादव ने चुनाव हरा दिया था। से चुनाव हार गए थे। 1998 और 2008 में बसपा टिकट पर अकबर अहमद डंपी सांसद बने। बीच में एक बार साल 1991 में जनता दल और 2009 और 2022 के उपचुनाव में भाजपा जीती।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 25 मार्च, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

रेवंत सरकार बना रही हैदराबाद में नाइटलाइफ संस्कृति को बढ़ावा देने की योजना

हैदराबाद, 24 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार हैदराबाद शहर में रात्रि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। इस पहल का उद्देश्य राज्य की राजधानी में रात्रि जीवन और व्यवसायों को बढ़ावा देना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राज्य सरकार की योजना में नाइट इकोनॉमी पहल के तहत व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और भोजनालयों को 24 घंटे खुले रहने की अनुमति देना शामिल है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को शहर में इस अवधारणा को पेश करने के लिए एक रोडमैप तैयार करने का निर्देश दिया है।

हालांकि इस कदम से करों के माध्यम से सरकार के लिए अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न होने और रोजगार के अवसरों में सुधार होने की उम्मीद है, लेकिन नाइटलाइफ को अनियंत्रित रूप से पनपने देने पर संभावित कानून और व्यवस्था के मुद्दों और शराब से प्रभावित घटनाओं पर पुलिस विभाग द्वारा चिंता जताई गई है। निर्बाध और सक्रिय रात्रिजीवन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस को शहर में गश्त और सुरक्षा उपायों को तेज करना पड़ सकता है। हालाँकि, सरकार का मानना है कि रात्रि अर्थव्यवस्था हैदराबाद के प्रतिष्ठित चारमीनार और अन्य पर्यटन स्थलों के पास पर्यटन को भी बढ़ावा दे सकती है। तेलंगाना में

रात्रि अर्थव्यवस्था के विचार ने पिछले साल राज्य विधानसभा चुनावों से पहले गति पकड़ी जब श्रम विभाग ने 10,000 रुपये का वार्षिक शुल्क देकर दुकानों और रेस्तरां को 24 छंटे संचालित करने की अनुमति दी थी। मुंबई जैसे प्रमुख शहर पहले से ही सक्रिय नाइटलाइफ संस्कृति को अपना चुके हैं।

अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्म गौरव भवन के सदस्यों की सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 24 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्म गौरव भवन के सदस्यों की सभा उप्पल निर्माण स्थल पर की गई। पूर्व में सभी सदस्यों को वॉट्सएप द्वारा सभा की सूचना दी गई थी। सभी भाइयों ने निर्माण कार्य का अवलोकन किया और अपने सुझाव दिए।ए ब्लॉक का प्रथम स्लैब पूर्ण होने पर सभी ने खुशी जाहिर की। सभी ने देखा कि बी ब्लॉक में फुटिंग का कार्य हो चुका तथा आशा हैं कि 25 अप्रैल तक बी ब्लॉक का प्रथम स्लैब का कार्य पूर्ण हो जायेगा।

वर्तमान निर्माण कार्य से सभी संतुष्ट हुए। कोषाध्यक्ष महावीर प्रसाद अग्रवाल ने संस्था के आय-व्यय का ब्योरा सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया जिसमें सभी ने सहमति जताई। चेयरमैन राजेश अग्रवाल ने होली मिलन करने का विचार रखा। विस्तृत चर्चा के बाद निर्णय लिया गया कि निर्माण स्थल पर 21 अप्रैल रविवार प्रातः 11 बजे से होली मिलन किया जाएगा। सभा में राजेश अग्रवाल, नरेश कुमार चौधरी, विजय बंसल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, कमल चंद अग्रवाल, दिनेश ताजपुरिया, शंकर लाल अग्रवाल, हेमचंद गुप्ता व अन्य उपस्थित थे।

प्रोफेसर्स कॉलोनी मलकपेट में होली की ठंडी पूजा करती हुई महिलाएं

फाल्गुन मास पूर्णिमा पर ठंडी होलिका की पूजा-अर्चन करती माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब अध्यक्षा अरुणा गुप्ता एंव ममता।

श्री श्याम मन्दिर काचीगुडा में श्याम संग फूलों की होली आज

हैदराबाद, 24 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री कांची कामकोटि पीठम् श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति के तत्व-ावधान में श्री श्याम मन्दिर काचीगुडा वीरन्नागुट्टा में होली के अवसर पर सोमवार 25 मार्च को सुबह 10 से 12:30 बजे तक श्याम संग फूलों की होली कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

उक्त जानकारी श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के मंत्री इन्दरकरण अग्रवाल ने दी। श्याम संग फूलों की होली के अन्तर्गत सुप्रसिद्ध भजन गायक सुनील शर्मा एवं शम्भु अग्रवाल द्वारा होली के भजन प्रस्तुत किए जाएंगे। अवसर पर फतेहपुर शेखावटी के सुरेन्द्र एण्ड पार्टी के द्वारा राजस्थानी लोकगीत, चंगधमाल प्रस्तुत किया जायेगा।

इस अवसर पर नगरद्वय के सभी श्याम प्रेमी तथा सभी श्याम प्रेमी संस्थाओं के सदस्य श्याम संग फूलों की होली खेलने सादर आमंत्रित हैं। अवसर पर मंदिर परिसर में रंग-गुलाल लाना वर्जित है।

कुमावत समाज ट्रस्ट ने हर्षोल्लास के साथ मनाया होली महोत्सव

हैदराबाद, 24 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कुमावत समाज ट्रस्ट हैदराबाद-तेंलगना का होली महोत्सव शनिवार को मलारदेवपली स्थित भवन पर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। होली महोत्सव पर विशेष अतिथि के रूप में महाराणा प्रताप सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष विजय दिनेश सिंह ठाकुर, श्रीराम मंदिर राम भाग, प्रभारी एवं सलाहकार ठाकुर अर्जुन सिंह, महासचिव ठाकुर विपिन राज सिंह, नरसिंग ठाकुर, उपाध्यक्ष जीवन

सिंह ठाकुर, ठाकुर राजकिशोर सिंह, एवं समाज के प्रसादी के सहयोगी भामाशाह रामचन्द्र, राकेश मावर मंगल हाट, डिपाराम, प्रेम दुबलदीया गोशामहल, भाकर राम महेश लारना मंगल हाट एवं समाज के रत्न डॉ.रणजीत, मंगल हाट, डॉ. रामकिशोर,मुख्य अतिथि ओगड़ राम चांदोरा, ढगलाराम मानणीया, मांगीलाल ईटाड़ा, चोथा राम खुदाल, बाबुलाल ईटाड़ा एवं सभी नत्य कलाकारों का कुमावत समाज ट्रस्ट हैदराबाद-तेलंगाना के अध्यक्ष भाकर राम लारना एवं समस्त पदाधिकारी गण द्वारा शाल व माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर का भी आनंद लिया गया।

जन सेवा संघ संचालन समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 24 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जन सेवा संघ के महासचिव राजीव रंजन चौबे के अनुसार जन सेवा संघ संचालन समिति के सदस्यों की संयोजक श्रीकांत पांडेय के नेतृत्व में वर्चुअल महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में श्रीकांत पांडेय ने सभी सदस्यों से संस्था की प्रगति के लिए अपने-अपने सुझाव देने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि संस्था में अनुशासन का होना बहुत ही आवश्यक है तथा उन्होंने यह भी कहा कि संस्था को मजबूत करने की जिम्मेदारी हम सबकी है। जन सेवा संघ के अध्यक्ष आरपी सिंह ने बताया कि विगत वर्ष में छठ पूजा में कई लोगों ने संस्था को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए मदद देने का आश्वासन दिया था।

उन्होंने यह भी कहा कि संस्था को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए हम सबको आगे आना होगा और इसे आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करना होगा तभी पूरे वर्ष संस्था सुचारू रूप से चल सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि विगत माह में उन्होंने कुछ क्षेत्रों में बैठक का आयोजन किया था तथा आगे भी वह क्षेत्र में बैठक का आयोजन करने का प्रयास निरंतर कर रहे हैं। जन सेवा संघ के उपाध्यक्ष गोविंद तिवारी ने सुझाव दिया कि शिक्षा समिति द्वारा गरीब बच्चों को प्राइवेट स्कूलों, कान्वेंट स्कूलों में अच्छी शिक्षा के लिए दाखिल करना चाहिए जो कि सरकारी कोटा में आता है और उन्होंने सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि सभी अपनी राशि जल्द से जल्द जमा कराएं। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव रंजन चौबे ने पूरे महीने के क्रियाकलापों की जानकारी प्रस्तुत की एवं सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि वह अपने क्षेत्र में प्रगति निरंतर जारी रखें। उन्होंने यह बताया कि मदन लाल रावल द्वारा एक शिकायत दी गई है उसकी जानकारी सभी प्रदान की गई। जन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष बीनीत सिंह ने पूरे माह की आय व्यय की जानकारी प्रस्तुत की।

जन सेवा संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं डेलिगेशन/फंड मैनेजमेंट कमेटी के संयोजक एलएम चौधरी एवं वरिष्ठ सदस्य एवं अनुशासन समिति के संयोजक डीडी तिवारी ने बताया कि वह जल्द ही अपनी समिति का गठन करके सूची साझा करेंगे। जन सेवा संघ समस्या निवारण समिति के संयोजक वीडी चौबे ने बताया कि उन्होंने अपनी समिति का गठन करके सूची बहुत पहले ही सांझा कर दी हैं और कार्य भी प्रारंभ कर दिया है। जन सेवा संघ उत्तर संभाग के संभागीय अध्यक्ष एवं नेरेडमेट क्षेत्रीय अध्यक्ष राधे श्याम राय यादव एवं वरिष्ठ सदस्य नवीन बिहार ने बताया कि वह अपना कार्य निरंतर कर रहे हैं और जो भी जिम्मेदारी दी जा रही है उसे निष्ठा से निभा रहे हैं और हमेशा निभाते रहेंगे।

गौसेवा मित्र मंडल द्वारा श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में होली के शुभ अवसर पर होली मिलन महोत्सव रखा गया। जिसमें उपस्थित गोपाल बलदेवा, मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोरे, विजय अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, रविंदर अग्रवाल, अजय, कुणाल, सुनील जयलिया, यश अग्रवाल, नमन कनोडिया, श्याम अग्रवाल एवं अन्य सदस्यों ने धूम मचाई।

बेगम बाजार स्थित दाल मंडी में श्री खाटू श्याम बाबा का जागरण आयोजित हुआ, जिसमें पधारे अतिथियों मे माधवीलता हैदराबाद भाजपा लोकसभा प्रत्याशी, साथ में भाजपा नेता धर्माराम ढाका एवं अन्य का सम्मान करते हुए सिखवाल समाज के तिवारी परिवार द्वारा दिनेश तिवारी, भागीरथ तिवारी, भगवान तिवारी, अनिल जायलवाल उपस्थित रहे।

मुझे और बीआरएस को बदनाम करने की राजनीतिक साजिश है जालसाजी का मामला : संतोष

हैदराबाद, 24 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राज्यसभा सांसद जोगिनपल्ली संतोष कुमार ने कहा कि उनके खिलाफ राजनीतिक द्वेष और बीआरएस को बदनाम करने के लिए जालसाजी का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने आठ साल पहले 2016 में शैकपेट के सर्वेक्षण संख्या 129/54 में 904 वर्ग गज जमीन खरीदी थी। गुरुवार को नवयुग कंपनी के एक प्रतिनिधि की शिकायत के आधार पर पुलिस ने पूर्व सांसद के खिलाफ मामला दर्ज किया था। कंपनी ने दावा किया कि उसने सर्वे नंबर 129/54 में 1,350 वर्ग गज जमीन खरीदी है और शिकायत की है कि जमीन पर कब्जा कर लिया गया है।

इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सांसद ने कहा कि उन्होंने 11 नवंबर, 2016 को बिक्री विलेख संख्या 5917/2016 के माध्यम से पीवी हनुमंत राव के बेटे श्यामसुंदर फुलजल से 904 वर्ग गज का घर खरीदा था। संपत्ति कानूनी रूप से 3.81 करोड़ रुपये में खरीदी गई थी और बिक्री निबंधन विभाग द्वारा विलेख निष्पादित की गई। संतोष कुमार ने स्पष्ट रूप से कहा कि पिछले आठ साल से कोई मुकदमा नहीं हुआ और किसी ने मुझसे संपर्क नहीं किया। किसी भी जालसाजी की कोई गुंजाइश नहीं है। श्यामसुंदर ने 1992 में बिक्री विलेख संख्या 1888/1992 के माध्यम से घर की जगह खरीदी थी। पिछले 32 वर्षों से घर की जगह से संबंधित कोई मुकदमा नहीं था। श्यामसुंदर से मकान की जगह खरीदने के बाद भी जमीन पर कोई नया निर्माण नहीं कराया गया। उन्होंने कहा कि श्यामसुंदर और पहले के मालिकों द्वारा निर्मित संरचनाएं अभी भी बरकरार हैं।

संतोष कुमार ने कहा कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि कोई कानूनी समस्या है तो कानूनी नोटिस दिया जाना चाहिए और स्पष्टीकरण मांगा जाना चाहिए। ऐसे किसी भी कदम के बिना जालसाजी की शिकायत की गई है। उन्होंने कहा कि दिलचस्प बात यह है कि पुलिस का दावा है कि 1,350 वर्ग गज के घर के साथ एक कानूनी मुद्दा है, लेकिन तथ्य यह है कि मैंने 904 वर्ग गज खरीदा था। इससे साबित होता है कि यह मामला राजनीतिक द्वेष से दर्ज कराया गया है। उन्होंने कहा कि कानूनी तौर पर खरीदी गई संपत्ति को लेकर लोगों में आशंकाएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी भी जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है। उन्होंने कहा कि कोई भी संपत्ति की जांच कर सकता है और वह कानूनी तौर पर इसका सामना करने के लिए तैयार हैं।

संतोष कुमार ने कहा कि एक संपत्ति, जिस पर पिछले 32 वर्षों से कोई मुकदमा नहीं हुआ है, अचानक विवादास्पद हो जाती है, जिससे इसके पीछे के उद्देश्य स्पष्ट हो जाते हैं। बीआरएस या मुझे बदनाम करने की कोई भी कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुझे बदनाम करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

माहेश्वरी युवक संघ का होली महोत्सव जारी

हैदराबाद, 24 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
माहेश्वरी युवक संघ का होली महोत्सव एवं राजस्थानी ब्रज की होरिया कार्यक्रम के तहत रविवार को पांचवे दिन पूजा-अर्चना दामोदरदास बंग (दामभाई) और संघ अध्यक्ष नारायणदास मालानी, मंत्री राजेश कुमार करवा, जुगल किशोर बल्दवा द्वारा की गई। इस अवसर पर संघ के परामर्शदाता लक्ष्मीनारायण राठी, लड्डा, रामनिवास सारडा, श्रीनिवास कांकाणी, वसंत कासट, गोपाल बजाज, गोविंद अट्टल, राधेश्याम अट्टल, प्रह्लाद सारडा, महेश बजाज, दिनेश बंग, नरसिंह, राजगोपाल राठी, राजगोपाल करवा, संदीप राठी, अनिरुद्ध काकाणी, श्रीकांत झंवर, कन्हैयालाल राठी, शंकर राठी, गोविंद राठी नारायणदास लोया, श्रीनिवास काबरा, अजय भंडारी, विशाल बजाज, महेश बजाज, नवीन बजाज, चंदुलाल सोमाणी, गोविंद बाहेती, अभिषेक सारडा, ओम प्रकाश करवा, ओम चोकडा, राजीव कासट, गोवर्धन सारडा, दिनेश बजाज, राजेश सारडा, मनोहर कांकाणी, मुरली चितलांगी, जगदी बाहेती, प्रकाश राठी, श्याम राठी, श्रीकिशन बजाज, सत्यनारायण, हनुमान बजाज, जुगल बजाज, कृष्णा बिरला, पवन डागा, दिनेश, रमेश लखोटिया, दरक, कैलाश डालिया, यश राठी, गोविंद प्रसाद बजाज, रमेश बंग, भगवान पंसानी, नारायण मुंदडा आदि उपस्थित थे।

डॉ. नरसिंह दास पल्लाड शर्मा की 9वीं पुण्यतिथि पर अन्नदान किया गया एवं कई बुजुर्ग महिलाओं को साड़ियां वितरित की गईं। इस अवसर पर उपस्थित बद्री विशाल शर्मा, प्रकाश जोशी, रमेश शर्मा, पंडित हरि बल्लभ व्यास, के.डी दिनेश, रवि, प्रियंका शर्मा, प्रद्युम्न मिश्रा, धीरज शर्मा, गौतम, शिवकुमार, गणेश सिंह, के. आयुष्मान, के सिद्धार्थ एवं अन्य।

कांग्रेस और भाजपा ने सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र की उपेक्षा की : तलसानी श्रीनिवास

हैदराबाद, 24 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भाजपा और कांग्रेस पर सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए, वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने आगाह किया कि आगामी लोकसभा चुनावों में इन दोनों दलों के उम्मीदवारों को वोट देना निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए घातक साबित होगा और उन्होंने आग्रह किया वे बेहतर भविष्य और विकास के लिए बीआरएस टी पद्मा राव गौड़ उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

रविवार को पद्मा राव, पूर्व गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली और शहर के अन्य बीआरएस विधायकों के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्रीनिवास यादव ने मौजूदा सांसद और केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी पर निर्वाचन क्षेत्र की उपेक्षा करने और झूठे वादे करने का आरोप लगाया। तलसानी ने सवाल करते हुए कहा कि किशन रेड्डी ने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए क्या किया है? पिछले पांच वर्षों के दौरान उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र की पूरी तरह से उपेक्षा की। उन्हें निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है।' सीट जीतने का विश्वास व्यक्त करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि बीआरएस उम्मीदवार पद्मा राव पिछले कई वर्षों से सिकंदराबाद क्षेत्र के विकास के लिए काम कर रहे हैं और लोगों के बीच उनकी मजबूत पकड़ है। उन्होंने कहा कि एक पार्षद, विधायक और मंत्री के रूप में वह निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की सेवा करते रहे हैं। हमें उम्मीद है कि लोग उनकी सेवाओं को पहचानेंगे और उन्हें संसद में उनका प्रतिनिधित्व करने का मौका देंगे। इस मौके पर पद्मा राव गौड़ ने कहा कि वह पिछले तीन दशकों से विभिन्न क्षमताओं में लोगों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं और अगर वह संसद के लिए चुने गए तो राज्य के मुद्दों को संसद में उठाएंगे। किशन रेड्डी और कांग्रेस उम्मीदवार दानम नागेंदर के लिए वोट करना बर्बादी है क्योंकि वे लोगों के लिए कुछ नहीं करने जा रहे हैं। दानम अपनी जरूरतों के हिसाब से पार्टियां बदलते रहते हैं। हम उस पर भरोसा नहीं कर सकते। कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए पद्मा राव ने कहा कि जब से कांग्रेस सत्ता में आई है तब से लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, चाहे वह बिजली की उपलब्धता, पीने के पानी, सिंचाई सुविधाओं, सड़कों या आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता से सम्बंधित हों।

होली के अवसर पर रविवार शाम मित्र यूथ एसोसिएशन की ओर से छतरीनाका में काम दहनम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के महासचिव एसपी क्रांति कुमार, संयुक्त सचिव बी.कोटेश, सदस्य एस.वेणु गोपाल, बी.नितिन चारी, सुंदर अयंगर, बी.वेंकटेश, के.अनिरुद्ध, सुश्रीथ और अन्य ने भाग लिया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जगतियाल, 24 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जगतियाल शहर में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार के आरोप में एक नाबालिग लड़के सहित तीन लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन पर गांजा पीने के लिए एनडीपीएस अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक तीनों लोगों ने लड़की को जबरन गांजा पिलाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। मुख्य आरोपी, जिसकी पीड़िता से उसके एक दोस्त के माध्यम से दोस्ती हुई थी, ने लड़की को शादी करने का वादा करके अपने जाल में फंसाया था। फिर वह उसे मोठे गांव में एक दोस्त के घर ले गया और उसे गांजा पीने के लिए मजबूर किया। बाद में उसने उसका यौन शोषण किया। जब उसने उस पर शादी करने का दबाव बनाया तो उसने इनकार कर दिया। इसके बाद पहले आरोपी के दोस्त दूसरे आरोपी की पीड़िता से दोस्ती हो गई और उसने उससे शादी करने का वादा भी किया।

पुलिस ने कहा कि उसने भी उसे गांजा देकर उसके साथ दुर्व्यवहार किया। तीसरा आरोपी, जो पीड़िता के घर में पानी सप्लाई करता था, उसने भी उससे दुष्कर्म किया। बताया जाता है कि ये घटनाएं पिछले एक साल में हुईं और शनिवार को तब सामने आईं जब पीड़िता के पिता ने जगतियाल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। तीनों पर आईपीसी, पॉक्सो अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

रविवार शाम 8 बजे जियागुड़ा डिवीजन में इमामपुरा नव भारत संगम के नेतृत्व में होली के अवसर पर कामदाहनम पूजा अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, संगम प्रतिनिधि जी विनय कुमार, महेश बाबू, आर बालकिशन द्वारा की गई। इस अवसर पर संतोष कुमार, नरसिंग राव, सी. सत्यनारायण, सी. नर्सिंग आदि मौजूद रहे।

अवैध शराब से भरा कंटेनर जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

झुंझुनू, 24 मार्च (एजेंसियां)।
लोकसभा आम चुनाव, 2024 को मद्देनजर रखते हुए आबकारी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई ते हुए एक हजार शराब के कार्टून जब्त किया है, जिनकी अनुमानित कीमत 1.05 करोड़ रुपये बताई जा रही है। आबकारी थानाधिकारी तारांचद जाखड़ ने बताया कि शनिवार रात से ही इनपुट मिल रहा था कि पंजाब निर्मित शराब से भरा हुआ कंटनेर है, जो कि पंजाब के लुधियाना से लोड होकर गुजरात के राजकोट जा रहा है। जिसके बाद सीकर रोड पर हवाई पट्टी के पास नाकेबंदी कर ट्रक को पकड़ लिया।

ओवरटेक कर रही प्राइवेट बस बेकाबू होकर पलटी

चालक समेत 17 घायल

पाली, 24 मार्च (एजेंसियां)।
ओवरटेक करने के चक्कर में रविवार सवेरे सूरत से नोखा जा रही निजी ट्रेवल्स की एक बस ढोला गांव के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे से बस में सवार चालक समेत 17 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो घायलों को इलाज के लिये बांगड़ अस्पताल भेजा गया। बाकी सभी को प्राथमिक उपचार के बाद दूसरी बस से गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर सूरत से यह निजी ट्रेवल्स की बस नोखा के लिए रवाना हुई, जिसमें करीब 4 दर्जन यात्री सवार थे। पाली जिले में ढोला गांव के निकट पहुंचने पर ट्रक को ओवरटेक के दौरान बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में बस चालक प्रताप सिंह पुत्र देवीसिंह समेत करीब डेढ़ दर्जन यात्री घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलने पर 4 एम्बुलेंस मौके पहुंचीं और दो घायलों को इलाज के लिए पाली के बांगड़ अस्पताल ले जाया गया। हादसे में 15 से अधिक यात्री घायल हुए, जिन्हें मौके पर ही प्राथमिक उपचार देकर अन्य बस से रवाना कर दिया गया।

अग्रवाल समाज सिकंदराबाद शाखा ने पारंपरिक ढंग से मनाया होली उत्सव

हैदराबाद, 24 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज पैराडाइज सिकंदराबाद शाखा में होली उत्सव पारंपरिक ढंग से मनाते हुए ढप (चंग) कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को क्लासिक गार्डन बालमराई सिकंदराबाद में किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में जोगी राम अग्रवाल ने पधार कर शाखा का सम्मान बढ़ाया। इस कार्यक्रम की विशेषता यह रही की पहली बार पांचो सलाहकार जोगीराम अग्रवाल, विनोद गुप्ता, भीकम चन्द जोधानी, हरि ओम गर्ग, विनोद सरोगी कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम में क्लासिक गार्डन से किशन अग्रवाल और बालाजी फिटिंग उद्योग से हरि मोहन धनानियां ने इस कार्यक्रम में विशेष रूप से सहयोग दिया। कार्यक्रम का प्रारंभ 6 बजे शाम में क्लासिक गार्डन बालमराई में समय अनुसार रामगढ़ शेखावाटी राजस्थान से निमंत्रित सुरेंद्र भार्गव पार्टी द्वारा शुरू हो गया था। कलाकारों ने रात्रि 10 बजे तक कार्यक्रम चालू रखा। भोजन की व्यवस्था बीकानेर होटल द्वारा कराई गई। कार्यक्रम में 280 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का पूरा श्रेय पूर्व अध्यक्ष संजय जालान को दिया गया जिनकी प्रेरणा से यह पूरा कार्यक्रम संपन्न हुआ। संयोजक दीपक अग्रवाल के अनुसार पैराडाइज शाखा का यह अभी तक का सबसे सफल कार्यक्रम रहा।

सदस्यों ने पूर्ण रूप से कार्यक्रम का आनंद लिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से अध्यक्ष धीरज खेतान, उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, सह मंत्री पवन अजीतसरिया, कोषाध्यक्ष अशोक चोखानी, कार्यकारिणी सदस्य दिनेश चांदगोटिया, वैभव चांदगोटिया, दिनेश अग्रवाल, संदीप मित्तल, मुकेश अग्रवाल, किरण अग्रवाल, आयुष मोदी, धीरेंद्र बंसल, उमेश अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल एवं समस्त कार्यकारिणी की उपस्थिति रही। दिनेश गुप्ता, नवीन सराओगी, सुधीर सराओगी, किशन जोधनी, पवन जोधनी, निरंजन गोयल, अजय अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, मनोज बंसल, अशोक सिंगल एवं शाखा के सभी सदस्यों ने संयोजक का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में आमंत्रित संस्थानों में हरियाणा नागरिक संघ, हरियाणा सेवा संघ, जगदीश मंदिर लोअर टैंकबेन्ड, पैराडाइज नारी शाखा शामिल रहे।

हरियाणा नागरिक संघ अध्यक्ष पदम जैन, उपाध्यक्ष सुरेंद्र केडिया, कोषाध्यक्ष विपिन सिंघानिया ने पधारकर शाखा का सम्मान बढ़ाया। हरियाणा सेवा संघ से महेश अग्रवाल ने कार्यक्रम में पधार कर शाखा का सम्मान बढ़ाया। जगदीश मंदिर से सतवंती सरायवाला और राजकुमार सरायवाला ने आकर शाखा के निमंत्रण का सम्मान बढ़ाया।

पैराडाइज नारी शाखा से सभी पदाधिकारी ने आकर शाखा का सम्मान बढ़ाया। केंद्र से अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने आकर शाखा का सम्मान बढ़ाया। आमंत्रित सभी मेहमानों का शाखा ने शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

फंदे पर लटका मिला विवाहिता का शव, दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

भिवानी, 24 मार्च (एजेंसियां)।
जिले के गांव मानहेरू में शनिवार शाम करीब साढ़े सात बजे एक विवाहिता का घर के अंदर फंदे से शव लटका मिला। मृतका के परिजनों का आरोप है कि उनकी बेटी को फंदे पर लटके होने की सूचना वीडियो कॉल कर पति ने दी थी। जिसके बाद उसे शहर के एक निजी अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं मृतका के पिता की शिकायत पर सदर पुलिस ने पति सहित ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज हत्या का केस दर्ज किया है।

सदर पुलिस को दी शिकायत में गांव ढाणी चांग निवासी श्याम सिंह ने बताया कि उसके दो बच्चे हैं। बड़ी लड़की 26 वर्षीय नेहा और छोटा बेटा विपुल है। उसकी बड़ी बेटी की शादी 14 दिसंबर 2022 को मानहेरू निवासी जयप्रकाश के साथ हुई थी। शादी के दौरान उसने काफी दान दहेज दिया था।

लेकिन इसके बावजूद भी उसकी बेटी को उसका पति और सास दहेज के लिए तंग करते थे। पुलिस को दिए बयान में श्याम सिंह ने बताया कि 23 मार्च को उसकी लड़की नेहा का फोन आया था। जिस पर उसकी बेटी ने उसे बताया था कि उसका पति जयप्रकाश और सास बाला उसे तंग कर रहे हैं और उसे मार सकते हैं। उसने कहा कि वह आ रहा है। लेकिन थोड़ी देर बाद ही ससुराल से फिर फोन आया कि उसकी बेटी की तबियत खराब है और अस्पताल में है। जब वह अस्पताल पहुंचा तो उसकी बेटी वहां मृत घोषित की जा चुकी थी। उसने आरोप लगाया कि उसकी बेटी की दहेज के लिए आरोपी पति, सास बाला व दो ननद व देवर सहित अन्य ने मिलकर हत्या की है। वहीं मृतका के चाचा अरविंद ने बताया कि नेहा के पति ने वीडियो कॉल कर दिखाया था कि उसने फंदा लगा लिया है। जब वे मौके पर पहुंचे तब तक अस्पताल में उसका शव लाया जा चुका था। उन्हें बेटी की मौत पर न्याय चाहिए। सदर पुलिस थाना के जांच अधिकारी सुरेश ने शव का जिला नागरिक अस्पताल में रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराया वहीं मृतक महिला के पिता श्याम सिंह के बयान दर्ज कर इस संबंध में आरोपी पति और सास सहित अन्य ससुरालजनों के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

दुष्कर्म के आरोपी को यूएई से लाया गया वापस

तिरुअनंतपुरम, 24 मार्च (एजेंसियां)।
केरल में दुष्कर्म के एक मामले में वांछित आरोपी को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से प्रत्यर्पण के जरिए वापस लाया गया। सीबीआई के मुताबिक, आरोपी पीरू मुहम्मद याह्या खान के खिलाफ इस साल की शुरुआत में रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। खान एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत और 2008 में कोट्टायम के पाला पुलिस स्टेशन में दर्ज दुष्कर्म के मामले में वांछित था।

सीबीआई के वैश्विक संचालन केंद्र ने उसके प्रत्यर्पण के लिए इंटरपोल, केरल पुलिस, अबूधाबी में भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय के साथ समन्वय किया था।

सार-संक्षेप

एमयूडीए के घूसखोर आयुक्त मंसूर अली गिरफ्तार

25 लाख की रिश्वत मांगने में पकड़े गए

मंगलुरु, 24 मार्च (एजेंसियां)। लोकायुक्त ने मंगलुरु शहरी विकास प्राधिकरण के आयुक्त मंसूर अली खान को गिरफ्तार किया है। खान पर कथित रूप से आरोप है कि उसने टीडीआर जारी करने के लिए कथित तौर पर 25 लाख रुपए की रिश्वत मांगी है। अधिकारियों ने साथ में एक दलाल मोहम्मद सलीम को भी गिरफ्तार किया है, जो पीड़ित से पैसे ले रहा था।

लोकायुक्त ने एक बयान जारी कर कहा कि मंगलुरु के प्रभारी पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में जाल बिछाया गया था, जो सफल रहा। आरोपी के खिलाफ मंगलुरु के गिरिधर शेट्टी ने शिकायत की थी, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई। आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 (ए) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

नाबालिग के यौन उत्पीड़न में इंस्पेक्टर गिरफ्तार

हनुमानकोंडा, 24 मार्च (एजेंसियां)। तेलंगाना के हनुमानकोंडा जिले में नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपी इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया गया है। मामला काकतीय विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र का है। आरोपी भूपालपल्ली साइबर क्राइम में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत था। उसके खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो अधिनियम की धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मंत्री के घर से 40 लाख नकद और दस्तावेज जब्त

कोलकाता, 24 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा के बीरभूम स्थित आवास से संपत्ति संबंधित कई दस्तावेज, एक मोबाइल फोन और 40 लाख रुपए से अधिक की नकदी जब्त की है। इस मामले में मंत्री से कुछ सवाल भी पूछे गए हैं। मंत्री के आवास पर 14 घंटे तक अभियान चलाया गया। ईडी के अधिकारियों ने कथित स्कूल भर्ती घोटाले के संबंध में एजेंसी की जांच के सिलसिले में शुक्रवार को सिन्हा के बोलपुर स्थित आवास पर तलाशी अभियान चलाया था। ईडी के अधिकारी ने बताया कि सिन्हा यह स्पष्ट नहीं कर सके कि उनके आवास पर इतनी नकदी क्यों रखी गई थी। केंद्रीय एजेंसी ने सिन्हा के आवास पर उस समय छापा मारा, जब वह बोलपुर से लगभग 90 किमी दूर मुराई में अपने पैतृक आवास पर थे। ईडी अधिकारियों ने सिन्हा को बोलपुर वापस आने को कहा और वहां उनसे कई घंटे तक पूछताछ की।

जगन्नाथ मंदिर में अवैध प्रवेश पर विदेशी महिला हिरासत में

पुरी, 24 मार्च (एजेंसियां)। ओड़ीशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में अवैध रूप से प्रवेश करने पर पुलिस ने शनिवार को एक विदेशी महिला को हिरासत में लिया। महिला पोलैंड की रहने वाली है। एक अधिकारी ने कहा, मंदिर के एक सेवादार ने उसे मंदिर में बैसीपहाचा के पास देखा और पुलिस को सूचित किया। एडिशनल एसपी सुशील कुमार मिश्रा ने कहा कि महिला को श्रीजगन्नाथ मंदिर अधिनियम-1955 का उल्लंघन करने के लिए हिरासत में लिया गया था, जो मंदिर में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाता है।

झारखंड के पूर्व विधायक पर हमले में आरोप-पत्र दाखिल

रांची, 24 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व विधायक गुरुचरण नायक पर हमले के मामले में एक और आरोपी मोने तियु उर्फ मोने दादा के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आरोप-पत्र दाखिल किया है। हमले में सीपीआई (एम) कैडरों ने दो पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई थी। आरोपी झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले का रहने वाला है।

वडोदरा हवाईअड्डे पर 50 लाख मूल्य के डॉलर जब्त

वडोदरा, 24 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका से दिल्ली होते हुए वडोदरा हवाईअड्डे पर पहुंचे एक व्यक्ति से ईडी ने लगभग 50 लाख रुपए मूल्य के 60,000 डॉलर जब्त किए। केंद्रीय एजेंसी ने आरोपी के आवास पर भी तलाशी ली। उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। आरोपी ने अमेरिका से वहां पहुंचने के बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों के समक्ष विदेशी मुद्रा की घोषणा नहीं की थी।

यूएई की एडनॉक को तेल निर्यात की मिली अनुमति

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने अबूधाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडनॉक) को मंगलौर में भूमिगत रणनीतिक भंडार में संग्रहीत कच्चे तेल का निर्यात करने की अनुमति दी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक आदेश में कहा गया कि यूएई की फर्म को परिचालन संबंधी लचीलापन देने के लिए यह फैसला किया गया। इस समय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के अलावा किसी को कच्चे तेल का निर्यात करने की अनुमति नहीं है।

2019 के सारे रिकॉर्ड 2024 में तोड़ेंगे: धामी

देहरादून, 24 मार्च (एजेंसियां)। हम 2019 के सारे रिकॉर्ड 2024 में तोड़ेंगे। यह कहना है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का। उन्होंने यह बात राज्य सरकार के दो साल पूरे होने पर एक होटल में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा, दो साल पहले किए गए वादों एवं संकल्प को पूरा करने में हमारी सरकार सफल रही है। प्रदेश चहुंमुखी विकास की एक नई उड़ान भर रहा है। हजारों-करोड़ों की लागत से विकास कार्य हो रहे है। राज्य में कड़े कानून बनाकर भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न, पेपरलीक और दंगा-फसाद को जड़ से खत्म किया जा रहा है। कहा, उत्तराखंड राज्य को पूरे विश्व में देवभूमि के नाम से जाना जाता है।

सीएम धामी ने कहा, हमारे प्रदेश में दंगाइयों के लिए कोई जगह नहीं है। राज्य स्थापना के बाद उत्तराखंड में विकास कार्यों को सबसे तेज गति वर्तमान सरकार में मिली है। सरकार विकल्प रहित संकल्प को मूल मंत्र मानकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। प्रदेशभर में

18,000 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है।

प्रदेशभर में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। चारधाम यात्रा के साथ ही सुदूर पर्वतीय क्षेत्र के गांवों में भी सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। चारधाम एवं मानसखंड यात्रा को और सुगम एवं सुरक्षित बनाने का काम जारी है। राज्य में शत प्रतिशत विद्युतीकरण के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया है। जल जीवन मिशन के तहत मात्र एक रुपए में पानी का कनेक्शन दिया जा रहा है। 207 पैथोलॉजिकल जांच बिल्कुल मुफ्त की जा रही है। आयुष्मान योजना के तहत 50 लाख से अधिक लोगों को पांच लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। बच्चे के जन्म पर महालक्ष्मी किट देकर शिशु और माता का बेहतर स्वास्थ्य एवं भविष्य सुनिश्चित किया जा रहा है। राज्य की सरकारी नौकरी में प्रदेश की महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किया है।

लखपति दीदी योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाया जा रहा है। वैश्विक निवेशक सम्मेलन के माध्यम से 3.5 लाख करोड़ के एमओयू साइन किए गए हैं। जिसके सापेक्ष अब तक 81 हजार करोड़ से अधिक की ग्राउंडिंग हो चुकी है। सीएम ने कहा, कोई व्यक्ति किसी का जबरन या प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन करवाते पकड़ा जाएगा तो उसे सीधे 10 साल की कैद होगी। राज्य में लैंड जिहाद के खिलाफ मुहिम चलाकर कार्रवाई की और सरकारी जमीनों को अवैध कब्जों से मुक्त करवाया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक खजान दास, विनोद चमोली, सविता कपूर, उमेश शर्मा काऊ आदि मौजूद रहे।

बंगाल भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने लगाए गंभीर आरोप

आईपीएस अफसरों के पद पर कार्यरत हैं गैर आईपीएस

कोलकाता, 24 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में कई गैर-आईपीएस अधिकारी, आईपीएस अधिकारियों वाले पदों पर कार्यरत हैं। कई गैर-आईपीएस अधिकारी तो कुछ जिलों के पुलिस अधीक्षक भी हैं। हालांकि, बंगाल पुलिस ने शुभेंदु के इस दावे को खारिज कर दिया है।

शुभेंदु ने चुनाव आयोग द्वारा जारी एक प्रेस नोट का हवाला देते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया, जिसमें ईसी ने राज्य सरकारों को एसपी/एसएसपी के रूप में कार्यरत गैर-एनकैडर अधिकारियों को तुरंत वर्तमान भूमिकाओं से स्थानांतरित करने और एक रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पुलिस अधीक्षक, जिला पुलिस का मुखिया होता है और यह पद सिर्फ आईपीएस अधिकारी ही संभाल सकता है। शुभेंदु ने अपने पोस्ट में चुनाव आयोग को भी टैग किया। पोस्ट में उन्होंने ईसीआई से उनके द्वारा दी गई 16 पुलिस अधिकारियों की सूची पर गौर करने का भी आग्रह किया। साथ में शुभेंदु ने दावा किया कि सभी 16 अधिकारी गैर-आईपीएस अधिकारी हैं, लेकिन वे आईपीएस अधिकारियों वाले पदों पर कार्यरत हैं। शुभेंदु के इसी पोस्ट का जवाब देते हुए बंगाल पुलिस ने कहा कि यह दावे झूठे और भ्रामक हैं।

केजरीवाल की सीनाजोरी पर भाजपा की प्रतिक्रिया

उन्हें लगा बार-बार भ्रष्टाचार करेंगे कानून क्या बिगाड़ेगा!

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा लगातार निशाना साध रही है। उसका कहना है कि केजरीवाल के अंदर जो भावना है कि वह बार-बार भ्रष्टाचार करेंगे और कानून का सामना भी नहीं करेंगे, उसका आज पर्दाफाश हुआ है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन को भी आड़े हाथ लिया। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर सबसे पुरानी पार्टी के नेताओं को सच में विश्वास है कि अरविंद केजरीवाल ने कोई घोटाला नहीं किया है तो वह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सबके सामने कहें कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार हैं।

संबित पात्रा ने कहा, अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट से अपील की थी कि उनकी गिरफ्तारी गैरकानूनी और अवैध है। उन्होंने यह भी कहा ईडी को 28 मार्च तक उनकी हिरासत देना भी गैरकानूनी है और उन्हें तुरंत राहत दी जानी चाहिए। दिल्ली हाईकोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इन्कार कर दिया और किसी भी आदेश पर रोक नहीं लगाया। यह दिखाता है कि केजरीवाल के अंदर जो भावना है कि वह बार-बार भ्रष्टाचार करेंगे और कानून का सामना भी नहीं करेंगे, उसका आज पर्दाफाश हुआ है। उन्होंने कहा कि सभी दस्तावेजों और सबूतों को देखने के बाद सभी अदालत का मानना है कि जो कुछ भी हुआ वह बिल्कुल कानून के मुताबिक हुआ है। दो दिन पहले, उन्होंने आधी रात को इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में ले जाने की कोशिश की। अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से भी अपनी याचिका वापस लेनी पड़ी। अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री हो सकते हैं लेकिन हिन्दुस्तान के कानून से बड़े नहीं है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जिस तरह का विरोधाभास इन राजनीतिक दलों में पनप रहा है, उसे जनता देख रही है। पात्रा ने कहा कि कांग्रेस के बड़े नेताओं ने अरविंद केजरीवाल की शराब नीति को जमकर कोसा था। हर नेता और प्रवक्ता ने अरविंद केजरीवाल को भ्रष्टाचार में डूबा हुआ बताया था। कांग्रेस ने कहा था कि अरविंद केजरीवाल ने हजारों करोड़ रुपए रिश्वत के रूप में लिए हैं। अब आज इंडी गठबंधन किस प्रकार करवट बदल रहा है?

संबित पात्रा ने कांग्रेस से सवाल पूछा कि कांग्रेस ने जो परसों कहा, वह सच था या जो कल चुनाव आयोग के सामने कहा, वह सच था? पात्रा ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव आयोग के सामने बीआरएस की के.कविता का नाम नहीं रखा क्योंकि कांग्रेस और बीआरएस में बनती ही नहीं है।

अपनी गिरफ्तारी को खुद केजरीवाल ने न्यौता दियाः सरमा

गुवाहाटी, 24 मार्च (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कई समन की अनदेखी करना खुद की गिरफ्तारी को आमंत्रित करने के समान है। अगर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के शुरुआती समन का केजरीवाल ने जवाब दिया होता तो उनकी गिरफ्तारी टाल भी सकती थी।

सरमा ने आगे कहा, जब किसी को आठ से नौ बार तलब किया जाता है और वह इन समन का सम्मान नहीं करता है, तो इसका मतलब केवल यह है कि व्यक्ति अपनी गिरफ्तारी को आमंत्रित कर रहा है। अगर वह पहली बार तलब किए जाने पर ईडी के पास गए होते, तो वह गिरफ्तार नहीं भी हो सकते थे। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद केजरीवाल ने शनिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। कोर्ट में उन्होंने अपनी गिरफ्तारी और निचली अदालत द्वारा 22 मार्च को जारी रिमांड के आदेश को चुनौती दी है।

कांग्रेस के तीन-चार खाते अटैच हुए, फ्रीज नहीं

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा ने कांग्रेस पर भ्रामक बयानबाजी करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा, कांग्रेस के कई बैंक खाते हैं, इनमें से 3-4 खाते ही अटैच किए गए हैं, उन्हें फ्रीज नहीं किया गया है। यह कार्रवाई आयकर विभाग ने बकाया कर का भुगतान नहीं किए जाने पर किया है। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि सभी खातों में पैसे जमा किए और निकाले जा सकते हैं, केवल 125 करोड़ रुपए को छोड़कर। उन्होंने कहा, कांग्रेस को आगामी लोकसभा चुनाव में अपनी हार नजर आ रही है, इसलिए वह गलतबयानी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, विभिन्न बैंकों में कांग्रेस के 1,000 करोड़ हैं। ये सभी विभिन्न पैन कार्ड का इस्तेमाल कर खोले गए हैं। कांग्रेस अपनी पार्टी के संविधान का उल्लंघन कर रही है।

कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े 13 उग्रवादी पकड़े गए

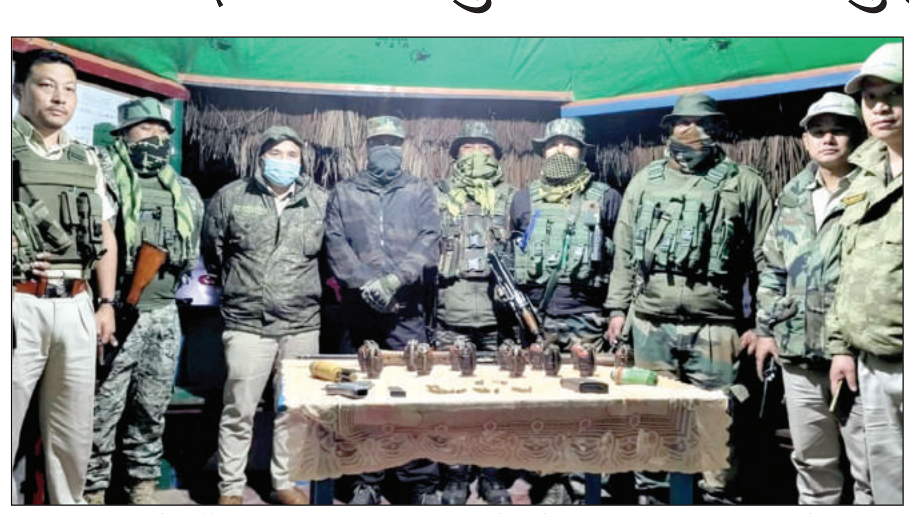

इंफाल, 24 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर में कुकी-मेतई के बीच जारी संघर्ष के बीच पुलिस ने इंफाल में एक उग्रवादी संगठन का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने शनिवार को कहा कि दो शिविरों से 13 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि सभी 13 उग्रवादी कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) से जुड़े हुए थे, जिन्हें कामेंग सबल और लोइतांग सैंडम इलाके में स्थित दो शिविरों में छापेमारी के दौरान पकड़ा गया है।

आरोपी अपने शिविर में नए रंगरूटों के प्रशिक्षण, अपहरण, जबरन वसूली सहित अन्य कार्रवाई को अंजाम देते थे। पुलिस ने एक व्यक्ति को भी संगठन की पकड़ से आजाद कराया है। आरोपियों के कब्जे से चार कार्बाइन, एक एके और एक इंसास राइफल, एक नौ मिमी पिस्तौल और दो ग्रेनेड जब्त किया गया है। गिरफ्तार 13 लोगों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

आतंकवादी बना आईआईटी गुवाहाटी का छात्र गिरफ्तार

गुवाहाटी, 24 मार्च (एजेंसियां)। असम पुलिस की एसटीएफ ने आईआईटी-गुवाहाटी के एक छात्र को हिरासत में लिया है, जो आतंकवादी समूह आईएसआईएस में शामिल होने के लिए जा रहा था। छात्र को आईएसआईएस इंडिया के प्रमुख हारिस फारूकी और उसके सहयोगी अनुराग सिंह उर्फ रेहान को बांग्लादेश से पार करने के बाद धुबरी में गिरफ्तार किए जाने के चार दिन बाद पकड़ा गया।

असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने कहा, आईएसआईएस के साथ झुकाव रखने वाले आईआईटी गुवाहाटी के छात्र को यात्रा के दौरान हिरासत में लिया गया है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एसटीएफ) कल्याण कुमार पाठक ने बताया कि एक ईमेल मिलने के बाद हमने इसकी प्रामाणिकता की पुष्टि की और जांच शुरू की। यह ईमेल छात्र ने भेजा था, जिसमें उसने दावा किया था कि वह आईएसआईएस में शामिल होने जा रहा है। पाठक ने कहा कि ईमेल मिलने के बाद आईआईटी-गुवाहाटी के अधिकारियों से संपर्क किया गया, जिन्होंने उन्हें सूचित किया कि उक्त छात्र दोपहर से लापता है और उसका मोबाइल फोन भी बंद जा रहा था। उन्होंने बताया कि हिरासत में लिया गया आरोपी चौथे वर्ष का छात्र है और दिल्ली के ओखला का रहने वाला है।

चार्जिंग पर लगा मोबाइल फटा, चार बच्चों की मौत, पति-पत्नी घायल

मेरठ, 24 मार्च (एजेंसियां)। मेरठ में मोदीपुरम की जनता कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहे मजदूर के घर में शॉर्ट सर्किट से मोबाइल में धमाका हो गया और कमरे में आग लग गई। कमरे में मौजूद चार बच्चे बुरी तरह झुलस गए। बच्चों को बचाने पहुंचे दंपती भी झुलस गए। लोगों ने पुलिस को सूचना दी और आग पर काबू पाया। पुलिस ने सभी को पहले निजी अस्पताल और बाद में मेडिकल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान चारों बच्चों की मौत हो गई है। अभी दम्पति की हालत गंभीर बनी हुई है।

मुजफ्फरनगर जिले के सिखेड़ा निवासी जॉनी (41) मजदूरी करता है। पत्नी बबीता (37) व चार बच्चों सारिका (10), निहारिका (8), गोलू (6) और कल्लू (5) के साथ मोदीपुरम की जनता कॉलोनी में एक मकान में किराए पर रहता था। बच्चे कमरे में खेल रहे थे। कमरे में बेड पर तार बिखरे हुए थे और बच्चे मोबाइल का चार्जर बिजली के बोर्ड में लगा रहे थे। चार्जर लगाने के दौरान शॉर्ट सर्किट हो गया। तारों में आग लगने से मोबाइल में धमाका हुआ और बेड में आग लग गई। आग से घिरे बच्चों ने चिल्लाना शुरू कर दिया। धमाके व बच्चों का शोर सुनकर जॉनी व बबीता रसोई से कमरे की ओर दौड़े। दोनों ने बच्चों को आग से झुलसी हालत में बाहर निकाला। बच्चों को बचाने के दौरान बबीता व जॉनी भी बुरी तरह झुलस गए। जॉनी के घर से चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी पहुंच गए।

थाना प्रभारी मनेश कुमार का कहना है कि उपचार के दौरान सारिका और कल्लू ने भी दम तोड़ दिया है।

परिजन पहले पोस्टमार्टम के लिए मना कर रहे थे लेकिन अब पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पिता जॉनी का मेडिकल में उपचार चल रहा है, जबकि मां बबीता को गंभीर हालत में दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी भी हालत नाजुक बनी हुई है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। बच्चे और दंपती बुरी तरह से झुलस गए थे। इनमें चारों बच्चों की मौत हो गई है।

केसर की क्यारियां, ट्यूलिप, बादामबाड़ी के फूल और सरसों के खेत

कश्मीर के कैनवस पर प्रकृति उड़ेल रही सौंदर्य

जम्मू, 24 मार्च (ब्यूरो)। कश्मीर के मोर्चे से खुशी की बात यह कही जा सकती है कि पहले जहां केसर क्यारियां, ट्यूलिप और बादामबाड़ी के फूल पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हुआ करते थे अब सरसों के खेत भी उनके आकर्षण के नए ठिकाने बन गए हैं। सरसों के खेतों के खिलने के साथ, सैकड़ों पर्यटक इन क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे मनोरंजन और फोटोग्राफी के लिए आ रहे हैं।

पीले और हरे रंग के फूलों के सुरम्य मैदान पिछले एक पखवाड़े से सैकड़ों पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। अवंतीपोरा के रहने वाले गुलाम कादिर का कहना था कि कश्मीर आने वाले सैकड़ों पर्यटक अपने वाहनों को रोकते हैं और कुछ समय खेतों में बिताते हैं और रोजाना तस्वीरें भी लेते हैं।

हालत यह है कि जैसे पर्यटक डल झील, पहलगाम, गुलमर्ग, केसर के खेतों और अन्य पर्यटन स्थलों में तस्वीरें क्लिक करते हैं, वैसे ही सरसों के खेतों की सुंदरता से पर्यटक मंत्रमुग्ध हो रहे हैं। अनंतनाग के ऐशमुकम क्षेत्र के निवासी शकील अहमद के बकौल आगंतुक सरसों की सुंदरता से प्रसन्न हो रहे हैं और वे उन्हें अपने वाहनों से बाहर आने और सरसों में समय बिताने के लिए प्रेरित करते हैं।

जबकि तंगमर्ग इलाके के रहने वाले उमर अहमद ने भी बताया कि गुलमर्ग आने वाले पर्यटक भी गुलमर्ग के बाहरी इलाके में पड़े सरसों के खेतों में कुछ समय बिता रहे हैं और तस्वीरें ले रहे हैं। ट्यूलिप और बादाम के फूलों के अलावा, बसंत के मौसम के दौरान घाटी में आने वाले पर्यटकों के लिए सरसों का फूल एक और आकर्षण बन रहा है। सर्दियों की समाप्ति के साथ, घाटी में वसंत का मौसम सरसों, बादाम, चेरी और ट्यूलिप के खिलने के साथ शुरू होता है। जबकि बादामवारी और ट्यूलिप गार्डन मौसम के दौरान मुख्य आकर्षण बन जाते हैं, राजसी बर्फ से ढके पहाड़ों और हरी-भरी हरियाली की पृष्ठभूमि के खिलाफ घाटी में फैले बेतरतीब सरसों के खेत समान रूप से एक आश्चर्यजनक विरोधाभास प्रस्तुत करते हैं, जो परिदृश्य को सोने के रंगों से चित्रित करते हैं।

इस दौरान पर्यटक सरसों के खिले मनमोहक दृश्यों में डूबने के लिए कश्मीर घाटी में आते हैं। परफेक्ट शॉट की चाहत रखने वाले फोटोग्राफरों से लेकर आसपास की शांति का आनंद लेने वाले प्रकृति प्रेमियों तक, आगंतुकों को सरसों के खेतों के बीच सांत्वना मिलती है। ट्रैवल एजेंटों के अनुसार, पर्यटक अक्सर उनसे कश्मीर के सरसों के खेतों की यात्रा के लिए अनुरोध करते हैं।

वसंत ऋतु के दौरान इंडोनेशिया में सरसों का खिलना प्रमुख आकर्षणों में से एक है। पहाड़ों से घिरा कश्मीर, सरसों के फूलों के बीच एक शानदार दृश्य प्रस्तुत करता है। पर्यटकों को प्रकृति का यह रंग बहुत पसंद आता है, ट्रैवल एजेंट उमर अहमद कहते थे। वे कहते थे कि वसंत ऋतु के दौरान मुख्य रूप से सरसों और बादाम के खिलने के कारण प्री-वेडिंग और फैशन ब्लॉगर्स के लिए पर्यटकों की भीड़ बढ़ जाती है।

उनके बकौल, हमें ऐसे बहुत से जोड़े मिलते हैं जो प्री-वेडिंग शूट के लिए कश्मीर आते हैं। इसके अलावा, मॉडल और फैशन डिजाइनर भी इस मौसम में सरसों के फूलों की सुनहरी छटा के बीच अपने ब्रांड पर कब्जा करना पसंद करते हैं। जबकि आने वाले पर्यटकों के अनुसार, कश्मीर में सरसों के फूल इस जगह को स्विट्ज़रलैंड जैसा बनाते हैं। एक पर्यटक सुजाता कुमार के शब्दों में: हम स्विट्ज़रलैंड गए हैं और यकीन मानिए कश्मीर बहुत खूबसूरत है। हम सात दिनों के लिए यहां हैं और कुछ वीडियो और तस्वीरें खींचने के लिए सरसों के फूल देखने की उम्मीद करते हैं।

तीन बार विधायक रहे बसपा नेता हरिदास भाजपा में शामिल

देहरादून, 24 मार्च (एजेंसियां)। झबरेड़ा विधानसभा सीट से तीन बार विधायक रहे बसपा नेता हरिदास भाजपा में शामिल हो गए। प्रदेश पार्टी कार्यालय में उन्होंने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ली। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने उन्हें पार्टी सदस्यता दिलाई।

इस अवसर पर हरिद्वार संसदीय सीट के भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत, चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक सांसद नरेश बंसल और कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी भी मौजूद थे। उधर, बसपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी शीशपाल ने कहा, हरिदास बसपा में नहीं थे। उन्हें पहले ही पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

इधर, सियासी हलकों में यह चर्चा रही कि हरिदास ने हरिद्वार सीट से भावना पांडेय को प्रत्याशी बनाए जाने से नाराज होकर अपने समर्थकों के साथ भाजपा से जुड़ गए। प्रदेश पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने कहा, देश का सर्व समाज, 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के लिए मोदीजी के नेतृत्व में एक हो रहा है।

लिहाजा, एनडीए का 400 पार होना और फिर से मोदी सरकार आना तय है। भट्ट ने कहा, वरिष्ठ नेता हरिदास का आना बताता है कि देवभूमि के सभी धर्मों, जातियों, क्षेत्रों एवं वर्गों का समर्थन मोदी को हासिल हो गया है। देशवासियों का आशीर्वाद और प्रभु श्रीराम की कृपा आज मोदी के साथ है। हरिदास ने कहा, पीएम मोदी का नेतृत्व और सर्व समाज के लिए किए कामों से प्रभावित होकर आज हम सब यहां हैं। पहली बार समाज के पिछड़े वर्गों के लिए किसी केंद्र सरकार ने इतने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। धामी सरकार के नेतृत्व में राज्य का जिस तरह विकास हो रहा है उसको देखते हुए हम सबको नैतिक जिम्मेदारी महसूस हुई कि उत्तराखंड का दशक लाने के मिशन में हम भी अपना योगदान दें।

भगवानपुर विस सीट पर बगावत कर बसपा टिकट पर चुनाव लड़े सुबोध राकेश फिर से भाजपा में वापसी कर सकते हैं। सुबोध ने 2017 में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। वह अपनी भाभी ममता राकेश से चुनाव हार गए थे।

भारत-म्यांमार सीमा के पास हथियार, गोला-बारूद जब्त

चंपई, 24 मार्च (एजेंसियां)। भारत-म्यांमार सीमा के पास असम राइफल्स ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त कर मिजोरम के चंपई जिले में एक म्यांमार नागरिक को गिरफ्तार किया है। असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस की संयुक्त टीम ने जोखावथर से यह जब्ती की। दो सिंगल बैरल राइफल, 5.56 मिमी की 20 राउंड, 9 मिमी की छह राउंड और दो हेलमेट शामिल हैं।

जदयू ने 16 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की

दो सांसद का टिकट कटा

पटना, 24 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने लोकसभा चुनाव को लेकर प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है। जदयू ने 16 प्रत्याशियों ने नाम की घोषणा की है। सीतामढ़ी के सांसद और जदयू नेता सुनील कुमार पिंटू का टिकट कट गया है। उनकी जगह विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर को टिकट दिया गया है। सीवान की सांसद कविता सिंह का भी टिकट कट गया है। उनके जगह विजयालक्ष्मी देवी को पार्टी ने लोकसभा उम्मीवार बनाया है। चुनाव से पहले ही लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके विधायक गोपाल मंडल को भी टिकट नहीं दिया गया। किशनगंज लोकसभा सीट से 2019 जदयू के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले सैयद महमूद अशरफ की जगह पार्टी ने मुजाहिद आलम को टिकट दिया है। शिवहर से लवली आनंद के नाम पर पार्टी ने मुहर लगाई है।

जनता दल यूनाइटेड के दफ्तर में वरिष्ठ नेता वशिष्ठ नारायण सिंह ने 16 सीटों पर लोकसभा प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया। जदयू की लिस्ट के मुताबिक वाल्मीकि नगर से सुनील कुमार, शिवहर से लवली आनंद, सीतामढ़ी से देवेश चंद्र ठाकुर, झंझारपुर से रामप्रीत मंडल, सुपौल से दिलेश्वर कामत, किशनगंज से मुजाहिद आलम, कटिहार से दुलालचंद्र गोस्वामी, पूर्णिया से संतोष कुमार कुशवाहा, मधेपुरा से दिनेश चंद्र यादव, गोपालगंज से डॉ. आलोक कुमार सुमन, सीवान से विजयालक्ष्मी देवी, भागलपुर से अजय कुमार मंडल, बांका से गिरिधारी यादव, मुंगेर से राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, नालंदा से कौशलेंद्र कुमार और जहानाबाद से चंदेश्वर आजाद चुनाव लड़ेंगे।

धरना देकर किया आचार संहिता का उल्लंघन

हरिद्वार, 24 मार्च (एजेंसियां)। मारपीट के मामले में गिरफ्तार किए गए चार लोगों को छोड़ने की मांग को लेकर और एक तरफा कार्रवाई का आरोप लगाते हुए जिला अस्पताल में धरना देकर आचार संहिता की धज्जियां उड़ाने के मामले का चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया है। जिसके बाद पुलिस ने भाजपा विधायक आदेश चौहान और भाजपा पदाधिकारियों सहित 150 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज से लोगों की पहचान करनी शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को ज्वालापुर में सड़क पर रखे सामान को हटाने को लेकर दुकानदार और बाइक सवार के बीच कहां सुनी हो गई थी।

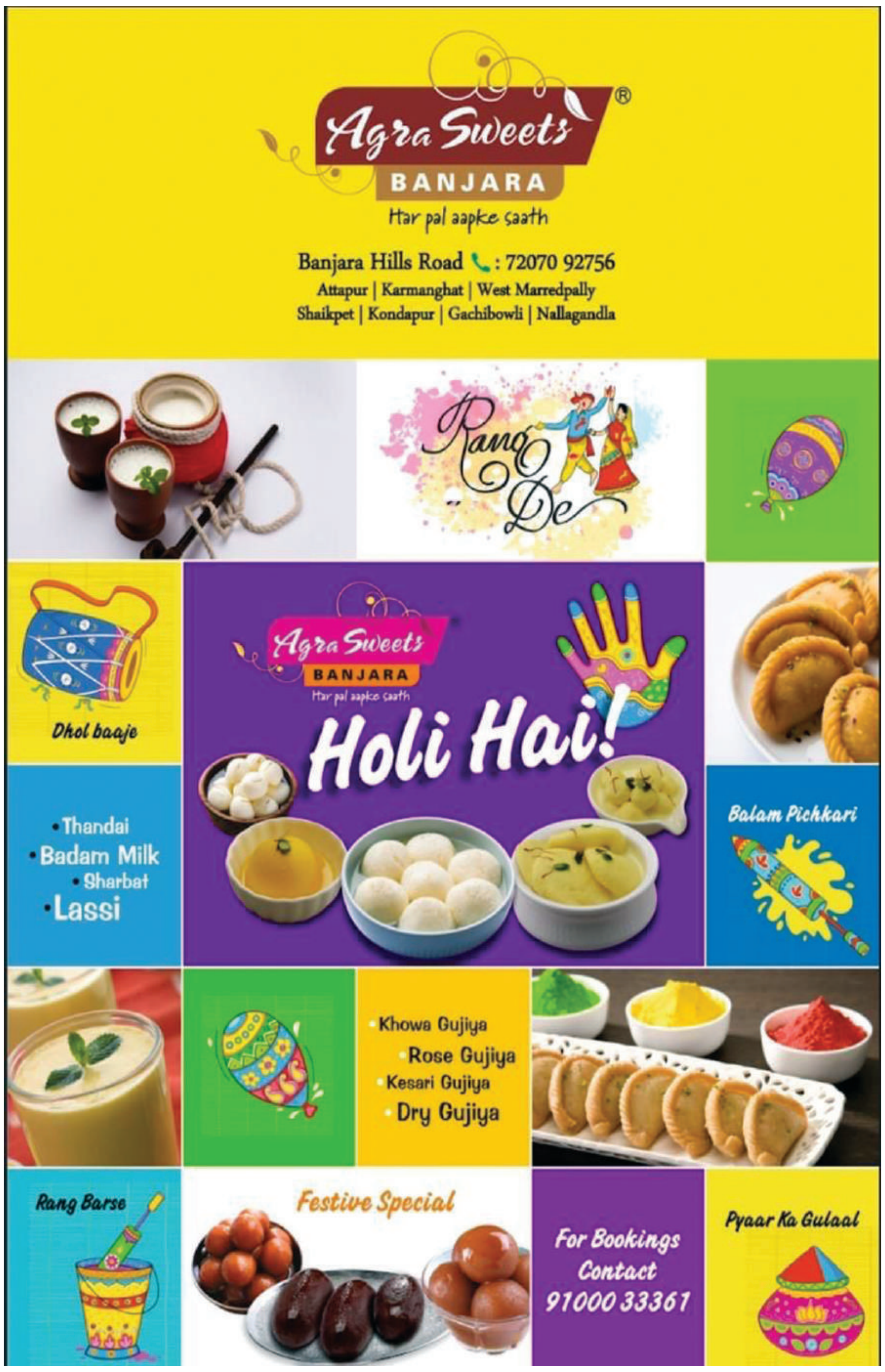

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.